कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, बुधवार, 25 सितंबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 133

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

www.koylanchalsamvad.com

बदलापुर रेप केस- एनकाउंटर की जांच करेगी सीआईडीः परिवार का... | एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर | गले में दर्द और सूजन को कभी हल्के में न लें

मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली मेट्रो को मिली बिना ड्राइवर वाली 'मेक इन इंडिया' टेक्नोलॉजी से लैस ट्रेन, तीन लाइनों पर इस स्पीड से चलेगी

दिल्ली मेट्रो रेल निगम को सोमवार को चालक रहित तकनीक से लैस पहला मेट्रोपोलिस मेट्रो ट्रेनसेट प्राप्त हुआ जो एक मूल उपकरण निर्माता को आउटसोर्स की गई पहली परियोजना का हिस्सा है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने बताया, दिल्ली मेट्रो परिवार के लिए ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि हमने चौथे चरण के गलियारों को शुरू करने की दिशा में एक और अहम कदम उठाया है। कुमार ने कहा कि नए चरण के विस्तार के लिए पहले ट्रेन सेट को आंध्र प्रदेश के श्री सिटी से रवाना कर दिया गया है और हम अपने यात्रियों के लिए विस्तारित सुविधाओं और पर्यावरण हितैषी यात्रा के नये युग में प्रवेश कर रहे हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, महानगरीय रेलगाड़ियों को भारत में श्री सिटी में एल्सटॉम की निर्माण इकाई में डिजाइन किया जा रहा है और ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन (जीओए)-4 चालक रहित प्रौद्योगिकी से लैस किया गया है। इसमें कहा गया कि ट्रेनसेट को 95 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित तरीके से संचालित करने और 85 किमी प्रति घंटे तक की परिचालन गति पर संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

भारत में विमानन सुरक्षा में सुधार की आवश्यकताः नायडू

नई दिल्ली,(ईएमएस)। विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा किए गए ऑडिट के परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सुरक्षा जोखिमों में मानवीय कारक भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित विमानन दुर्घटनाओं में मानवीय कारकों पर पहली राष्ट्रीय सुरक्षा संगोष्ठी में सोमवार को बोलते हुए नायडू ने कहा कि हवाई दुर्घटनाओं में मानवीय भूलों से संबंधित घटनाओं में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, वैश्विक स्तर पर 80% विमानन दुर्घटनाएं मानवीय भूलों के कारण होती हैं, हालाँकि, दुर्घटनाओं की कुल संख्या में कमी आई है। मंत्री ने उल्लेख किया कि विमान दुर्घटना ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा जांच की गई 91 दुर्घटनाओं में से कई का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन न करना रहा है। नायडू ने सभी हितधारकों से अपील की है कि वे अपने कार्यबल के कौशल, पुनः कौशल और अपस्किलिंग पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर बनी रहनी चाहिए, और एक अच्छी तरह से तैयार कार्यबल उस प्रतिबद्धता की रीढ़ है जिसे हम सुनिश्चित करना चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावः बडगाम सीट पर उमर अब्दुल्ला और आगा मुंतजिर के बीच टक्कर

जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण का मतदान कल बुधवार 25 सितंबर को होने जा रहा है। इस चरण में बडगाम विधानसभा सीट पर चुनावी मुकाबला विशेष रूप से दिलचस्प हो गया है। इस सीट पर जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगा सैयद मुंतजिर मेहदी आमने-सामने हैं। यहां बताते चलें कि बडगाम विधानसभा सीट 1962 में अस्तित्व में आई थी और तब से जेकेएनसी का यहां दबदबा रहा है। पिछले 10 वर्षों में इस सीट पर जेकेएनसी को सिर्फ एक बार हार का सामना करना पड़ा है, जब 1972 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मोहम्मद मीर ने जीत हासिल की थी। इस कारण अब उमर अब्दुल्ला के लिए यह सीट काफी महत्वपूर्ण हो गई है। उमर अब्दुल्ला ने बडगाम के साथ-साथ गंदेरबल से भी चुनावी मैदान में प्रवेश किया है। वह अपनी पार्टी का दबदबा बरकरार रखने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी के चलते स्थानीय लोग नाराज हैं, जो उनकी राह में बाधा बन सकता है।

पूरे राज्य का कर रहा हूं भ्रमण, लोगों के मिल रहे सुझाव के आधार पर और भी बेहतर योजनाएं लेकर आपके बीच आएंगे- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

चतरा : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने चतरा जिला के ईटखोरी स्थित मां भद्रकाली की पावन धरती पर आयोजित "आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार " कार्यक्रम में लगभग 841 करोड़ की 702 विकास योजनाएं चतरा एवं कोडरमा जिला वासियों को समर्पित कर झारखंड राज्य के सर्वांगीण विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आपके उत्साह, सहयोग एवं समर्थन से हमारी सरकार को ताकत मिल रहा है । इसी की बदौलत ही हम इस राज्य को मजबूती दे रहे हैं।

यह देखने के लिए निकले हैं कि सरकार की योजनाएं आप तक पहुंच रही है या नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार गांव- देहात से चल रही है । हमारी सरकार के 5 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस दौरान हमारी सरकार की कार्यशैली से आप कितने आगे बढ़ें। इसे जानने और देखने के लिए पूरे राज्य का भ्रमण कर रहे हैं । इस क्रम में यह भी देख रहे हैं कि सरकार की योजनाएं आप तक किस तरीके से पहुंच रही । अधिकारी आपके दरवाजे पर पहुंचकर आपकी समस्याओं का समाधान किस तरीके से कर रहे हैं। हमारी कोशिश है जिलों के भ्रमण के दौरान आम जनता से मिले सुझावों के आधार पर आगे भी और भी बेहतर से बेहतर योजनाएं आपके लिए लेकर आ सकें।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को बहन- बेटियों का मिल रहा अपार समर्थन

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड मुखयमंत्री मंईयां सम्मान योजना को बहन- बेटियों का अपार समर्थन मिल रहा है। आज यह योजना सबसे सफ़ल और लोकप्रिय योजना के रूप में सामने आया है। इस योजना को लेकर पूरे राज्य की महिलाओं में अजब उत्साह देखने को मिल रहा है । मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपको सशक्त बनाने के लिए हर कदम पर सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी।

1 लाख 36 हज़ार करोड़ रुपए के बकाए का सिर्फ ब्याज ही मिल जाए तो इस राज्य की तकदीर बदल देंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का एक लाख 36 हजार करोड़ रूपया केंद्र पर बकाया है अगर इस राशि का हमें सिर्फ ब्याज ही मिल जाए तो इस राज्य को आगे बढ़ाने के लिए किसी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्यवासियों के लिए झारखंड मुखयमंत्री मंईयां सम्मान योजना जैसी अनेकों योजनाओं को लेकर आपके बीच आ आ सकेंगे। आज हम तमाम चुनौतियों और विपरीत परिस्थितियों के बीच भी इस राज्य को सजाने और संवारने के लिए पूरी ताकत के साथ काम कर रही हैं।

जो 20 वर्ष में नहीं हो सका, वह 4 वर्षों में कर दिखाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के लिए हमें लंबा संघर्ष करना पड़ा। अलग राज्य के लिए चली लंबी लड़ाई में अनेकों लोगों ने अपने को बलिदान कर दिया। लेकिन, अफसोस इस बात का है कि अलग राज्य बनने के बाद विकास को जो गति मिलनी चाहिए , वह नहीं हो सका। अलग राज्य के गठन के 20 वर्षों तक यह राज्य उपेक्षित बना रहा। लेकिन, 2019 के दिसंबर में जब हमारी सरकार बनी हो हमने इस राज्य को आगे बढ़ने का सिलसिला प्रारंभ किया। मैं दावे के साथ कर सकता हूं कि हमारी सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में लगभग दो वर्षों तक कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ते हुए भी जितने कार्य कर दिखाए, वह 20 वर्षों में नहीं हो सका। **शेष पेज 2 पर ...**

मंईयां सम्मान योजना की राशि कर देंगे 2000 रुपए-सीएम हेमंत सोरेन

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बहुत बड़ी घोषणा कर दी है। राज्य में 18 से 50 साल तक की महिलाओं के लिए शुरू की गई महागठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि को डबल करने की बात कर दी है। हेमंत सोरेन की सरकार ने कहा है कि वह मंईयां सम्मान योजना की राशि को 1000 रुपए से बढ़ाकर 2000 रुपए कर देंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और प्रदेश के मुखिया ने 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी दलों के नेता कहते हैं कि विधानसभा चुनाव जीतने के लिए हेमंत सोरेन ने मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की है। हेमंत सोरेन ने कहा कि खुद तो ये लोग कुछ करते नहीं, जब हम महिलाओं को सम्मान देना चाहते हैं, तो हम पर आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि हमने केंद्र सरकार से कहा है कि हमारा बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपए दो। अगर ये रुपए एक साथ नहीं दे सकते, तो उसका ब्याज दो। अगर केंद्र सरकार से हमें 1.36 लाख करोड़ रुपए मिल जाएं, तो हम झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि को एक हजार रुपए से बढ़ाकर 2000 रुपए कर देंगे।

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा पूरी, 2.59 करोड़ लोग करेंगे वोट

रांचीः भारत निर्वाचन आयोग की 13 सदस्यीय टीम ने झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा पूरी कर ली है. राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार एवं उनकी टीम ने 2 दिन तक विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया. राजनीतिक दलों की मांगों और आपत्तियों को सुना. फिर सरकार के आला अधिकारियों और चुनाव के दौरान काम करने वाली प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक की. उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए.

झारखंड में 1.31 करोड़ पुरुष और 1.28 करोड़ महिला मतदाता

मंगलवार को 2 दिन की यात्रा पूरी करने के बाद निर्वाचन आयोग की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई. इसमें बताया गया कि झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में 2.59 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. 20 सितंबर 2024 तक झारखंड में इतने वोटर हैं. इसमें 1.31 करोड़ पुरुष और 1.28 करोड़ महिला मतदाता हैं. 85 साल से अधिक उम्र के 1.14 लाख वोटर हैं, तो 450 ट्रांसजेंडर भी मतदाता सूची में शामिल हैं.

20 से 29 साल के 66.48 लाख मतदाता हैं झारखंड में

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में पहली बार मतदान करने वाले वोटर्स यानी 18 से 19 साल के 11.05 लाख मतदाता हैं. 66.48 लाख मतदाताओं की उम्र 20 से 29 साल के बीच है. झारखंड में 1,845 वोटरों की आयु 100 साल या उससे अधिक है. पीवीटीजी वोटर्स की संख्या 1.78 लाख है. झारखंड में कुल 3.64 लाख दिव्यांग मतदाता हैं, जो इस बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं.

20276 जगहों पर बनाए जाएंगे 29562 मतदान केंद्र

चुनाव की तैयारियों के बारे में झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त को विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने बताया कि झारखंड में 20,276 जगहों पर 29,562 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे. इनमें से 24,520 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में होंगे. 5,042 मतदान केंद्र शहरी क्षेत्रों में होंगे. एक मतदान केंद्र पर औसतन 872 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे.

1271 मतदान केंद्र का संचालन करेंगी महिलाएं

के रवि कुमार ने चुनाव आयोग को यह भी बताया कि 1,271 मतदान केंद्रों का संचालन महिलाएं करेंगी. वहीं, 139 बूथ की जिम्मेदारी युवा मतदानकर्मियों को दी गई है. 48 मतदान केंद्र ऐसे बनाए गए हैं, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से दिव्यांग मतदानकर्मियों को सौंपी गई है.

निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान के लिए होगा तकनीक का इस्तेमाल

निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने एवं मतदाताओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कुछ टेक्नोलॉजी की भी मदद ली जाएगी. जिन ऐप्स की मदद ली जाएगी.

वीएचए : इस ऐप की मदद से लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. मतदाता सूची में अपने नाम की जांच कर सकेंगे. अपने मतदान केंद्र के बारे में जानकारी ले सकेंगे. बीएलओ और ईआरओ से कनेक्ट हो सकेंगे.

एसकेएमयू के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल संतोष गंगवार, युवाओं को दिया गुरुमंत्र

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय का आठवां दीक्षांत समारोह दुमका के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार मौजूद थे. इस दीक्षांत समारोह में यूजी व पीजी के 63 टॉपर्स को गोल्ड मेडल सहित सहित 139 को उपाधि प्रदान की गयी. इनमें 76 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई. कुलाधिपति सह राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में उपाधि प्राप्त करनेवाले छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी. राज्यपाल ने कहा कि भले ही उनके लिए यह दीक्षांत समारोह शैक्षणिक उपलब्धि का दिन हो, लेकिन आज से उनके जीवन के नये अध्याय की शुरूआत भी हो रही है. अपने ज्ञान, कौशल और शोध-अध्ययन के अनुभव से वे समाज और देश की उन्नति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें. उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र और शोधार्थी के लिए यह उपलब्धि सिर्फ उनकी व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि इस ज्ञान के माध्यम से अपने समाज को आगे ले जाने की जिम्मेदारी भी बनती है.

समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करें

उन्होंने युवाओं से कहा कि ज्ञान व कौशल का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और देश को नई उंचाई तक ले जाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें. राज्यपाल ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने के बाद आपके सामने कई चुनौतियां होंगी, उन चुनौतियों का दृढ़तापूर्वक सामना करें और आगे बढ़ें. आप सामाजिक न्याय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग कर पूरे देश को आगे बढ़ाने का काम करें. उन्होंने कहा कि आप अपने शोध के माध्यम से भी समाज की जो समस्या है, उसका समाधान ढूंढें. उन्होंने कहा कि जिस तरह विकट परिस्थिति में इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों ने हूल जैसे आंदोलन का नेतृत्व किया.

टाटानगर रेलवे स्टेशन बनेगा वर्ल्ड क्लास

झारखंड में कई स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने पर भारतीय रेलवे काम कर रहा है. दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत आने वाले टाटानगर रेलवे स्टेशन को भी वर्ल्ड क्लास बनाया जाएगा. इस स्टेशन पर कितने प्लेटफॉर्म होंगे. स्टेशन के डेवलपमेंट की राह में आने वाली तमाम बाधाओं को दूर कर लिया गया है. टाटानगर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की संख्या बढ़ाई जाएगी. यात्री सुविधाओं में भी इजाफा किया जाएगा. स्टेशन पर कौन-कौन सी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी. टाटानगर रेलवे स्टेशन मार्च 2025 के बाद कैसा दिखेगा. टाटानगर रेलवे स्टेशन दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है. यहां से वंदे भारत समेत कई महत्वपूर्ण ट्रेनें चलतीं हैं. दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल कुमार मिश्रा ने अधिकारियों के साथ एक बैठक की. इसमें अफसरों को जरूरी निर्देश दिए गए. बताया गया कि किस सड़क को बंद करना है. कहां-कहां विकास कार्य किए जाएंगे. साउथ ईस्टर्न रेलवे के जीएम ने अपने अधिकारियों से कहा है कि अक्टूबर 2024 से टाटानगर रेलवे स्टेशन के विकास का काम शुरू हो जाएगा. स्टेशन के आसपास के इलाकों को स्टेशन परिसर में शामिल कर लिया जाएगा. इसके बाद कुल 78.71 एकड़ क्षेत्र में नए प्रोजेक्ट की शुरुआत होगी. नए स्टेशन की बिल्डिंग की ऊंचाई 150 मीटर होगी. एक 6 मंजिला भवन बनेगा, जिसमें पैसेंजर फैसिलिटी होगी. इस बिल्डिंग के कुछ हिस्से का कॉमर्शियल इस्तेमाल भी होगा.

यूपी में ढाबा-रेस्टोरेंट पर मालिक की नेम प्लेट जरूरीः सीसीटीवी, कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन होगा, शेफ-वेटर को मास्क-ग्लव्स पहनना होगा

लखनऊः यूपी सरकार ने खाने-पीने की दुकानों पर नेमप्लेट यानी दुकानदार का नाम लिखना अनिवार्य कर दिया है। सीएम योगी ने मंगलवार को यह आदेश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने खाद्य विभाग के साथ बैठक की। उन्होंने कहा- प्रदेश के सभी होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट की गहन जांच और हर कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन किया जाए। खाने की चीजों की शुद्धता के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए जाएं। नए आदेश के मुताबिक, खान-पान केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर का नाम और पता डिस्प्ले करना अनिवार्य होगा। पूरे रेस्टोरेंट में सीसीटीवी लगाने होंगे। कर्मचारियों को मास्क-ग्लव्ज पहनना जरूरी होगा। इससे पहले यूपी सरकार ने कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट अनिवार्य की थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। कोर्ट ने योगी सरकार के इस फैसले पर रोक लगा दी थी। मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। मालूम हो कि हाल ही में आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर में मिलावट वाले घी से प्रसाद बनाने का मामला सामने आया है।

1. खाने-पीने की चीजों में यूरिन-थूक मिलाना वीभत्स

सीएम ने कहा- खाने-पीने की चीजों में यूरिन और थूक मिलाने की घटनाएं देखने को मिली हैं। ये वीभत्स हैं। ऐसा कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाएं।

2. दुकानदारों का वेरिफिकेशन किया जाए

ढाबों और रेस्टोरेंट की जांच की जानी

जरूरी है। प्रदेश में अभियान चलाकर कर्मचारियों का वेरिफिकेशन किया जाए। इसे खाद्य सुरक्षा, पुलिस और प्रशासन की टीम जल्द करे। खान-पान की दुकानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर के नाम और पता डिस्प्ले किया जाए।

3. रेस्टोरेंट-होटल की हर जगह सीसीटीवी से कवर हो

रेस्टोरेंट-होटल में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर, बल्कि पूरा रेस्टोरेंट सीसीटीवी से कवर होना चाहिए। हर होटल संचालक सीसीटीवी की फीड सुरक्षित रखेगा। जरूरत पड़ने पर उपलब्ध कराएगा।

4. शेफ-वेटर को मास्क और ग्लव्स पहनना जरूरी

खाने-पीने की दुकानों में साफ-सफाई होनी चाहिए। शेफ और वेटर को मास्क और ग्लव्स पहनना जरूरी है। खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने से जुड़े नियमों को और सख्त किया जाए।

यूपी सरकार ने दोबारा आदेश क्यों दिया?

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने खाद्य अधिनियम के नियमों का हवाला दिया था। कोर्ट में तर्क दिया था कि खाद्य अधिनियम में प्रावधान है कि दुकानदार दुकान में अपना नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य जानकारी लिखें। ऐसे में सवाल उठता है कि दोबारा सरकार ने आदेश क्यों दिया? सूत्रों ने बताया कि सरकार कोई नया नियम लागू नहीं कर रही है। कुछ नियमों का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में जिक्र है, जबकि कुछ नए नियमों को सीएम के आदेश के बाद संशोधन करके शामिल किया जाएगा। संशोधन के बाद दुकानदारों का नाम लिखना यूपी में कानून बन जाएगा। इससे पहले, यूपी सरकार ने पूरे राज्य में इसी साल 19 जुलाई को दुकानों पर नेमप्लेट लगाने का आदेश दिया था। उस वक्त कांवड़ यात्रा चल रही थी।

बदलेगा मौसम का मिजाज, 25-26 को भारी बारिश के आसार

रांचीः बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव बन रहा है। इसका आंशिक असर झारखंड के कई हिस्सों में पड़ सकता है। मौसम केंद्र ने इस दबाव के कारण कई जिलों में भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम केंद्र ने पूर्वानुमान किया है कि 25 और 26 सितंबर को भारी बारिश हो सकती है. कहीं-कहीं गरज के साथ वज्रपात की भी आशंका जतायी गयी है. तेज हवाएं चल सकती हैं. मौसम विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है. बीते तीन से चार दिनों में अधिकतम तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही थी। सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया गया। दिन भर की उमस वाली गर्मी के बाद शाम में अचानक धूल भरी आंधी चली। वहीं कुछ देर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश भी हुई। इस बारिश ने राहत जरूर दी है पर आज सुबह से ही धूप निकला हुआ है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में लगभग एक जैसी स्थिति बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद

ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के मध्य में लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इसकी वजह से पूर्व की ओर से हवाएं चलेंगी। यह नमी वाली हवा होगी, जिसका प्रभाव 25 सितंबर से ही राज्य में दिखने लगेगा। 26 सितंबर से मौसम में बड़ा बदलाव होगा। 26 और 27 सितंबर दोनों दिन राज्य के आधे से अधिक जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। झारखंड के उत्तर-पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और निकटवर्ती मध्य भागों में 25 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है. इनमें देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, साहिबगंज समेत अन्य जिले शामिल हैं.

पेज 1 का शेष...

किसानों से धान खरीदने के साथ राइस मिल भी खोलने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब किसान खुशहाल होंगे तो राज्य मजबूत होगा। इसी बात को ध्यान में रखकर किसानों के कल्याण के लिए सरकार लगाकर कार्य कर रही है । हमारी सरकार किसानों से धान खरीद ही रही है, अब राइस मिल खोलने का भी निर्णय ले चुके हैं। राज्य में जल्द ही कई राइस मिल खुलेंगे। इन राइस मिलों में जो चावल बनेगा, उसे हम गरीबों के बीच मुफ्त वितरित करेंगे।

बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा, महिलाओं को सम्मान राशि, युवाओं का बना रहे भविष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज सभी बुजुर्गों को पेंशन दे रहे हैं। 50 लाख बहन- बेटियों को वर्ष में 12 हज़ार रुपए सम्मान राशि देने की ऐतिहासिक योजना लेकर आए हैं। बड़े पैमाओं पर युवाओं को नौकरी के साथ स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता सरकार उपलब्ध करा रही है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से अब तक 9 लाख बच्चियों को जोड़कर पढ़ाई का जिम्मा सरकार उठा रही है। गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत सरकार अपनी गारंटी पर विद्यार्थियों को 15 लाख रुपए तक का शिक्षा लोन दे रही है, ताकि वह पढ़- लिखकर इंजीनियर, डॉक्टर, वकील और अफसर बन सकें। सके। यह पहला राज्य है जो अपने विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए पूरा खर्च दे रही है। ऐसी अनेकों और भी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से हम समाज के हर वर्ग और तबके को मजबूत बनाने का काम कर रहे हैं।

चतरा को 516 एवं कोडरमा को 186 विकास योजनाओं का हुआ उद्घाटन- शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चतरा एवं कोडरमा जिले को लगभग 841 करोड़ रुपए की 702 योजनाओं का तोहफा दिया।
इसमें चतरा जिला अंतर्गत 501 करोड़ 78 लाख रूपए की 501 योजनाओं का शिलान्यास तथा 35 करोड़ 58 लाख रुपए की 15 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। जबकि कोडरमा जिले में 174 करोड़ 11 लाख रूपए की 91 योजनाओं का शिलान्यास एवं 129 करोड़ 66 लाख रुपए की 95 योजनाओं का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर चतरा जिले के 3 लाख 14 हज़ार 885 लाभुकों के बीच 529 करोड़ 11 लाख रुपए एवं कोडरमा जिले के 1 लाख 79 हज़ार 581 लाभुकों के बीच 207 करोड़ 12 लाख रुपए की परिसंपत्तियां बांटी गई।

वन विभग द्वारा आज आरसीआईटी कॉलेज के खेल मैदान में 75 वां वन महोत्सव का किया आयोजन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आज विश्रामपुर नप के वार्ड 18 नावाडीह कला स्थित आरसीआईटी कॉलेज के खेल मैदान में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मदगंज वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी प्रमोद कुमार व संचालन राजन पांडेय ने किया। वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद मोहम्मदगंज वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी प्रमोद कुमार ने विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी को पौधा देकर सम्मानित भी किया। साथ ही आरसीआईटी कॉलेज परिसर में पौधरोपण भी हुआ। जहां श्री चंद्रवंशी ने कई फलदार,इमारती व औषिधीय पौधा लगाया। विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण और उनका संरक्षण बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगो को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में एक भी पौधा लगाता है तो वृक्षों की संख्या करोड़ों में हो जायेगी। जिससे वातावरण स्वतः शुद्ध हो जायेगा। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रामचंद्र यादव,जिला पार्षद विजय रविदास,नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम,गौरव कुमार,विजय कुमार रवि,अभिषेक कुमार पांडेय,मिथलेश कुमार,रवि प्रकाश गुप्ता,राजू कुमार रंजन,मिथुन कुमार रजक,पिंकू चंद्रवंशी,शंकर चंद्रवंशी,शुशील ठाकुर,मनोज सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ओबीसी मोर्चा बेड़ोकला मंडल अध्यक्ष ने विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ओबीसी मोर्चा बेड़ोकला मंडल अध्यक्ष बालेश्वर ठाकुर ने विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है। मंत्री को सौंपें गये ज्ञापन में प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कपका चौक में बैंक खुलवाने एवं तत्काल एक एटीएम खोलने, कपका बाजार टांड में मास्क लाइट लगाने, ग्राम तुइयो आरईयो रोड़ से तुइयो तलाब होते हुए नईटांड तक पक्की सड़क का निर्माण, ग्राम बुचई के जमीनिया टांड के बरसोती नदी में पुलिया निर्माण, ग्राम खैरा एवं बुचई के बिच डुलकी नदी में पुल का निर्माण, ग्राम खैरा के नवनिर्मित विद्यालय में शिक्षक की व्यस्था कराने, ग्राम बुचई में उत्कार्मित मध्य विद्यालय के प्रगान में चारदीवारी का निर्माण, ग्राम माधोपुर, मधुबन एवं केंदुवा वन में श्मशान सेड का निर्माण करने की मांग शामिल है।

लोजपा जिला सचिव ने स्व रामविलास पासवान की प्रतिमा श्रद्धांजलि अर्पण किया

रांचीः लोक जनशक्ति पार्टी आर के रांची जिला महासचिव सदिप कुमार राम ने पलामू के लेसरीगज मे स्वर्गिय राम विलास पासवान के प्रतिमा पर फूल अर्पण कर श्रद्धांजलि दिया। इस मौके पर अपने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का भव्य स्वागत किया। पदाधिकारी में रांची जिला के अध्यक्ष श्री दिनेश सोनी जिला उपाध्यक्ष महेश पासवान जी जिला कोषाध्यक्ष श्री आनन्द बर्मा जी और भी बहुत सारे पदाधिकारी मौजूद थे जिन्होंने अपनी पार्टी का भव्य स्वागत किया।

फोन पर बात करते वक्त घर में आसमानी बिजली गिरने से मोबाइल फटा , युवक हुआ घायल , एमजीएम में इलाजरत

जमशेदपुर । पटमदा थाना क्षेत्र के जोड़सा टोला बिरखाम निवासी 25 वर्षीय युवक विजय कुंभकार सोमवार की शाम मोबाइल फोन पर कहीं बात कर रहा था कि अचानक बारिश के साथ घर में हुई वज्रपात के कारण वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया।बेहोशी की हालत में उसे परिजनों ने पहले माचा स्थित सीएचसी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसकी मदद को पहुंचे भाजपा नेता विमल बैठा ने भर्ती कराते हुए इलाज शुरू कराई।स्थानीय लोगों के अनुसार जिस समय यह घटना घटी उस समय विजय फोन पर किसी से बात कर रहा था। घर पर ही वज्रपात होने से मोबाइल फोन कान के सामने ही फट गया और वह बेहोश होकर जमीन में गिर गया। जबकि बगल में बैठी उसकी मां को कुछ भी नहीं हुआ है। अचानक हुई इस घटना में घर में कोहराम मच गया। जैसे ही घटना की जानकारी लोगों को मिली तो घर में भीड़ जुट गई।

नेवरी पंचायत सचिवालय में विश्व पोषण दिवस मनाया

कांके(मोहसीन आलम):नेवरी पंचायत सचिवालय में बुधवार को विश्व पोषण दिवस धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य संजय कुमार महतो व विशिष्ट अतिथि के रूप में नेवरी पंचायत के उप मुखिया मजहर अंसारी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर व अतिथियों को स्वागत कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय कुमार महतो ने बंधन शाखा के कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि सेवा भावना से किया गया हर कार्य इंसान या संस्थान को उच्च शिखर पर पहुंचाता है,वर्तमान समय में लोग स्थानीय खानपान से दूर होने और बाहरी खाद्य पदार्थों का सेवन ज्यादा करने कि वजह से तरह-तरह के बीमारियों की चपेट में आ रहा है। बाहरी खान पान से खुद क़ो और अपने परिवार के सदस्यों क़ो बचने की आवश्यकता है,वहीं उन्होंने बताया कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए अपने लाइफ स्टाइल में सुधार करनी होगी,हरी साग सब्जियों का इस्तेमाल कर शरीर को हेल्दी बनाया जा सकता है.

झारखंड आंगनवाड़ी का प्रदर्शन संपन्न फैसला-27 सितंबर को: जे पी पांडेय

रांचीः झारखंड आंगनवाड़ी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश महामंत्री श्री अशोक कुमार नयन के नेतृत्व में मुख्यमंत्री आवास रांची में 23 सितंबर को आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन संपन्न हुआ,इस प्रदर्शन की सभा मोरहाबादी मैदान रांची में होने के बाद लगभग 15 हजार आंगनवाड़ी सेविका / सहायिका महिलाओं का रेला मुख्यमंत्री आवास की और कूच किया,सभा का संबोधन प्रदेश अध्यक्ष देवांती देवी,माला देवी,सुंदरी तिर्की,रेखा कुमारी,रीना देवी,मीरा देवी,अनिता विरुआ,रखी देवी,वहलोंन कच्छप ,लीना सिन्हा,पुष्पा देवी,सावित्री देवी,सीता तिग्गा,अशोक कुमार नयन,जय प्रकाश पाण्डेय,संजय पासवान,रामचंद्र गोप,लखन लाल मंडल,के डी सिंह,सुशील कुमार पांडेय,महेश सोरेन और गिरिडीह विधायक श्री सुदीव्य कुमार सोनू ने संबोधित किया,उन्हों ने अपने संबोधन में कहा को आंगनवाड़ी सेविकावो को 27 सितंबर तक धैर्य रखना है आप सभी के लिए खुशखबरी 27 सितंबर के कैबिनेट में

हल होकर सामने आ जाएगा,सरकार झारखंड के आंगनवाड़ी सेविकवों/सहायिका के साथ है,आप लोगों का जो भी मांग है उन सभी का समाधान कर दिया जाएगा,सरकार ने जो वादा किया है उसे पूरा करेगी।
झारखंड सरकार के लालफिता शाही और ढुलमुल नीति के करण अभी तक आंगनवाड़ी कर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा नहीं मिल सका है जब की समझे अधिक जमीनी स्तर से ग्रामीण सरकारी कार्यों को इन महिला आंगनवाड़ी सेविका/ सहायिका पर लाद दिया जाता है जिसे शोषित और पीड़ित इन महिला कर्मियों द्वारा मर मर कर किया जाता है और वेतन के नाम पर उन्हें अनुदान भुगतान भी लगभग 06 माह के बाद ही होता है और उधार राशन लेकर उन्हें बच्चो को खिलाना पड़ता है और उन्हें जलावन के पैसे भी नही मिलते गैस सिलेंडर तो मिले जो एक बार भराने के बाद वह भी उधारी ही गैस भरकर काम चल रहा है।
संयुक्त मोर्चा ने निर्णय लिया है की 27 सितंबर को सेविकाओं के पक्ष में फैसला नहीं हुआ तो बाध्य होकर राज्य के सभी आंगनवाड़ी सेविकाएं अनिश्चितकालीन आंदोलन और केंद्रों को बंद रखने की घोषणा कर देगी,अब गेंद सरकार के पाले में है ।

झारखण्ड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत ने 6 सूत्री मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर

रांची : झारखण्ड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार 6 सूत्री मांगो को लेकर राजभवन(जाकिर हुसैन पार्क के पास) , रांची के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन सह धरना प्रदर्शन आज दूसरे दिन भी जारी है, जिसकी अध्यक्षता राज्य अध्यक्ष श्री कृष्ण दयाल सिंह ने की और इसका संचालन हजारीबाग जिलाध्यक्ष श्री रामदेव प्रसाद यादव और गुमला जिला उपाध्यक्ष श्री नारायन भोगता ने संयुक्त रूप से किया । आमरण अनशन में राज्य अध्य्क्ष कृष्ण दयाल सिंह , श्री बालेश्वर महतो, कल से ही आमरण अनशन पर हैं और श्री परमेश्वर पासवान, गिरिडीह जिला और प्रीतम कुमार पसवान ,गोड्डा जिला से आमरण अनशन पर हैं और साथ में सैकड़ों चौकीदार उपस्थित हैं।
श्री सिंह ने कहा कि सेवा विमुक्त चौकीदार, एवजी चौकीदार और अनुकंपा के आधार पर रिक्त बीटों पर झारखंड के सभी जिलों में विज्ञापन प्रकाशित कर नियुक्ति प्रक्रिया जारी है । श्री सिंह ने झारखंड के माननीय मुख्य मंत्री से मांग की है की इस नियुक्ति प्रक्रिया को तत्काल रोक लगावे। क्योंकि चौकीदारों के रिक्त बीटों पर निकाला गया विज्ञापन के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया पर माननीय झारखंड हाई कोर्ट ने सरायकेला खरसावां और गिरिडीह जिला में रोक

लगा दी है । इसलिए सेवा विमुक्त चौकीदार, एवजी चौकीदार और और अनुकंपा के आधार पर रिक्त पदों पर जिन जिन जिलों में विज्ञापन निकाला गया है, उसको तत्काल रद्द किया जाय ।
श्री सिंह ने कहा कि झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली_ 2015 की कंडिका 2(9) के आलोक में 100 से 120 आवासीय घरों पर बिना नया बीट सृजित किए विज्ञापन निकालना इस नियमली का उलंघन है ।
श्री सिंह ने झारखंड के माननीय मुख्य मंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से मांग की है कि सेवा विमुक्त चौकीदारों को सेवा में पुनः योगदान करने और एवजी चौकीदारों को पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार नियुक्ति करने हेतु भारतीय संविधान के अनुच्छेद16(4) की भावना के आलोक में तत्काल अध्यादेश जारी करे ।
आमरण अनशन सह धरना प्रदर्शन की मुख्य मांगो में सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान करने हेतु सभी उपायुक्तों कोआदेश देना, सेवा विमुक्त, एवजी और अनुकंपा के आधार पर रिक्त पदों पर निकाला गया विज्ञापन रद्द करना, 01 जनवरी,1990 के पूर्व और बाद में सेवा निवृत चौकीदार दफादारो के के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार करने का आदेश सभी उपायुक्तो को देना , रामगढ़ जिला में चौकीदारों के रिक्त पदों पर की गई अवैध नियुक्ति तत्काल रद्द करने, सेवा विमुक्त और एवजी चौकीदारों की नियुक्ति करने हेतु अध्यादेश जारी करना, 31 दिसंबर , 1989 को सेवा निवृत चौकीदार दफादरो के आश्रितों की नियुक्ति झारखंड कैबिनेट द्वारा पारित संकल्प के आलोक में करना, अनुकंपा के आधार पर आश्रित में पोता और नाती को जोड़ना और पुलिस की तरह ही चौकीदार दफादारों को भी 13 माह का वेतन देना प्रमुख है ।

उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए डीएवी शिक्षा दीप विद्यालय के शिक्षक हुए सम्मानित

रांचीः शिक्षा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए डीएवी शिक्षा दीप विद्यालय के शिक्षक हुए सम्मानित। रांची,डीएवी शिक्षादीप विद्यालय जयप्रकाश नगर के आलोक कुमार प्राचार्य एवं सुनिता मिश्रा,कुमारी मेघा दास,चेतना उपाध्याय,रविता कुमारी,सीमा सिंह,दिव्या साव,पूनम वर्मा,सीमा मिश्रा,शीतल शर्मा,रीता सिंह आदि आदि शिक्षिकाएं पासवा द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह मे सम्मानित किए गए।सभी शिक्षकों को यह सम्मान मुख्यअतिथि झारखंड राज्य के शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम,वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव,पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे,डीएवी ग्रुप के पूर्व निदेशक एल.आर.सैनी जी के कर कमलों द्वारा रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप मोरहाबादी सभागार मे प्रदान किया गया। विदित हो राज स्तरीय इस शिक्षक सम्मान समारोह में काफी शिक्षकों को सम्मानित किया गया था।छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा एवं विद्यालय के निदेशक शिवनंदन पाठक ने सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं साथ ही शिक्षक सम्मान समारोह आयोजन कमेटी के प्रति आभार जताई।

सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए लोगों को जागरूक होना होगा:हैदर अंसारी

ओरमांझी(मोहसीन आलम):समाज में दिनों दिन बुराई और एक दूसरे के प्रति नफरत बढ़ती जा रही है,और लोग एक दूसरे की मदद करने से पीछे हटते जा रहे हैं.बुराई के रोकथाम व समाज में आपसी प्रेम भाव बढ़ाने व नफ़रत क़ो मिटाने के लिए समाज के बुद्धिजीवी वर्ग और युवाओं क़ो आगे आना होगा,समाज में लोग आज जाति धर्म उच्च नीच के नाम पर एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं,उक्त बातें ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के मायापुर गांव के रहने वाले वरिष्ठ समाजसेवी मो.हैदरअंसारी ने पत्रकारों को प्रेस रिलीज जारी कर बताया,वहीं उन्होंने बताया कि
समाज में दहेज का लेन देन,गांजा दारु भांग का घुले आम सेवन करना फैशन बन गया है,समाज में बेटी के बनिस्बत बेटे क़ो ज्यादा तरजीह दिया जाता हैं,आज के समाज में मां-बाप व बड़ो का इज्जत करना लोग भूलते जा रहे हैं,समाज में शादी विवाह को इतना महंगा कर दिया गया हैं कि मां बाप कर्ज के तले हमेशा दबे रहते हैं,दहेज देने के चलते लोग अपने बच्चियों क़ो माँ के पेट में ही मार कर शर्मनाक घटनाओं क़ो चोरी छुपी अंजाम दे रहे हैं, लोगों का माल हड़प्पना,और बेईमानी में उतर जाना आम बात बन गई है, लोग उच्च शिक्षा से भाग रहे हैं, जब तक शिक्षा के क्षेत्र में लोग आगे नहीं आएंगे समाज उन्नति व विकास की ओर नहीं बढ़ेगा,समाज में बुराई के सबसे बड़ा कारण मोबाइल बन गया है,सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए विशेष कदम उठाने होंगे, जिसमें युवा वर्ग को आगे आना होगा।इस के अलावा समाज को जागरूक करना बहुत जरूरी है। भले ही चारों ओर बड़े-बड़े बिल्डिंग,लंबे चौड़े सड़क,नाली,अस्पताल,बन रहें हैं उसी रफ्तार से बुराई भी बढ़ रही हैं,बुराईयों को खत्म करने के लिए सिर्फ सरकार को पुलिस प्रशासन के भरोसे नहीं रहना चाहिए बल्कि बुराईयों को दूर करने के लिए युवा वर्ग के साथ-साथ स्वयं सेवी संस्थाओं की भागीदारी भी जरूरी है। समाज में जागरूकता की लहर की शुरूआत ही युवा वर्ग से होनी चाहिए। हाई स्कूलों और कॉलेजों में सामाजिक बुराईयों को दूर करने संबंधी वाद-विवाद एवम् भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए। उन्हे शिक्षा प्राप्त करने, दहेज न लेने, दहेज न देने, अपने आस-पास बाल विवाह को रोकने का संकल्प दिलवाना चाहिए। इसी प्रकार के कारगर एवम् सकारात्मक कदम से समाज में फैल रही बुराई खत्म हो सकती है।समाज में नफरत की बादल को हटाना है,और आपसी प्रेम मोहब्बत के साथ रहने की जरूरत है।

हंटरगंज के आरएनएम कॉलेज में एनएसएस दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

कोयलांचल संवाद संवाददाता

हंटरगंज(चतरा) राम नारायण मेमोरियल महाविद्यालय के सभागार में एनएसएस के बैनर तले राष्ट्रीय सेवा योजना का 55 वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० जैनेंद्र कुमार सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन एनएसएस की स्वयंसेवीका शौर्य कुमारी ने किया। कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसएस पीओ डॉ० फहीम अहमद कर रहें थें। कार्यक्रम का आगाज एनएसएस की लक्ष्य गीत एवं समापन राष्ट्रीय गान से किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने राष्ट्रीय सेवा योजना पर अदभुत व्याख्यान दिया और कहा कि राष्ट्र के नागरिकों पर देश वासियों पर कुछ कर्ज होता है। देश के नागरिकों का जहां अधिकार है वहीं कर्तव्य भी है। राष्ट्र से जहां कुछ हम प्राप्त करते हैं वहीं कुछ देना भी पड़ता है। राष्ट्रीय सेवा योजना भी उसी कड़ी का एक अहम हिस्सा है। जो राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मावरियों से अवगत ही नही कराता बल्कि अमलीजामा पहनाने का कार्य छात्र जीवन में ही सिखाता है। ताकी जीवन में किसी भी परिस्थिति में आप सजग और जागरूक रहें। जबकि एनएसएस पीओ ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के उद्देश्य, स्वयंसेवकों के कर्तव्य और उनकी जिम्मवारियों से अवगत कराते हुए कहा कि 24 सितंबर 1969 को देश के तत्कालीन शिक्षा मंत्री डा० वी के आर वी राव ने युवाओं में व्यक्तित्व का विकास करने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित करने का फैसला लिया था। इसका उद्देश्य समाज में फैले कुरीतियां, अंधविश्वास अशिक्षा, छुआछूत भेदभाव स्वास्थ्य आपदा, पुनर्वास डिजिटल भारत, कौशल भारत के प्रति लोगों को जागरूक करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना के मिशन और विजन पर सुप्रिया कुमारी, साहिना प्रवीण, दिव्या कुमारी, सुरुचि कुमारी, प्रीति कुमारी, आशू, सीमा, रेणु, मनमीत कौर, पिंटू कुमार, अमित कुमार, दीपू राज, संजीव कुमार, अमित कुमार, अंकित कुमार ने भी कविता और संबोधन के माध्यम से बात सफलता पूर्वक रखा। इस कार्यक्रम में प्रो अनिल कुमार सिंह, प्रो शिव रतन सिंह, प्रो उमेश कुमार सिंह, प्रो कमरुद्दीन अंसारी, डा०रेयाजुद्दीन अंसारी के अतिरिक्त महाविधालय के कर्मियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महती भूमिका निभाई।

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बरही, पदमा और कटकमसांडी पंहुचा बीजेपी का परिवर्तन यात्रा रथ

हजारीबाग। बीजेपी झारखंड द्वारा पूरे झारखंड प्रदेश मे हेमंत सरकार के खिलाफ आयोजित परिवर्तन यात्रा के माध्यम से झारखंड के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस यात्रा में हजारीबाग लोकसभा के सांसद मनीष जायसवाल बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और सुबह से लेकर देर शाम तक इस यात्रा के माध्यम से लोगों के बीच पहुंचकर हुंकार भर रहे हैं। मंगलवार को बरही विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक मैदान में आयोजित विशाल परिवर्तन यात्रा की जनसभा को संबोधित करने के बाद सांसद मनीष जायसवाल बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के ही पदमा, सरैया और गरवा में परिवर्तन यात्रा रथ से लोगों को संबोधित किया और फिर यहां से हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र स्थित कटकमसांडी प्रखंड कुरहागढ़ा, डाटो, एदला, बाझा, बंझिया मोड़ होते हुए कटकमसांडी बाजार में परिवर्तन यात्रा रथ के माध्यम से सांसद मनीष जायसवाल ने लोगों को वर्तमान भ्रष्ट झामुमो, कांग्रेस और राजद की सरकार के खिलाफ जनजागरण किया और हुंकार भरते हुए कहा की वर्तमान सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है और इस सरकार के शासन में राज्य की विधि व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आने वाले विधानसभा चुनाव में परिवर्तन होगा और राज्य की परिस्थितियों निश्चित रूप से बदलेंगी ।मौके पर विशेषरूप से यात्रा के संयोजक राकेश प्रसाद, बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, भाजपा नेता योगेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजपा नेता बटेश्वर प्रसाद मेहता, श्रद्धानंद सिंह, किशोरी राणा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

शहादत दिवश पर याद किये गये शहीद दया शंकर मिश्रा,पुलिस व स्थानीय लोगों ने किया नमन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : शहादत दिवस पर शहीद एएसआई दया शंकर मिश्रा को पूरे सम्मान के साथ श्रधांजलि दी गयी। श्रधांजलि सभा का आयोजन विश्रामपुर नगर परिषद के बी मोड़ शहादत स्थल पर किया गया। पुलिस व स्थानीय लोगों ने शहादत चबूतरे पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। साथ ही शहीद दया शंकर मिश्रा के सम्मान में दो मिनट का मौन भी रखा गया। यहां उल्लेखनीय है कि विश्रामपुर थाने में पदस्थापित एएसआई दया शंकर मिश्रा 23 सितंबर 1969 को अपराधियो से लोहा लेते हुये बी मोड़ पर शाहिद हुये थे। तब से हर वर्ष 23 सितंबर को उनका शहादत दिवस मनाया जाता है। बी मोड़ पर उनकी याद में शहीद स्थल पर चबूतरा व शाहिद स्मारक भवन भी बनाया गया है। इसी शाहिद स्थल पर हर वर्ष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाता है। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता पुलिस निरीक्षक रामशीष पासवान व संचालन वरीय बसपा नेता गोपाल राम ने किया। रामशीष पासवान ने कहा कि पुलिस लोगो की सुरक्षा व देश की भलाई हेतु हमेशा सर्वोच्च बलिदान देने को तैयार है। वरीय बसपा नेता गोपाल राम ने कहा कि शहीद दया शंकर मिश्रा के वीर गाथा को जन-जन तक पहुंचाया जाना चाहिये। ताकि उनसे प्रेरणा लेकर पुलिस के जवान व युवा पीढ़ी देश की सेवा के लिये हमेशा तत्पर रहे। रेहला थाना प्रभारी संतोष कुमार ने कहा कि यहां के लोग स्व. मिश्रा के शहादत को कभी भुला नही सकते।मौके पर संजय चौबे,मणिभूषण पांडेय,राजन गुप्ता,संजय मेहता,वंशी शुक्ला सहित रेहला थाना के कई पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

भाजपा नेता सह समाजसेवी अनूप भाई ने कोनहरा एवं झुरझुरी में चलाया जनसंपर्क अभियान

संवाददाता सहबाज़ खान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।भाजपा नेता सह समाजसेवी अनूप भाई ने ग्राम कोनहरा एवं झुरझुरी में जनसंपर्क अभियान चलाया। कोनहरा गांव में सिकंदर मंडल एवं झुरझुरी में तुलसी प्रसाद, राजेश प्रसाद के नेतृत्व में सभा किया गया। इस दौरान अनूप भाई ने कहा कि बरकट्ठा के विकास में अब तक उपेक्षित है और विकास के नाम पर लोगों को ठगा गया है। कहा कि बरकट्ठा का सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है. जिसके कारण यहां के लोग अन्य राज्यों में मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि कई बार मजदूरों की मृत्यु दूसरे राज्यों या देशों में हो जाती है और उनके परिवार को हफ्तों या महीनों तक उनके शव वापस नहीं मिल पाते हैं। उन्होंने वादा किया कि पार्टी अगर चुनाव में टिकट देती है तो मैं जीतने के बाद पहला लक्ष्य बरकट्ठा से पलायन रोकना होगा। इसके लिए बरकट्ठा में उद्योग स्थापित करवाकर यहां के लोगों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार दिलाने का काम करुंगा. उन्होंने कहा की तब "किसी बेटे का शव पैक होकर बरकट्ठा नहीं लौटेगा। मौके पर उन्होंने ग्रामीणों के बीच फलदार और औषधीय पौधे का वितरित किया। इस अवसर पर शंकर प्रसाद, रामेश्वर पासवान, मणिलाल प्रसाद, रोहित यादव समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।

अतिअल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

टेन्डर रेफरेंन्स नं0–प0नि0वि0/राँची–14/2024–25 दिनांक :–23.09.2024

1.	कार्य का नाम	राँची–मूरी पथ सरजना चौक से डंगराटोली चौक पथ के राईडिंग क्वालिटी में सुधार (Improvement of Riding Quality) कार्य (कुल लम्बाई–1.60 कि0मी0) वर्ष 2024–25.
2.	प्राक्कलि राशि (रू0 लाख में)	रू0 226.75454 लाख (रूपये दो करोड़ छब्बीस लाख पचहत्तर हजार चार सौ चौवन) मात्र।
3.	अग्रधन की राशि (रू0 लाख में)	रू0 4.54 लाख (रूपये चार लाख चौवन हजार) मात्र।
4.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 (तीन) महीना
5.	वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि	30.09.2024 10.30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/ समय	07.10.2024 12.00 बजे दोपहर तक
7.	निविदा खोलने तिथि/ समय	08.10.2024 12.30 बजे
8.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल राँची, मोहराबादी, राँची–834008.
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0651–2361018
10.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2403007

- प्राक्कलित राशि एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जिसे ***Tender Online Upload*** में देखा जा सकता है, एवं किसी भी प्रकार का बदलाव ***http://jharkhandtenders.gov.in*** पर देखा जा सकता है।
- पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार में निबंधित संवेदकों के लिए ***UCAN*** निबंधन आवश्यक है।
- नियम एवं शर्तें के लिए वेबसाईट ***http://jharkhandtenders.gov.in*** पर देखें।

PR 336811 (Road Construction Dept Road Division Ranchi) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,राँची।

सुखदेवनगर में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते दो युवक गिरफ्तार

रांचीः सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते दो युवक गिरफ्तार किए गए हैं. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सित्ती राम और अभिषेक यादव को गिरफ्तार किया है. दोनों किशोरगंज के रहने वाला हैं. इनके पास से 16 पुड़िया ब्राउन शुगर और एक बाइक बरामद हुआ है. मंगलवार को डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया कि किशोरगंज रोड नंबर 05 के पास अवैध नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री होने की सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी किया गया. पुलिस बल को देख भागने के क्रम में सित्ती राम और अभिषेक यादव को पकड़ा गया.

राज्यभर के अमीन बैठे धरना पर, मांगा समान काम के लिए समान वेतन

रांचीः झारखंड राज्य के अमीन लोग अपनी मांगों को लेकर राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरना पर बैठ गये हैं. झारखंड राज्य अमीन संघ के अध्यक्ष कुंदन कुमार और प्रदेश उपाध्यक्ष टेकलाल महतो ने कहा कि सरकार से लंबे समय से अपनी मांगों को कई माध्यमों से रख रहे हैं, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. ऐसे में मजबूरीवश उन्हें धरना पर बैठना पड़ा. इसके बाद भी बातें नहीं सुनी जायेगी तो आंदोलन की रणनीति तैयार की जायेगी. अमीनों ने समान काम के बदले, समान वेतन देने की मांग की. इसके अलावा अमीनों को तकनीकी श्रेणी के अंतर्गत रखने, आउटसोर्सिंग से मुक्त करके सरकारी स्तर से मानदेय दिए जाने, आउटसोर्सिंग दैनिक अमीनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिलाने व स्थाई अमीनों को नियम संगत प्रोन्नति दिलाने की मांग की गयी है.

झारखंड कैबिनेट की बैठक 27 को, कई अहम प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड कैबिनेट की बैठक 27 सितंबर शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी. इस बैठक में कई प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है. विधानसभा चुनाव घोषणा के पूर्व संभवत दो-तीन कैबिनेट की ही बैठक होगी. ऐसे में विधानसभा चुनाव को देखते हुए सरकार कई अहम निर्णय ले सकती है. मालूम हो कि गत सोमवार को राज्य के आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं का विशाल प्रदर्शन रांची के मोरहाबादी मैदान में हुआ था. प्रदर्शकारियों को सरकार की ओर से वार्ता के लिए बुलाया गया था. इस वार्ता में झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक सुदीवो कुमार सोनू ने आंगनबाड़ी सेविका सहायिकाओं को आश्वासन दिया था कि 27 को कैबिनेट की बैठक के बाद आप लोगों को खुशखबरी मिलेगी. ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि सरकार राज्यभर के आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं के लिए मानदेय बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण फैसले ले सकती है.

परमिट रिनुअल करने के नाम पर घूस लेते कर्मचारी को एसीबी ने किया गिरफ्तार

रांचीः परमिट रिनुअल करने के नाम पर घूस लेते कर्मचारी को एसीबी ने गिरफ्तार किया है. एसीबी हजारीबाग की टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए हजारीबाग डीटीओ ऑफिस में लिपिक विकास कच्छप को छह हजार रूपया घूस लेते पकड़ा. विकास मूल रूप से रांची के हिनू का रहने वाला है. इसे लेकर एसीबी ने बताया कि आवेदक राज कुमार, जो हजारीबाग का रहने वाला है. उसने आवेदन दिया कि इनका विजय बस जो देवघर रांची मार्ग पर चलता है. इसके परमिट को रिनुअल करने के लिए डीटीओ कार्यालय हजारीबाग में कार्यरत लिपिक विकास कच्छप ने इसके एवज में छह हजार घूस मांगा गया. जबकि बस मालिक रिश्वत देना नहीं चाहते थे. जिसके बाद इसकी शिकायत एसीबी से की. एसीबी ने कार्रवाई करते हुए लिपिक को घूस लेते हुए गिरफ्तार कर लिया.

एसीबी में पदस्थापित 45 पुलिसकर्मी समेत 101 आरक्षी और हवलदार का तबादला

रांचीः एसीबी में पदस्थापित 45 पुलिसकर्मी समेत 101 आरक्षी और हवलदार का तबादला हुआ है. डीजीपी के निर्देश पर डीआईजी कार्मिक के द्वारा इससे संबंधित आदेश जारी किया गया है. जारी आदेश के मुताबिक, तबादला किए गए 101 पुलिसकर्मी में से 45 पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) में पदस्थापित थे. इसके अलावा धनबाद,बोकारो,सिमडेगा, गिरिडीह, हजारीबाग, पलामू, रेल धनबाद, रेल जमशेदपुर, सरायकेला, देवघर, चाईबासा, चतरा, गढ़वा, गुमला, लातेहार और लोहरदगा जिले में पदस्थापित आरक्षी और हवलदार का तबादला किया गया है.

लॉटरी घोटालों को लेकर झारखंड पुलिस ने आम लोगों से की अपील, कहा – रहें सतर्क

रांचीः लॉटरी घोटालों को लेकर झारखंड पुलिस ने आम लोगों से अपील कर सतर्क रहने को कहा है. झारखंड पुलिस ने कहा कि लॉटरी घोटालों से सावधान रहें, अपनी व्यक्तिगत जानकारी कभी भी अजनबियों के साथ साझा न करें. सतर्क रहें और धोखाधड़ी से खुद को बचाएं. गौरतलब है कि लॉटरी घोटाला ऐसी धोखाधड़ी है, जिसकी शुरुआत एक ऐसे ईमेल के नोटिफिकेशन या फिर फोन कॉल से होती है. जिसकी आपने कल्पना भी न की हो. इसमें बताया जाता है कि आपने लॉटरी टिकट में बड़ी राशि जीती है और इसके लिए एजेंट से उसके खास फोन नंबर या ईमेल पते पर संपर्क करने के लिए कहा जाता है. जो हकीकत में घोटालेबाज का होता है. एजेंट से संपर्क करने के बाद, लॉटरी का इनाम प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया शुल्क का भुगतान करने के लिए कहा जाता है.

बचने का तरीका

– अज्ञात व्यक्तियों के कॉल का जवाब न दें
– यदि आपको कोई अवांछित ईमेल प्राप्त हुआ है, तो उसके साथ आए किसी भी फाइल को न खोलें, क्योंकि उनमें मैलवेयर या वायरस हो सकता है.
– अपने निजी बैंक या व्यक्तिगत विवरण का खुलासा न करें, यदि आपने पहले ही यह जानकारी दे दी है, तो तुरंत अपने बैंक को सूचित करें.

नवनियुक्त चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव पहुंचे रांची, एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत, कल लेंगे शपथ

रांचीः झारखंड हाई कोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव आज एयर इंडिया के विमान से रांची एयरपोर्ट पहुंचे. एयरपोर्ट पर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्रार एस्टेब्लिशमेंट, प्रोटोकॉल के अधिकारी, लॉ सेक्रेटरी, रांची डीसी, राजपाल के प्रधान सचिव, रांची एसएसपी ने उनका स्वागत किया. वहां से नवनियुक्त चीफ जस्टिस होटल रेडिसन ब्लू पहुंचे. जहां वे आज रुकेंगे. कल सुबह 10:30 राज्यपाल उन्हें राजभवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. बता दे कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव को स्थानांतरित करते हुए झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया है.

सीएम का निर्देशः अक्तूबर के पहले हफ्ते में तैयार करें ट्रांसपोर्ट नगर

संचालन एवं नीति जल्द से जल्द तैयार करने का जुडको को आदेश

रांचीः राज्य के पहले और बहु प्रतिक्षित ट्रांसपोर्ट नगर का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नवरात्र यानि अक्तूबर के प्रथम सप्ताह में तैयार कर उद्घाटन कराने का निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री के इस निर्देश के आलोक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर के साइट का निरीक्षण किया. श्री कुमार ने जुडको के अधिकारियों और एजेंसी केएमवी के प्रतिनिधियों स्पष्ट निर्देश दिया की मुख्यमंत्री की इच्छा है कि हरहाल मे ट्रांसपोर्ट नगर नवरात्र के प्रथम सप्ताह मे आम जनता और ट्रांसपोर्टरों को समर्पित कर दिया जाये. उन्होंने यह भी कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर के रखरखाव और संचालन की नीति एवं प्रक्रिया जल्द से जल्द तैयार कर लिया जाये ताकि उद्घाटन के साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर मे भारी, मध्यम और छोटे ट्रक लगने शुरू हो जाये.

राजधानी वासियों को बहुप्रतीक्षित ट्रांसपोर्ट नगर का भी तोहफा मिल जायेगा. नगर विकास विभाग के निर्देश पर जुडको द्वारा एजेंसी केएमवी से तेजी से कम कार्य जा रहा है. मई 2022 में ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी. अक्तूबर 2024 में इसका काम पूरा हो जायेगा. यह राज्य का पहला ट्रांसपोर्ट नगर होगा. अब तक एकीकृत भवन और दो वेयर हाउस का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. तीन तलों में छोटे से लेकर बड़े वाहनों के खड़ा करने के तीन लेबल का प्लेटफार्म बनाने का काम पूरा हो गया है. सबसे खास बात यह है की जो यहां पत्थर का गेवियन वाल बन रहा है, वह पूरी तरह से इको फ्रेंडली है. इसकी जोडाई में कही भी सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है. कांके प्रखंड के सुकरहुटू में रिंग रोड के पास 112 करोड़ रुपये की लागत से ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण हो रहा है. प्रथम फेज में बड़े छोटे कुल 424 वाहनों के खड़ा करने का प्रावधान रहेगा. निर्माणाधीन लेबल एक प्लेटफार्म पर 93 एक्स्ट्रा लार्ज (22 मीटर लम्बा) , 11 लार्ज टेलर (18 मीटर) और 27 स्माल (16 मीटर) वाहनों के खड़ा करने का प्रावधान रहेगा. इसी तरह लेबल दो प्लेटफार्म पर 179 लार्ज और 50 स्माल वाहन खड़ा किये जायेंगे . लेबल तीन के प्लेटफार्म पर सिर्फ 64 स्माल वाहन खड़ा होंगे. बाहर से आने वाले वाहनों के माल को रखने के लिए दो लेबल के वेयर हाउस भी बन चुके है. लेबल एक वेयर हाउस 6176 वर्ग मीटर तथा वेयर हाउस दो 3900 वर्ग मीटर का बन गया है. बाहर आने वाले वाहनों के माल इसी वेयर हाउस में खाली कर ट्रक चालक मुक्त हो जायेंगे, अब ट्रांसपोर्टर छोटे वाहनों से इसे जगह तक पहुंचाएंगे. इससे शहर में बड़े वहां नहीं घुसेंगे, जाम नहीं लगेगा, धुआ धक्कड़ से से मुक्ति मिलेगी और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा. ट्रांसपोर्ट नगर आने के लिए वाहनों को नो इंट्री की झंझट भी नहीं झेलनी पड़ेगी क्योकि रिंग रोड नो इंट्री से मुक्त है. जी प्लस 3 एकीकृत भवन में ट्रांसपोर्टरों एवं अन्य के लिए 16 आफिस का प्रावधान किया गया है. ड्राइवर और खलासी के आराम करने के लिए 180 बेड की डोरमेट्री और 150 लोगो के बैठने के लिए फ़ूड कोर्ट भी रहेगा. प्राथमिक स्वास्थ केंद्र . दो वे ब्रिज, सर्विस स्टेशन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी, वाई फाई, लैंड स्केपिंग और मनोरंजन के लिए स्थान उपलब्ध रहेगा.

राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर के उद्घाटन की तैयारी पूरी करें : प्रधान सचिव

रांचीः राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नवरात्र यानि अक्तूबर के प्रथम सप्ताह में तैयार कर उद्घाटन कराने का निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री के इस निर्देश के आलोक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर के साइट का निरीक्षण किया. उन्होंने जुडको के अधिकारियों और एजेंसी केएमवी के प्रतिनिधियों निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री की इच्छा है कि हरहाल में ट्रांसपोर्ट नगर नवरात्र के प्रथम सप्ताह में आम जनता और ट्रांसपोर्टरों को समर्पित कर दिया जाये. ट्रांसपोर्ट नगर के रखरखाव और संचालन की नीति एवं प्रक्रिया जल्द से जल्द तैयार कर लिया जाये, ताकि उद्घाटन के साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर में भारी, मध्यम और छोटे ट्रक लगने शुरू हो जाये.

मई 2022 में रखी गई थी आधार शिला

मई 2022 में ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी. अब तक एकीकृत भवन और दो वेयर हाउस का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. तीन तलों में छोटे से लेकर बड़े वाहनों के खड़ा करने के तीन लेबल का प्लेटफार्म बनाने का काम पूरा हो गया है. सबसे खास बात यह है कि जो यहां पत्थर का गेवियन वाल बन रहा है, वह पूरी तरह से इको फ्रेंडली है. इसकी जोड़ाई में कहीं भी सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है. कांके प्रखंड के सुकरहुटू में रिंग रोड के पास 112 करोड़ रुपये की लागत से ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण हो रहा है. प्रथम फेज में बड़े छोटे कुल 424 वाहनों के खड़ा करने का प्रावधान रहेगा.

ये मिलेंगी सुविधाएं

लेबल एक प्लेटफार्म पर 93 एक्स्ट्रा लार्ज (22 मीटर लम्बा), 11 लार्ज टेलर (18 मीटर) और 27 स्माल (16 मीटर) वाहनों के खड़ा करने का प्रावधान रहेगा. लेबल दो प्लेटफार्म पर 179 लार्ज और 50 स्माल वाहन खड़ा किये जायेंगे. लेबल तीन के प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 64 स्माल वाहन खड़ा होंगे.

ये होगा फायदा

बाहर से आने वाले वाहनों के माल को रखने के लिए दो लेबल के वेयर हाउस भी बन चुके हैं. लेबल एक वेयर हाउस 6176 वर्ग मीटर तथा वेयर हाउस दो 3900 वर्ग मीटर का बन गया है. बाहर आने वाले वाहनों के माल इसी वेयर हाउस में खाली कर ट्रक चालक मुक्त हो जायेंगे, अब ट्रांसपोर्टर छोटे वाहनों से इसे जगह तक पहुंचाएंगे. इससे शहर में बड़े वहां नहीं घुसेंगे, जाम नहीं लगेगा, धुआं धक्कड़ से मुक्ति मिलेगी और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा. ट्रांसपोर्ट नगर आने के लिए वाहनों को नो इंट्री की झंझट भी नहीं झेलनी पड़ेगी, क्योंकि रिंग रोड नो इंट्री से मुक्त है.

16 ऑफिस भी

जी प्लस 3 एकीकृत भवन में ट्रांसपोर्टरों एवं अन्य के लिए 16 ऑफिस का प्रावधान किया गया है. ड्राइवर और खलासी के आराम करने के लिए 180 बेड की डोरमेट्री और 150 लोगों के बैठने के लिए फूड कोर्ट भी रहेगा. प्राथमिक स्वास्थ केंद्र, दो वे ब्रिज, सर्विस स्टेशन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी, वाई फाई, लैंड स्केपिंग और मनोरंजन के लिए स्थान उपलब्ध रहेगा.

माटी कला बोर्ड के जरिए शिल्पकारों के उत्थान का हो रहा प्रयासः सत्यानंद भोगता

रांचीः मंत्री सत्यानन्द भोगता ने मंगलवार को रांची स्थित मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड सभागार उद्योग भवन में झारखंड माटीकला बोर्ड के द्वारा आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला सह 30 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया. इसके उपरांत उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त लाभुकों के बीच कई आधुनिक संयंत्र का वितरण किया.

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि माटीकला बोर्ड के द्वारा शिल्पकारों को आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कई प्रशिक्षण केंद्र खोले गये हैं. माटीकला बोर्ड के माध्यम से शिल्पकारों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं. शिल्पकारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है. इससे जुड़कर शिल्पकार अपने आय के स्रोत में वृद्धि कर रहे हैं. कार्यक्रम के दौरान निदेशक आकांक्षा रंजन के अलावा हिमांशु मोहन, कृतिश्री समेत कई अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे.

सांसद निशिकांत दुबे की याचिका पर मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर डीसी को अवमानना नोटिस

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में क्यू कॉम्पलेक्स का निर्माण अब तक शुरू नहीं किये जाने पर नाराजगी जाहिर की है. अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर जिले के डीसी को अवमानना नोटिस जारी किया है. अदालत ने नोटिस जारी कर उनसे पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए? सभी अधिकारियों को 16 अक्टूबर तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की अदालत ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की याचिका पर यह सुनवाई की है.

दरअसल भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है. उन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि सरकार क्यू कॉम्पलेक्स का निर्माण नहीं करा रही है और सीएसआर के तहत 120 करोड़ रुपये सरकार को दिये जाने के प्रस्ताव पर भी निर्णय नहीं लिया जा रहा है. इसके बाद कोर्ट को यह बताया गया था कि नवयुग कंपनी लिमिटेड ने अपने सीएसआर के तहत कॉम्पलेक्स के निर्माण के लिए 120 करोड़ देने का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया है, जिससे निर्माण कार्य होगा. लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ.

लैंड स्कैम : तलहा खान को बेल देने से पीएमएलए कोर्ट का इनकार

रांची : जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी तलहा खान की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है. मंगलवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में तलहा की बेल पर सुनवाई हुई. ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी सुनने के बाद अदालत ने तलहा को जमानत देने से इनकार कर दिया.. तलहा की ओर से अधिवक्ता स्नेह सिंह और ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका जी ने बहस की. इससे पहले तलहा खान ने बेल के लिए झारखंड हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन दोनों ही कोर्ट ने उसे बेल देने से इनकार कर चुका है. बता दें कि तलहा खान को ईडी ने 13 अप्रेल 2023 को गिरफ्तार किया था. उस पर सेना के कब्जे वाली जमीन समेत रांची के अलग अलग इलाकों में विवादित भूमि की फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खरीद-बिक्री में शामिल होने का आरोप है.

26 सितंबर से ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर 13 बैडमिंटन रैंकिंग चैंपियनशिप, 400 खिलाड़ी लेंगे भाग

रांचीः रांची के खेलगांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में 26 सितंबर से 1 अक्टूबर तक ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर 13 बैडमिंटन रैंकिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है. मंगलवार को रांची बैडमिंटन संघ ने प्रेस वार्ता पर प्रतियोगिता की जानकारी दी. झारखंड बैडमिंटन संघ के प्रभाकर राव, रांची जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष आरके मल्लिक, सचिव एनके डे ने मौके पर कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 400 बालक व बालिका भाग लेंगे. 26 और 27 सितंबर को प्रारंभिक मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें एकल मुकाबले में टॉप 32 और युगल में टॉप 16 बालक और बालिका खिलाड़ियों को मेन ड्रॉ में जगह मिलेगी. प्रतियोगिता के उद्घाटन में डीजीपी अनुराग गुप्ता और खेल विभाग के सचिव मनोज कुमार रहेंगे. वहीं प्रतियोगिता के समापन समारोह में खेल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और मंत्री दीपिका पांडे सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहेंगी.

झारखंड के पांच खिलाड़ी को मिली सीधी इंट्री

ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर 13 प्रतियोगिता में झारखंड के 5 खिलाड़ियों को मेन ड्रॉ में सीधी इंट्री मिली. जिसमें संवित रमेश ने पॉइंट्स के आधार पर क्वालीफाई किया है. जबकि गिरिडीह के डी राजवीर, गोड्डा के प्रिंस, रांची कि वान्या खन्ना और आशिता को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक मेन ड्रॉ का आयोजन होगा. प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए 16 ऑफिशियल्स बाहर से आ रहे हैं.

3 लाख की इनामी राशि

प्रतियोतिगा में बेहर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के बीच कुल 3 लाख कि राशि भारतीय बैडमिंटन संघ की ओर से बांटी जाएगी. एकल वर्ग में दोनों वर्गों में विजेता को 36000, उपविजेता को 18000 वहीं डबल्स में विजेता को 19-19 हजार और उपविजेता को 9-9 हजार रूपय की इनामी राशि दी जाएगी.

143 आवासीय विद्यालयों के अंशकालिक शिक्षकों को मिला सेवा अवधि विस्तार

रांचीः राज्य के कल्याण विभाग अंतर्गत आवासीय विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक शिक्षकों को एक बार फिर सेवा अवधि विस्तार दिया गया है. इनकी सेवा 31 मार्च 2025 (एक साल) तक लिए जाने संबंधी संकल्प जारी किया गया है. बता दें कि इनका पूर्व का अवधि विस्तार मार्च में समाप्त हो गया था. विभाग ने कहा कि इस अवधि के बाद किसी परिस्थिति में अवधि विस्तार नहीं दिया जायेगा. इस बीच नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया की जायेगी. दरअसल, राज्यभर में आवासीय विद्यालय 10 प्लस 2, एकलव्य विद्यालय, आश्रम विद्यालय संचालित हैं. इनकी संख्या 143 है. जिनमें स्वीकृत छात्रबल 25348 है. इन विद्यालयों में सुगम तरीके से पठन-पाठन हो इसके लिए अंशकालिक शिक्षकों की भी सेवाएं ली जा रही है. हर बार इनका अवधि विस्तार होता है. जबकि, इनके स्थान पर झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से नियमित नियुक्ति होनी है. विभाग का कहना है कि तत्काल नयी बहाली कर पाना मुश्किल है. ऐसे में इस सत्र में पठन-पाठन प्रभावित न हो इसके लिए इनका सेवा अवधि विस्तार किया जाना आवश्यक है.

देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर के निकट क्यू कंपलेक्स निर्माण मामलाः हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव एवं देवघर डीसी को जारी किया अवमानना नोटिस, पूछा आदेश का अनुपालन क्यों नहीं हुआ?

रांचीः देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर के निकट क्यू कंपलेक्स के फेज दो का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की अवमानना याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई. मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा दायर किए गए शॉ काज को रद्द कर दिया. जिसमें राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि सीएसआर फंड से देवघर में क्यू कंपलेक्स के फेज दो का निर्माण नहीं कराया जा सकता है. जिस पर हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य के मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर डीसी को और अवमानना नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन 10 माह बाद भी क्यों नहीं किया गया. उनके खिलाफ क्यों नहीं अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए? हाई कोर्ट की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर निर्धारित की है. दरअसल, हाई कोर्ट की खंडपीठ ने दिसंबर 2023 में निशिकांत दुबे की ओर जनहित याचिका को स्वीकृत करते हुए देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर के क्यू कंपलेक्स का निर्माण जल्द करने का आदेश दिया था. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि नवयुग कंपनी लिमिटेड के द्वारा सीएसआर के तहत देवघर में क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण के लिए 120 करोड़ देने का जो आग्रह किया था, उसे राज्य सरकार स्वीकार करें। इस राशि से देवघर में क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज का निर्माण कार्य शुरू किया जाए. कोर्ट ने सरकार को क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया था. लेकिन हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर निशिकांत दुबे की ओर से हाईकोर्ट में और अवमानना याचिका दाखिल की गई. बता दें कि नवयुग कंपनी लिमिटेड के द्वारा सीएसआर के तहत देवघर में क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण के लिए 120 करोड़ देने के आग्रह राज्य सरकार से किया गया है.

क्या था जनहित याचिका में

सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दाखिल जनहित याचिका में कहा गया है कि बाबा बैजनाथ मंदिर, देवघर के लिए क्यू कंपलेक्स के दूसरे फेज का निर्माण कार्य चल रहा है. इसमें केंद्र सरकार की ओर से अपने अंशदान के रूप में 25 करोड़ रुपए की राशि दे दी गई है. लेकिन राज्य सरकार की ओर से भी अपने हिस्से का फंड उपलब्ध नहीं कराया गया है. नवयुग कंपनी लिमिटेड ने सीएसआर स्कीम के तहत क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण के लिए अपने स्तर से 120 करोड़ देने को लेकर सरकार को पत्र लिखा है. नवयुग कंपनी के इस पत्र राज्य सरकार ने निर्णय नहीं लिया है. याचिका में यह भी कहा गया है कि देवघर में बाबा मंदिर के निकट क्यू कंपलेक्स का निर्माण 3 फेज में किया जा रहा है. वर्ष 2011 में इसकी स्वीकृति दी गई थी. क्यू कंपलेक्स के पहले फेज का निर्माण पूरा हो चुका है. अब द्वितीय फेज का निर्माण कार्य पूरा होना है. देवघर बाबा मंदिर में दर्शन करने हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं. क्यू कंपलेक्स बनने से श्रद्धालुओं को काफी राहत होगी. जन भावना को देखते हुए इसका निर्माण कार्य जल्द किया जाना चाहिए. सावन के माह में क्यू कंपलेक्स के रहने से लोगों की समस्या कम होगी.

हाईकोर्ट ने भंग की धार्मिक न्याय बोर्ड द्वारा बनाई गई पहाड़ी मंदिर की कमिटी

पहाड़ी मंदिर विकास समिति द्वारा दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सोमवार की सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार और धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा बनाई गई कमिटी को खत्म करते हुए कमिटी को भंग कर दी है. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि समिति को किसी प्रकार का धारा 29 का नोटिस (समिति भंग करने का कारण) नहीं दिया गया. ना ही जिला न्यायाधीश से मंदिर विकास के लिए कोई योजना दी गई और न ही जिला न्यायाधीश से किसी प्रकार की कोई सहमति ली गई. वहीं समिति भंग करने से पहले बोर्ड से कोई आदेश भी पारित भी नहीं कराया गया. धार्मिक न्यास के चेयरमैन का आदेश सही नहीं है. पहाड़ी मंदिर विकास समिति के ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा ने पक्ष रखा. धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा. अदालत ने निर्देश दिया है कि पूर्व की तरह रांची डीसी के नेतृत्व वाली कमिटी पहाड़ी मंदिर का कार्यभार देखेगी.

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, घर जल कर राखःरक्सौल में अग्निशमन ने आग पर पाया काबू

मोतिहारी. रक्सौल के हरैया गांव में एक घर में आग लगने से घर सहित भैंस, बकरी आदि जल कर मर गए। आग सगीर मियां के घर मे रात में 2 बजे के आसपास लगी। जिसमें लाखों का सामान जल कर राख हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का भरपूर प्रयास किया। लेकिन, आग इतनी भीषण थी कि अग्निशमन को बुलाना पड़ा। अग्निशमन के आने के बाद ही आग पर काबू पाया गया। पंटोका पंचायत के सरपंच ने बताया कि सगीर मियां गाय, भैंस व बकरी पालन कर ही अपनी जीविका चलते थे। लेकिन, अगलगी ने ये सब छीन लिया। जिससे उनके जीविका पर असर पड़ेगा। उनका पूरा घर जल कर राख हो गया। घर में बंधे जानवर व समान को निकालने का गृह स्वामी सगीर मियां व स्थानीय लोगों ने भरपूर प्रयास किया। लेकिन आग की लपटें इतनी भयावह थी कि उनके आंखों के सामने सब कुछ जल कर राख हो गया। सीओ शेखर राज ने बताया कि अगलगी घटना की सूचना मिली है। कर्मचारी को भेज जांच कराया जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों का फूटा गुस्सा, सड़क जाम कर किया प्रदर्शनः मुंगेर में राहत सामग्री की मांग को लेकर किया विरोध

मुंगेर. मुंगेर में गंगा के जलस्तर में कमी के बाद अब बाढ़ पीड़ित अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरने लगे है। कई दिनों से बाढ़ के पानी का दंश झेल रहे वार्ड संख्या 41 के लोगों ने मंगलवार को मुंगेर-हेरुदियरा मुख्य रोड पर चंदनबाग चूआबाग के पास सड़क को जाम कर दिया और टायर जलाकर प्रदर्शन किया। सड़क जाम कर रहे लोगों का कहना है कि वार्ड पार्षद की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए कोई रिलीफ नहीं दिया जा रहा है। इनके तरफ से ना तो पॉलीथिन सीट दिया गया है और ना ही सुखा राशन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से मुआवजा मिलना चाहिए। अगर मुआवजा नहीं मिला तो सड़क जाम कर प्रदर्शन करेंगे। इधर जाम की सूचना मिलते ही कासिम बाजार थानाध्यक्ष रूबी कांत कच्छप घटना स्थल पर पहुंचे और बाढ़ पीड़ितों को समझा- बुझाकर लगभग एक घंटे बाद जाम को हटाया। मामले को लेकर थानाध्यक्ष रूबी कांत कच्छप ने कहा कि क्षेत्रों में बाढ़ का पानी आने के कारण लोगों की परेशानी बढ़ी हुई है। इसी को लेकर जगह-जगह सड़क जाम किया जा रहा है।

सरपंच पति के घर को जेसीबी से तोड़ा गयाःशेखपुरा में पुलिस की निगरानी में कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

शेखपुरा. शेखपुरा में मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर जिले के चेवाडा थाना क्षेत्र के चकंदरा गांव स्थित सरपंच मीरा देवी के पति के घर को पुलिस निगरानी में जेसीबी की सहायता से तोड़ा गया। मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में प्रशिक्षु वरीय उप समाहर्ता सह अंचल अधिकारी चेवाडा ललन भारती और चेवाडा थाना की पुलिस मौजूद थी। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस बल भी घटनास्थल पर मौजूद थी। अंचल अधिकारी ने बताया कि सरपंच के पति ने सरकारी जमीन पर अपना घर बनाया था। सूत्रों ने बताया कि इनके खिलाफ इनके सहोदर भाई नीरज यादव ने प्रशासन से शिकायत की थी। इसके साथ ही मामला कोर्ट में भी चल रहा था। कोर्ट के आदेश पर इमारत को तोड़ा गया है। सीओ ने आगे कहा कि मकान के कुछ हिस्सों को अभी तोड़ा गया है। बाकी अतिक्रमण वाली भूमि पर निर्मित मकान को खुद से हटाने को कहा गया है। अगर निर्धारित समय तक मकान नहीं तोड़ते है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाड़ीभिट्ठा में लोगों का बिजली विभाग के खिलाफ फूटा गुस्सा , लगाए नारे

किशनगंज (बिहार). किशनगंज के दिघलबैंक प्रखंड क्षेत्र के हाड़ीभिट्ठा में बिजली उपभोक्ताओं ने लो वोल्टेज की समस्या और हाड़ीभिट्ठा को दिघलबैंक फीडर से अलग करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लंबे समय से उन्हें लो वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इसके कारण उनके दैनिक जीवन के कई कार्य बाधित हो रहे है। बिजली उपकरण ठीक से काम नहीं कर रहे है और इसके चलते उनका रोज का जीवन प्रभावित हो रहा है।
उपभोक्ताओं का आरोप है कि लो वोल्टेज के कारण बिजली उपकरण खराब हो रहे है। उपभोक्ताओं ने इस मुद्दे पर बिजली विभाग से कई बार संपर्क किया, लेकिन उनकी शिकायतों का कोई समाधान नहीं निकला। थक-हार कर उन्होंने सड़क पर उतरने का फैसला लिया है। लोगों ने मांग की है कि विभाग तत्काल इस समस्या का हल निकाले और फिर से हाड़ीभिट्ठा और कुतवाभिट्ठा को दिघलबैंक फीडर में जोड़े। वहीं स्थानीय नेताओं और सामाजिक संगठनों ने भी लोगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बिजली जैसी बुनियादी जरूरत की आपूर्ति में अगर कोई दिक्कत होती है। तो इसका सीधा असर क्षेत्र के विकास पर पड़ता है। बिजली उपभोक्ताओं की मांग है कि क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति को स्थिर और मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाया जाएं। ताकि वे बिना किसी रुकावट के बिजली का उपयोग कर सकें।

नालंदा में दामाद की संदिग्ध स्थिति में मौतःपरिवार ने लगाया हत्या का आरोप, मामले की जांच में जुटी पुलिस

नालंदा. नालंदा में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने उसकी पत्नी और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना नूरसराय थाना क्षेत्र के खरजम्मा गांव की है। मृतक की पहचान राहुल कुमार(20) के रूप में हुई है। जो पटना के अथमलगोला थाना क्षेत्र के फूलपुर का निवासी था। राहुल के चाचा हिमांशु कुमार ने बताया कि 2 साल पहले राहुल का जबरन विवाह कराया गया था। शादी के बाद से ही दंपती के बीच तनाव की स्थिति थी। हिमांशु कुमार ने आरोप लगाया कि "राहुल की पत्नी का उसके बहनोई से अवैध संबंध था। राहुल इसका विरोध करता था। सोमवार शाम को पत्नी ने राहुल को फोन करके बुलाया। जब वह ससुराल पहुंचा, तो उसने अपनी पत्नी को बहनोई के साथ देखा। इसके बाद झगड़ा हुआ और राहुल को जबरदस्ती जहर पिला दिया गया। हालांकि, मृतक राहुल की सास ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राहुल खुद शराब पीकर ससुराल आया था। रास्ते में ही उसने कॉल कर बताया था कि उसने शराब में जहर मिला लिया है। ससुराल वालों ने तुरंत नूरसराय थाना को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और परिजन उसे इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल लेकर गए। लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नूरसराय थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल, मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

बक्सर में बोले जगतगुरु शंकराचार्य... तिरुपति में जो हुआ वो हिंदुओं के साथ धोखा

बक्सर. यूपी के रास्ते जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बक्सर पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि देश में विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों को बर्बाद किया जा रहा। तिरुपति बाला जी में जो कुछ हुआ है वह पूरे हिंदू समाज के साथ विश्वासघात है। जिन लोगों ने ऐसा किया है कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के वोट से 78 साल से सरकार बन रही है, पर गौ हत्या पर किसी ने रोक नहीं लगाई। गौ माता के मांस बेचने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।
गायों को राष्ट्र माता का दर्जा देने और गो हत्या बंद करने के उद्देश्य से जगतगुरु यात्रा पर निकले हैं। 22 सितंबर से उनकी यात्रा यूपी के अयोध्या से शुरू की। अयोध्या के बाद लखनऊ में गए थे। वहां

से बक्सर आएं हैं, यहां भोजपुर गो प्रतिष्ठा ध्वज की स्थापना की गई। अभी वे पटना के लिए निकले हैं। यात्रा देश के 36 प्रदेशों की राजधानियों तक पहुंचेगी।

अयोध्या राम मंदिर से लेकर बागेश्वर बाबा पर की बात

बक्सर में अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वहां निर्माण पूरा नहीं हुआ है। हमने कहा था कि अधूरे भवन में भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा मत करो।
वहीं बागेश्वर बाबा के चमत्कारों के बारे में सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी एक का नाम लेना सही नहीं है। चमत्कार हो जाए तो अच्छा है। दरसअल शंकराचार्य ने पिछले दिनों कहा था कि कुछ लोग दिव्य दरबार लगाकर चमत्कार का दावा करते हैं। हम फूल बिछाएंगे, वे जोशी मठ की धंसती जमीन को रोककर दिखाएं। चमत्कार होगा, तो उन्हें पलकों पर बैठाएंगे। उनके इसी बयान को लेकर बक्सर में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि देश में बहुत-सी समस्याएं हैं। हम लोग तो चाहते हैं कि कोई चमत्कार हो जाए। बक्सर पहुंचने पर शंकराचार्य का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। स्वागत और अभिनंदन में बक्सर के विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी मौजूद रहे। वो सोमवार की देर शाम बक्सर पहुंचे। रात्रि विश्राम के बाद नया भोजपुर स्थित गौधाम में गौ पूजा की। जिसके बाद पटना के लिए रवाना हो गए। जहां दोपहर में दारोगा राय स्मारक भवन, दारोगा राय पथ में कई कार्यक्रम हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने 22 सितंबर रविवार को अयोध्या से गौ प्रतिष्ठा आंदोलन की शुरुआत की है। यह यात्रा 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक चलेगी। राजधानी में गो-ध्वज की स्थापना करेंगे। शंकराचार्य इसी प्रकार देश के 36 प्रदेशों की राजधानी में गो-ध्वज स्थापित करेंगे। यह यात्रा 36 दिनों तक चलेगी। इसके बाद 26 अक्टूबर को वृंदावन में आकर इस यात्रा को पूरा करेंगे। जुलाई में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मुंबई में अनंत अंबानी की शादी में भाग लिया था। वहां शादी के बाद हुए आशीर्वाद समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की मुलाकात चर्चा में बन गई थी। इसके पहले ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज 14 मार्च 2024 से 28 मार्च 2024 तक गायों को राष्ट्र माता का दर्जा देने के लिए नंगे पैर पदयात्रा कर चुके हैं। उन्होंने गोवर्धन गिरीराज से दिल्ली तक नंगे पैर पदयात्रा की थी। इस यात्रा में हजारो की तादात में गौ भक्त भी शामिल हुए थे।

इंटर पास को हर माह मिलेंगे 1 हजार रुपएःबेरोजगार योजना का उठा सकते लाभ, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और बेसिक कंप्यूटर ट्रेनिंग भी दी जाएगी

बेगूसराय. इंटर पास वैसे युवा जो बीए की पढ़ाई नहीं कर सके और रोजगार की तलाश में हैं, यदि उनकी उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच है तो वे सरकार से प्रत्येक महीना 1000 रुपया 24 महीने तक ले सकते हैं। इस दौरान उन्हें पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, इंग्लिश स्पोकन और बेसिक कंप्यूटर ट्रेनिंग फ्री में दी जाएगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए ज्यादा भाग-दौड़ करने की भी जरूरत नहीं है। बेगूसराय सदर प्रखंड (कंकौल) कार्यालय के बगल में स्थित जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र में मामूली रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया करनी होगी। हालांकि आश्चर्य की बात है कि काफी प्रचार-प्रसार के बावजूद बेगूसराय के लक्ष्य के अनुरूप मात्र 2 प्रतिशत लोग ही इसका लाभ ले पा रहे हैं।

रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य

जिला योजना पदाधिकारी प्रसून कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना एक महत्वाकांक्षी योजना है। उसी के तहत युवाओं को आर्थिक बल, युवा पढ़ें-आगे बढ़े थीम के तहत स्वयं सहायता भत्ता योजना चल रही है। वैसे युवा जो 20 से 25 वर्ष के हैं, वह इंटर पास हैं, लेकिन ग्रेजुएशन नहीं कर रहे हैं या नहीं किए हैं, रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें बिहार सरकार 24 महीने तक 1000 रुपया प्रतीक महीना स्वयं सहायता भत्ता देती है। उसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कहीं से भी हो सकता है। कंकौल में स्थित जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र में जाकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उसके बाद एकाउंट में स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाता है। प्रत्येक महीना मैसेज के माध्यम से यह बताना होता है कि बेरोजगार हैं और रोजगार की तलाश कर ही रहे हैं। हर महीना मैसेज भेजते ही निरंतर 1,000 रुपया मिलेंगे। यह पैसे 19 माह तक डायरेक्ट दिया जाते हैं। बाकी 5 महीने का भत्ता तब मिलता है, जब वह कुशल युवा केंद्र में तीन ट्रेनिंग ले लेते हैं। उन्हें तीन बुनियादी ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाता है। पहले व्यवहारिक कौशल पर्सनैलिटी डेवलपमेंट जो आगे बढ़ाने में मदद करता है।

ट्रेनिंग खत्म होते ही 5 महीने का भत्ता चालू हो जाएगा

बेसिक कंप्यूटर जो आधुनिक समय के लिए जरूरी है। इस प्रशिक्षण के बाद इंग्लिश लैंग्वेज का प्रशिक्षण इंग्लिश स्पोकन मजबूत करने के लिए दिया जाता है। जिन्हें अंग्रेजी बोलने में कठिनाई होती है, वैसे युवा फ्री में यह ट्रेनिंग ले सकते हैं। ट्रेनिंग खत्म होते ही 5 महीने का भत्ता चालू हो जाएगा। 20 से 25 वर्ष के 12वीं पास और ग्रेजुएशन नहीं करने वाले कोई भी डीआरसीसी जाकर रजिस्ट्रेशन कराएं और स्वयं सहायता भत्ता का लाभ लें।

पंचायत में जाकर जागरूक किया जा रहा

जिला योजना पदाधिकारी ने बताया कि बेगूसराय में 6800 युवाओं को इसका लाभ दिए जाने का लक्ष्य है। लेकिन अभी 100 से 110 युवा ही लाभ ले रहे हैं। सभी लोग 12वीं पास और आगे रोजगार की तालाश करने वालों को डीआरसीसी भेजें। इस योजना का लाभ दिलाएं, क्योंकि मुख्यमंत्री की यह योजना का काफी महत्वपूर्ण है। इसके काउंसिलिंग के लिए विभिन्न पंचायत में जाकर जागरूक किया जा रहा है।

सड़क हादसे में एक महिला की मौतःलोगों ने जहानाबाद-घोसी पथ को घंटों किया जाम

जहानाबाद.

जहानाबाद में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। घटना काको थाना क्षेत्र के मनियावां गांव के पास की है। महिला घोसी जहानाबाद एस एच-71 जा रही थी बाद ग्रामीणों ने जहानाबाद-घोसी पथ को घंटों जाम कर दिया। मृतक महिला मनियावां गांव निवासी रमाकांत केशरी की पत्नी सुनैना देवी है। परिजनों ने बताया कि वह रोज की तरह आज भी सुबह साढ़े पांच बजे टहलने निकली थी तभी किसी अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। इस घटना के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और जहानाबाद-घोसी पथ को जाम कर दिया। जिससे छोटे बड़े वाहनों की लंबी कतार लगी गयी। वही घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी है। वही इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार जनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस घटना की स्थानीय थाने मौके पर पुलिस पहुंचकर लोगों को समझाकर सड़क जाम हटाया गया आवाजाही बहाल की जाए।

आंगनबाड़ी सहायिका को पति ने 7 बार मारा चाकू, मौतः6 महीने पहले महिला ने दिया था तलाक, आरोपी मौके से फरार

भागलपुर. भागलपुर में सोमावर की रात 2 बजे आंगनबाड़ी सहायिका की चाकू गोद कर हत्या कर दी गई। घटना कजरेली थाना क्षेत्र के शाहपुर तमोनी का है। वारदात को अंजाम मृतिका के पति रियाजुद्दीन उर्फ राजू(60) ने दिया है। पति ने महिला को 7 बार चाकू मारा है। मृतका की पहचान बीवी समसुल निशा(55) के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतिका ने अपने पति राजू से 6 महीने पहले तलाक लिया था। उसी बात से नाराज पति ने वारदात को अंजाम दिया है। मृतका के भतीजा मो.मुस्तफा की माने तो राजू कमाता नहीं था। आए दिन विवाद करता था। इसी गुस्से में निशा ने उससे तलाक ले लिया।

ब्रेकफास्ट करने वक्त चाकू से पति ने मारा

दोनों पति-पत्नी का घर आमने-सामने है। सोमवार की रात जब निशा अपने घर में बेटी के साथ सो रही थी। तभी पति उसके घर आया।

चाकू से उसके शरीर पर कई बार हमला किया। घटना के बाद जैसे ही महिला चीखी, आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं, बगल में सोई बेटी उठी तो मां को गंभीर रूप से घायल देखी। घायल अवस्था में परिजनों ने उसे इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया। जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटना के वक्त महिला के घर में तीन लोग थे। सभी सो रहे थे। वहीं, आरोपी अपने पूरे परिवार के साथ घर पर रहता था।
इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया में जुटी हुई है। वहीं, आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार है। कजरेली थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पारिवारिक विवाद को लेकर पति ने वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। महिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतिका को 5 बेटी है। 2 बेटी की शादी हो चुकी है। वहीं, 3 बेटी महिला के साथ घर पर रहती है।

औरंगाबाद में इस माह 39 डेंगू मरीज मिलेःवार्ड में पांच का चल रहा इलाज, जिनका प्लेटलेट्स कम उन्हें किया जा रहा भर्ती

औरंगाबाद. औरंगाबाद जिले में डेंगू का कहर बरप रहा है। डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस माह में एलिजा टेस्ट में अबतक 39 लोग डेंगू के पॉजिटिव पाए गए हैं। NS1 के माध्यम से 185 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। हालांकि 771 लोगों का 1 अगस्त से अब तक सैंपल लिया गया है। इन सभी का औरंगाबाद सदर अस्पताल के डेंगू वार्ड में इलाज किया गया है। अभी चार से पांच मरीजों का वार्ड में इलाज चल रहा है। 22 और 23 सितंबर को सैंपल के बाद एक भी डेंगू पॉजिटिव नहीं मिले। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया कि डेंगू वार्ड में डेंगू के शिकार उन्ही मरीजों को भर्ती किया जाता है, जिनका प्लेटलेट्स काउंट कम पाया जाता है।
जिन मरीजों का प्लेटलेट्स काउंट सही होता है, उन्हे दवा और परामर्श देकर घर भेज दिया जाता है। इस वजह से अभी अस्पताल में चार-पांच मरीज ही भर्ती हैं, जिनका प्लेटलेट्स काउंट कम है। उन्होंने

कहा कि इलाज के बाद कई मरीज स्वस्थ होकर अपने घर पर हैं।

10 दिन तक रहता डेंगू का बुखार

औरंगाबाद सदर अस्पताल के प्रबंधक हेमंत राजन ने डेंगू का लक्षण बताते हुए कहा कि डेंगू से पीड़ित लोगों को अचानक तेज बुखार, सिर दर्द, उल्टी, शरीर और आंखों में दर्द होता है। सांस लेने में मुश्किल हो तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराएं। डेंगू एक संक्रमण है, जो मच्छरों के काटने से होता है। डेंगू का बुखार चार से दस दिनों तक रहता है। हालांकि गंभीर मामलों में बुखार 10 से ज्यादा दिन भी रह सकता है। डेंगू का तुरंत उपचार कराना चाहिए। डेंगू बुखार रहने पर मरीज को मच्छरदानी व साफ-सुथरी जगह पर रहना चाहिए ताकि वह दूसरों को संक्रमित न कर सके। बुखार आने पर जल्द से जल्द इसका उपचार कराना चाहिए।

सदर अस्पताल में डेंगू के इलाज की उचित व्यवस्था

औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि औरंगाबाद सदर अस्पताल में डेंगू के इलाज की उचित व्यवस्था है। इसे लेकर लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। लोगों से अपील हैं कि कहीं भी जलजमाव नहीं होने दें। मच्छरों से बचने के लिए लोशन या मच्छरदानी या स्प्रे का इस्तमाल करें। घर के आसपास सफाई रखें। पानी के बर्तनों को ढक कर रखें। कुलर में पानी बदलते रहें। खाली बर्तन, खाली डिब्बे, टायर, गमले, मटके, बोतल आदि में पानी एकत्रित नहीं होने दे। घर के दरवाजे, खिड़की और रौशनदान में जाली लगवाएं व सुरक्षित कपड़े पहने।

करंट लगने से युवक की मौतःशेखपुरा में 24 घंटे में 2 लोगों की जा चुकी है जान, धान में पानी देने के दौरान हादसा

शेखपुरा. शेखपुरा में मंगलवार को मेहूस थाना क्षेत्र के रमनु बीघा गांव में एक 35 साल के युवक बाबूलाल सिंह की मौत करंट लगने से हो गई। मृतक गांव के कुशेश्वर सिंह का इकलौता बेटा था। लोगों की माने तो युवक सुबह अपने घर से धान की फसल में पानी पटाने गया था। मोटर चालू करने के दौरान करंट की चपेट में आ गया। इसके कारण उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मेहूस थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल शेखपुरा भेज दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक के ऊपर ही परिवार के भरण पोषण की जिम्मेवारी थी। बता दे कि पिछले चौबीस घंटे के अंदर जिले में फसल में पानी पटाने के दौरान करंट लगने से दो लोगों की जान जा चुकी है। थाना अध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर अरुण कुमार सिंह ने कहा कि लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तालाब में नहाने के दौरान तीन युवती डूबी, मौतःमोतिहारी के लखौरा थाना क्षेत्र की घटना

मोतिहारी. मोतिहारी में जितिया पर्व के दिन तालाब में नहाने गई तीन लड़कियों की मौत डूबने से हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। घटना लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मी पुर गांव की है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि तीनों लड़कियां गांव की महिलाओं के साथ तालाब में नहाने गई थी। इस दौरान गहरे पानी में जाने से हादसा हो गया। मृतकों में दो सगी बहने है।

गहराई का नहीं लगा अंदाजा और चली गई जान

मृत लड़कियों में शिवपूजन राम की दो बेटी रंजू कुमारी और मंजू कुमारी सहित परमा बैठा की बेटी रीमा कुमारी शामिल है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर साव टोला की महिलाएं और कई लड़कियां जितिया पर्व को लेकर तालाब में नहाने निकली थी। इस बीच गहराई का अंदाजा नहीं लगा और तीनों डूब गई। तीनों को डूबते देख महिलाओं ने शोर मचाना शुरू किया। इसके बाद ग्रामीण दौड़कर बचाने के लिए पहुंचे। हालांकि तीनों को बाहर निकालने तक मौत हो चुकी थी। घटना के बाद लखोरा थानाध्यक्ष पंकज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस ने तीनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

प्रीपेड मीटर पर रोक की मांग को लेकर निकाला जुलूसःप्रीपेड मीटर के उपभोक्ताओं को भी मिले बिजली बिल, 200 यूनिट बिजली फ्री की मांग की

समस्तीपुर. समस्तीपुर में प्रीपेड स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने, 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करने, विद्युत सेवा शुल्क-मीटर शुल्क और लोड शुल्क, लोड जुर्माना पर रोक लगाने, 200 यूनिट फ्री बिजली देने आदि मांगों को लेकर विद्युत उपभोक्ताओं ने खेग्रामस के बैनर तले जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं ने खेग्रामस के बैनर तले मंगलवार को नगर परिषद क्षेत्र के बहादुरनगर में इकट्ठा होकर कथित रूप से तेज चलने वाला प्रीपेड मीटर पर रोक लगाओ, इलेक्ट्रिक शुल्क-मीटर शुल्क, लोड शुल्क और लोड जुर्माना पर रोक लगाने, सबसे गरीब राज्य में सबसे महंगा

बिजली क्यों-बिहार सरकार जबाब दो, 200 यूनिट बिजली फ्री दो आदि नारा लगाते हुए गैस गोदाम से जुलूस निकाला जो बहादुरनगर धर्मकांटा के पास सभा में तब्दील हो गई। सभा की अध्यक्षता खेग्रामस प्रखंड सचिव प्रभात रंजन गुप्ता ने की। सभा को संबोधित करते हुए विद्युत सुधार संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सह भाकपा-माले जिला स्थाई समिति सदस्य सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रीपेड मीटर तेज चलने की खबर लगातार आ रही है। जो उपभोक्ता डिजिटल मीटर का 250-300 रुपए का बिल आता था, डिजिटल मीटर लगते ही उनका बिल 500 रुपए का आने लगा। यह सत्यापित जानकारी है कि एक किलोवॉट लोड का प्रीपेड मीटर का इलेक्ट्रिक बिल और मीटर रेंट 10 रुपए है। स्वाभाविक है कि महीने का 300 और साल का 3600 रुपए बिना बिजली जलाए ही विभाग वसूलती है। लोड जुर्माना के नाम पर प्रति महीना 80 रुपए वसूलती है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की लूट है और इस लूट का विरोध किया जाना चाहिए। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रभात रंजन गुप्ता ने कहा कि प्रीपेड मीटर कंपनी ऊर्जा विभाग के सचिव संजीव हंस को मर्सिडीज कार गिफ्ट दें दी। स्वाभाविक है कि सबसे गरीब राज्य में सबसे महंगी बिजली आपूर्ति करना एक ओर उपभोक्ताओं का शोषण है और दूसरी ओर मर्सिडीज की कीमत की कंपनी द्वारा भरपाई है। उन्होंने आश्चर्य भरे लिहाज में कहा कि आखिर प्रीपेड मीटर में अंदरूनी क्या गड़बड़ी है कि विभाग सरकारी विभाग, कार्यालय, अधिकारियों के आवास आदि जगहों पर प्रीपेड मीटर नहीं लगा रही है। उन्होंने प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने, प्रतिदिन 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की गारंटी करने, दिल्ली की तर्ज पर 200 यूनिट फ्री बिजली देने, मीटर रेंट, लोड चार्ज एवं लोड जुर्माना समेत अतिरिक्त चार्ज वापस लेने, जबरदस्ती प्रीपेड मीटर लगाने पर रोक लगाने, प्रीपेड मीटर का बिल देने की व्यवस्था करने की मांग की है अन्यथा आंदोलनरत जनता के साथ मिलकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। मौके पर रजनी देवी, रधिया देवी, सुखिया खातुन, मो कादीर, रजनी देवी समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

जमा राशि की किल्लत से जूझ रहे बैंक, बॉण्ड से धन जुटाने को मजबूरः इक्रा रिपोर्ट

धीमी जमा वृद्धि से बैंकों को चालू वित्त वर्ष 2024-25 में बॉण्ड जारी कर 1.3 लाख करोड़ रुपये तक जुटाने पर मजबूर होना पड़ेगा। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, बॉण्ड की राशि 1.2-1.3 लाख करोड़ रुपये के बीच होगी और यह अभी तक का सर्वाधिक है। यह बॉण्ड राशि ऐसे समय में जारी होगी जब जमा तथा ऋण वृद्धि के बीच लगातार अंतर जारी है। रिपोर्ट में कहा गया, करीब 85 प्रतिशत बॉण्ड सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा जारी किए जाएंगे। साथ ही ऐसे ऋणदाताओं के बीच बुनियादी ढांचा बॉण्ड के लिए बढ़ती मांग बाजार को गति प्रदान करेगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा, नकदी की कठिन परिस्थितियों तथा ऋण वृद्धि के लगातार जमा वृद्धि से अधिक होने के कारण बैंकों के लिए वैकल्पिक स्रोतों से धन जुटाना आवश्यक हो गया है। बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में बॉण्ड जारी कर एक लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में 1.1 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे, जो मौजूदा बॉण्ड राशि से पहले सर्वाधिक था। इक्रा के 'वित्तीय क्षेत्र रेटिंग' के प्रमुख सचिन सचदेवा ने कहा कि बॉण्ड से धन जुटाने से निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए ऋण-मुक्त अनुपात (सीडी रेशियो) बिगड़ जाएगा। वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक उपलब्ध पर्याप्त गुंजाइश को देखते हुए, बुनियादी ढांचे के बॉण्ड के जरिये वृद्धि को जारी रखेंगे। इसमें कहा गया, 30 जून 2024 तक बुनियादी ढांचा क्षेत्र को बैंकों का अग्रिम ऋण 13-14 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी करीब 75 प्रतिशत होगी।

वोट के लिए आरक्षण की मांग.... राहुल गांधी विदेश जाकर खत्म करने की बात करते : मायावती

लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि यह छल-कपट से भरी है। मायावती ने पोस्ट में कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि छल-कपट की है। अपने देश में वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन करते हैं, वहीं विदेश में जाकर आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मंडल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी। इसके अलावा, बीएसपी के संघर्ष से एससी/एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अब तक लंबित है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस ने इस मामले में सही तरीके से कोर्ट में पैरवी भी नहीं की। मायावती ने जातीय जनगणना पर सवाल उठाकर कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब उन्होंने जनगणना नहीं होने दी और अब सत्ता से बाहर होने पर आवाज उठा रहे हैं, यह सब ढोंग नहीं और क्या है? पिछले दिन, मायावती ने कहा था कि राजनीतिक घटनाक्रम यह साबित करते हैं कि कांग्रेस और अन्य जातिवादी पार्टियां अपने बुरे दिनों में दलितों को महत्वपूर्ण पदों पर रखने की याद करती हैं, लेकिन अच्छे दिनों में उन्हें दरकिनार कर देती हैं, जैसा कि हाल ही में हरियाणा में देखा गया है।

दिवालिया कंपनी में 'एसबीआई के इक्विटी संबंधी फैसले' को लेकर कदम उठाए रिजर्व बैंकः कांग्रेस

कांग्रेस ने "सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड" (एसआईआईएल) नामक कंपनी में बकाया ऋण को इक्विटी में बदलने के भारतीय स्टेट बैंक के कथित फैसले को लेकर मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को इस मामले में कदम उठाना चाहिए और इस निर्णय की प्रक्रिया की जांच करने की जरूरत है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "एक असाधारण कदम उठाते हुए, एसबीआई ने दिवालिया घोषित होने वाली कंपनी "सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड (एसआईआईएल) में अपने बकाया ऋण को इक्विटी में बदलने का फैसला किया है। स्टेट बैंक सहित अन्य ऋणदाताओं ने ऋण पर 93.45 प्रतिशत का हेयरकट लिया है।" उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था भारत के कॉर्पोरेट ऋण परिदृश्य में एक खतरनाक मिसाल कायम करने वाली है। कांग्रेस नेता ने यह दावा भी किया, "यह कदम चूक (डिफॉल्ट) करने वाली अन्य कंपनियों को ऐसे ही सौदे की तलाश के लिए प्रोत्साहित करेगा, जहां वे चूक के बाद भी नियंत्रण और वैल्यू बनाए रख सकते हैं।" रमेश ने कहा कि यह भारत के दिवालियापन समाधान ढांचे की प्रभावशीलता और संकटग्रस्त संपत्तियों के प्रबंधन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा, "ऐसा लगता है कि स्टेट बैंक सार्वजनिक धन की वसूली को प्राथमिकता देने के बजाय चूक करने वाले ऋणदाता के हितों से ख़ुद को जोड़ रहा है।

जयपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ की सुरक्षा में चूक... जब पास पहुंच गया 10वीं का छात्र

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने आए थे। तभी रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक हो गई। बता दें कि रक्षा मंत्री सिंह भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने के बाद एयरपोर्ट के लिए रवाना हो रहे थे। तभी अचानक ही एक बालक सुरक्षा घेरा तोड़कर राजनाथ सिंह के पास पहुंच गया। हालांकि तभी सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता काम आई और सुरक्षाकर्मियों ने छात्र को उठाकर बाहर किया। लेकिन सिंह ने सादगी दिखाते हुए छात्र को अपने पास बुलाया और छात्र की पूरी बात सुनी। इस दौरान छात्र हर्ष भारद्वाज ने कहा कि 10वीं क्लास में पढ़ता है और जयपुर में अकेला रहता है। उसकी मम्मी झालावाड़ में सरकारी टीचर हैं। उनका ट्रांसफर यहां नहीं हो रहा है। हालांकि रक्षा मंत्री सिंह ने छात्र हर्ष से उसकी मम्मी के ट्रांसफर को लेकर उसके हाथों में मौजूद आवेदन तक नहीं लिया। जयपुर में हुई चूक से पहले आगरा में भी 5 फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह की सुरक्षा को लेकर हुई चूक का मामला सामने आया था। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सिंह पांच फरवरी को आगरा गए थे। दरअसल पांच फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह ने खेरागढ़ और आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में मतदाता संवाद कार्यक्रम किया था। इस दौरान रक्षा मंत्री द्वारा पेय एवं खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग के लिए एफएसडीए की टीम लगाई गई थी, जो कि निर्धारित समय पर यहां नहीं पहुंची थी।

बदलापुर रेप केस- एनकाउंटर की जांच करेगी सीआईडीः परिवार का आरोप- उसे कस्टडी में पीटा गया; विपक्ष बोला- हथकड़ी में फायरिंग कैसे की

मुंबईः बदलापुर रेप केस में एनकाउंटर की जांच मंगलवार को सीआईडी को सौंप दी गई। ठाणे क्राइम ब्रांच ने 23 सितंबर को केस के आरोपी अक्षय शिंदे का ठाणे में एनकाउंटर कर दिया था। क्राइम ब्रांच अक्षय को तलोजा जेल से बदलापुर लेकर गई थी। शाम करीब 6:15 बजे उसका एनकाउंटर कर दिया गया। सरकार ने कहा था कि अक्षय ने पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायर किए, सेल्फ डिफेंस में पुलिस ने गोली चलाई और अक्षय मारा गया। फैमिली ने कहा कि अक्षय को कस्टडी में जमकर पीटा गया था। उसके बाद मामले को दबाने के लिए एनकाउंटर कर दिया गया। उसका शव भी नहीं देखने दिया। विपक्ष ने एनकाउंटर पर सवाल किया- अक्षय हथकड़ी में था, वो फायरिंग कैसे कर सकता है।

संजय शिंदे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की टीम में रह चुके

आरोपी पर गोली चलाने वाले इंस्पेक्टर संजय शिंदे ठाणे क्राइम ब्रांच के एंटी-एक्सटॉर्शन सेल के हेड रह चुके हैं। वे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की टीम में भी थे। 2017 में इस टीम ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद के भाई इकबाल कासकर को गिरफ्तार किया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 19 मार्च को एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को आजीवन जेल की सजा सुनाई थी। उन्हें 2006 में गैंगस्टर छोटा राजन के करीबी के फर्जी एनकाउंटर मामले में दोषी माना गया था। प्रदीप शर्मा की टीम के एनकाउंटर की कहानी पर डॉक्युमेंट्री सीरीज भी बन चुकी है। संजय शिंदे के खिलाफ 2012 में इन्क्वायरी भी हुई थी। 2012 में दो हत्या मामलों का आरोपी विजय पलांडे पुलिस हिरासत से भाग निकला था। वह जिस एसयूवी से भागा था, उसमें संजय की वर्दी मिली थी। साल 2000 में भी किडनैपिंग केस में वे विवादों में आए थे।

आरोपी की मां बोलीं- हम शव नहीं लेंगे

उधर, आरोपी शिंदे की मां ने कहा है कि पुलिसवालों ने हमें अक्षय का शव भी देखने नहीं दिया था। हम अस्पताल में घंटों इंतजार करते रह गए। अक्षय के खिलाफ यौन शोषण के आरोप साबित नहीं हुए थे। वह पटाखे फोड़ने से डरता था। पुलिस पर गोली कैसे चला सकता है। एनकाउंटर एक साजिश है। हम अब उसका शव नहीं लेंगे। अक्षय ने बताया था कि पुलिस वाले उसे पीटते थे। दबाव डालकर बयान भी लिखवाते थे।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदेः अक्षय शिंदे की पूर्व पत्नी ने उस पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। पुलिस उसे जांच के लिए ले गई थी। इस दौरान उसने एक पुलिसकर्मी नीलेश मोरे पर गोली चलाई, जो घायल हो गया। पुलिस ने सेल्फ डिफेंस में यह कार्रवाई की। जांच के बाद और जानकारी सामने आएगी।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीसः पुलिस वारंट के साथ अक्षय शिंदे को जांच के लिए ले जा रही थी। उसने पुलिस की पिस्टल छीन ली। उसने पुलिस कर्मियों पर गोली चलाई और हवाई फायरिंग भी की। पुलिस ने आत्मरक्षा में उस पर गोली चलाई। विपक्ष हर बात पर सवाल उठाता है। वही विपक्ष आरोपी को फांसी देने की मांग कर रहा था।

आरोपी की मौत पर विपक्ष ने क्या कहा

एनसीपी (शरद गुट) सांसद सुप्रिया सुले- बदलापुर में दो नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न मामले में महायुति सरकार का रवैया चौंकाने वाला है। पहले FIR दर्ज करने में देरी हुई और अब मुख्य आरोपी की हिरासत में हत्या कर दी गई। यह कानून प्रवर्तन और न्याय प्रणाली का पूरी तरह से पतन है।

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी- आरोपी मर चुका है, और पोक्सो के तहत अन्य सह-आरोपी, जो स्कूल बोर्ड का सदस्य और भाजपा पदाधिकारी था, वह अभी भी फरार है। अयोग्य सरकार की गोली मारो और भाग जाओ रणनीति बहुत किताबी केस है। जल्द सुनने में आएगा कि किसी ने भी 6 साल के बच्चियों का यौन उत्पीड़न किया ही नहीं। रीटेन, स्पॉन्सर्ड एंड एग्जीक्यूटेड बाय स्टेट गवर्नमेंट।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले- इस घटना ने कुछ गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बदलापुर अत्याचार मामले में स्कूल ट्रस्टी अभी भी गिरफ्तार नहीं हुए हैं, वे फरार हैं उन्हें अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है? क्या इस मामले में फरार आरोपियों को बचाने के लिए मुख्य आरोपी का एनकाउंटर कर मामले को खत्म करने की कोशिश की जा रही है? क्या पूरे मामले को दबाने की कोशिश के तहत पुलिस ने आरोपी का एनकाउंटर किया है? इस मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए हाईकोर्ट के जजों से जांच कराई जानी चाहिए।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर जमीन घोटाले का केस चलेगाः हाईकोर्ट ने गवर्नर के आदेश को बरकरार रखा, सिद्धारमैया की याचिका खारिज

बेंगलुरुः कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा- 'याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है।' राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। सीएम ने 19 अगस्त को इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (मडा) घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी. जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने मडा अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी

से हासिल किया। सिद्धारमैया की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी और प्रो. रविवर्मा कुमार पेश हुए। राज्यपाल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी की। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अपनी दलीलें रखीं। मनिंदर सिंह, प्रभुलिंग के. नवदगी, लक्ष्मी अयंगर, रंगनाथ रेड्डी, के.जी. राघवन सहित अन्य ने शिकायतकर्ताओं की ओर से दलीलें पेश कीं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वे जांच का सामना करने से नहीं डरते, लेकिन कानूनी सलाह लेंगे कि क्या इस मामले में इंवेस्टीकेशन हो सकती है या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि मैं कानून और संविधान में विश्वास करता हूं। अंत में सच की जीत होगी।

मडा केस क्या है

साल 1992 में अर्बन डेवलपमेंट संस्थान मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मडा) ने कुछ जमीन रिहायशी इलाके में विकसित करने के लिए किसानों से ली थी। इसके बदले मडा की इंसेंटिव 50:50 स्कीम के तहत अधिग्रहीत भूमि मालिकों को विकसित भूमि में 50% साइट या एक वैकल्पिक साइट दी गई। 1992 में मडा ने इस जमीन को डीनोटिफाई कर कृषि भूमि से अलग किया था। 1998 में अधिगृहीत भूमि का एक हिस्सा मडा ने किसानों को डीनोटिफाई कर वापस कर दिया। यानी एक बार फिर ये जमीन कृषि की जमीन बन गई।

3 एकड़ जमीन से जुड़ा है मडा घोटाला

दरअसल, सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती के पास मैसुरु जिले के केसारे गांव में 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन थी। ये जमीन पार्वती के भाई मल्लिकार्जुन ने उन्हें 2010 में गिफ्ट में दी थी। मडा ने इस जमीन को अधिग्रहण किए बिना ही देवनूर स्टेज 3 लेआउट विकास किया था। हालांकि इस जमीन के बदले 2022 में बसवराज बोम्मई सरकार ने पार्वती को साउथ मैसुरु के पॉश इलाके में 14 साइट्स दिए थे। इनका 50:50 अनुपात योजना के तहत कुल 38,283 वर्ग फीट एरिया था।

घोटाले की जांच की मांग की गई 5 जुलाई 2024 को एक्टिविस्ट कुरुबरा शांथकुमार ने गवर्नर को चिट्ठी लिखते हुए कहा- मैसुरु के डिप्टी कमिश्नर ने मडा को 8 फरवरी 2023 से 9 नवंबर 2023 के बीच 17 पत्र लिखे हैं। 27 नवंबर को शहरी विकास प्राधिकरण, कर्नाटक सरकार को 50:50 अनुपात घोटाले और मडा कमिश्नर के खिलाफ जांच के लिए लिखा गया था। बावजूद, मडा के कमिश्नर ने हजारों साइटों को आवंटित किया।

ओडिशा की महिला 2किमी तक रेंगकर पेंशन लेने पहुंचीं

80 साल की महिला बोलीं- चल नहीं पाती हूं, फिर भी अधिकारी ने ऑफिस बुलाया

भुवनेश्वरः ओडिशा के क्योंझोर में एक 80 साल की महिला को पेंशन के लिए 2 किलोमीटर तक ऑफिस रेंगकर जाना पड़ा। रायसुआं गांव में रहने वाली पथुरी देहुरी बुढ़ापे और बीमारी के कारण ठीक से चल नहीं पाती है। सीनियर सिटीजन और विकलांग लोगों को घर जाकर पेंशन देने के सरकारी आदेश है। इसके बावजूद भी उन्हें पेंशन लेने के लिए पंचायत ऑफिस जाना पड़ा। मामला 21 सितंबर का है, हालांकि इसका वीडियो मंगलवार को वायरल हुआ।

टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने बताया कि हम पेंशन के पैसे से अपना दैनिक खर्च चलाते हैं। पंचायत एक्सटेंशन ऑफिसर ने मुझे पेंशन के पैसे लेने के लिए ऑफिस आने को कहा था। जब पेंशन बांटने के लिए कोई भी घर नहीं आया, तो मेरे पास 2 किलोमीटर तक रेंगकर पंचायत ऑफिस पहुंचने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था।

सरपंच बोले- अगले महीने से महिला को पेंशन-राशन घर पर मिलेगा

रायसुआं के सरपंच बागुन चंपिया ने बताया कि पथुरी के मामले के बारे में जानकारी लगने के बाद पीईओ और सप्लाई असिस्टेंट को अगले महीने से उनके घर पेंशन और राशन पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। तेलकोई की ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर गीता मुर्मू ने कहा- हमने पीईओ को उन लाभार्थियों को पेंशन देने का निर्देश दिया है, जो ग्राम पंचायत ऑफिस तक पहुंचने में असमर्थ हैं। ओडिशा में 2023 में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था। 17 अप्रैल 2023 को एक बुजुर्ग महिला को पेंशन लेने के लिए कड़ी धूप में पैदल बैंक तक जाना पड़ा था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिला का वीडियो शेयर कर बैंक से कहा था कि बैंकवालों को इंसानियत दिखानी चाहिए।

यूपी में दो ट्रेनों पर पथरावःप्रयागराज में सीमांचल में बैठा यात्री घायल; मिर्जापुर में महाबोधि पर फेंके पत्थर

प्रयागराज/ मिर्जापुरः यूपी में सोमवार रात 2 ट्रेनों पर पथराव हुआ। प्रयागराज में आनंद विहार से बरौनी (बिहार) जा रही सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। इसमें एक यात्री घायल हो गया। दूसरी घटना मिर्जापुर में महाबोधि एक्सप्रेस की है। यहां भी ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। सीमांचल एक्सप्रेस सोमवार शाम 5.30 बजे प्रयागराज जंक्शन से रवाना हुई। शाम 5.40 बजे यमुना ब्रिज से पहले उस पर पथराव शुरू हो गया। ट्रेन पर 10 से ज्यादा पत्थर फेंके गए। घटना में गेट पर बैठे सुजीत कुमार को पत्थर लग गया। उसका दांत टूट गया और होंठ कट गए। मिर्जापुर पहुंचने पर उसका इलाज किया गया। सुजीत उसी ट्रेन से आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गया।

प्रयागराज आरपीएफ प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया- घायल सुजीत बिहार के बेगूसराय का रहने वाला है। घटना के समय वह स्लीपर कोच S-3 के गेट पर बैठा था। इलाज कराकर उसे रवाना कर दिया गया है।

2-3 युवकों ने मारे पत्थर

घायल सुजीत के भाई ने बताया- हम लोग परिवार समेत दिल्ली से बरौनी जा रहे थे। हमारे पास 3 कंफर्म और 5 वेटिंग टिकट था। यमुना ब्रिज पर जैसी ही ट्रेन पहुंची, 2-3 युवकों ने हमें पत्थर फेंक कर मारे। गेट पर बैठे मेरे चाचा के लड़के सुजीत के होंठ पर एक पत्थर आकर लगा। उसका एक दांत टूट गया और होंठ पर भी गहरा घाव हो गया। हमारे बड़े पापा का देहांत हो गया, इसलिए हम लोग बरौनी लौट रहे थे। आरपीएफ के एसआई अशोक कुमार ने बताया- गया से नई दिल्ली जाने वाली महाबोधि एक्सप्रेस (12397) ट्रेन ने शाम 7.21 बजे मिर्जापुर में एंट्री की, तभी गार्ड ने कंट्रोल रूम में सूचना दिया कि गार्ड लॉबी में गिट्टी आकर लगी है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर मारा है। हालांकि, गार्ड ने किसी को पत्थर मारते देखा नहीं है, न ही किसी को गिट्टी लगी है। गार्ड के बयान के आधार पर RPF ने मामला दर्ज किया।

अभी 2 दिन पहले रविवार को कानपुर में ट्रेन को पलटने की साजिश की गई थी। प्रेमपुर स्टेशन के पास ट्रैक पर एक छोटा सिलेंडर रखा मिला। शुक्र था कि ड्राइवर की पहले ही नजर पड़ गई। उसने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। ठीक 10 फीट पहले गुड्स ट्रेन रुक गई। घटना सुबह 5.50 बजे की कानपुर से 35 किमी दूर प्रेमपुर रेलवे स्टेशन की है।

उत्तराखंड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में लगेगा सेंसर

देहरादून (ईएमएस)। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के बाद अब उनकी निरंतर निगरानी होगी। इसके लिए उपचारित क्षेत्र में सेंसर लगाए जाएंगे, जिससे वहां भूमि में होने वाली हलचल की जानकारी पहले से मिलेगी। नैनीताल की नैना पीक से यह शुरुआत हो रही है। इसके लिए उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र ने तैयारी शुरु कर दी है। हर वर्षाकाल में अतिवृष्टि के चलते भूस्खलन से बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति होती है। यद्यपि, संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का उपचार भी हो रहा है, लेकिन कुछ समय ठीक रहने के बाद ये फिर सक्रिय होते हैं। यह देखकर सरकार अब भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के उपचार के बाद उनकी निरंतरता में निगरानी पर विशेष जोर दे रही है। इसमें आधुनिक तकनीकी का समावेश होगा। उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार ने बताया कि जहां भी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में दीर्घकालिक उपचारात्मक कार्य होगा, उन पर बराबर नजर रखी जाएगी। जो भी एजेंसी चाहे वह लोनिवि हो, सिंचाई विभाग या फिर अन्य विभाग, उनके लिए भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के बाद सेंसर लगाना अनिवार्य किया जा रहा है। डॉ.सरकार ने बताया कि नैना पीक के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में उपचारात्मक कार्य पूर्ण होने पर वहां से सेंसर लगाने की शुरुआत की जाएगी।

शाह के बयान से बांग्लादेश को लगी मिर्ची.... देने लगा ज्ञान

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले लगातार जारी हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी नई अंतरिम सरकार इन हमलों को रोकने में नाकाम दिख रही है। मगर, यूनुस सरकार भारत को घुड़की देने से पीछे नहीं हट रही। दरअसल बोकारो में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि यहां (झारखंड) घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। हमारी सरकार बनने दीजिए, सभी घुसपैठियों को वापस खदेड़ा जाएगा। इस बयान पर बांग्लादेश भड़क उठा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उप उच्चायुक्त को एक विरोध पत्र सौंपा। पत्र में कहा गया कि भारतीय नेताओं को बांग्लादेशियों के बारे में आपत्तिजनक और अस्वीकार्य टिप्पणी करने से बचना चाहिए।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उप उच्चायुक्त को पत्र सौंपा था। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय ने कहा कि पड़ोसी देश के नागरिकों के खिलाफ जिम्मेदार पदों से आने वाली ऐसी टिप्पणियां दो मित्र देशों के बीच आपसी सम्मान और समझ

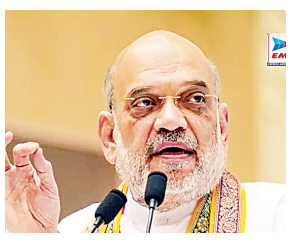

की भावना को कमजोर करती हैं। वहीं, भारत की ओर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केंद्रीय मंत्री शाह चुनाव प्रचार के लिए झारखंड दौरे पर थे। उन्होंने वोट बैंक की राजनीति के लिए झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा था, राज्य में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। वे हमारी बेटियों से शादी कर रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं और समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विरासत को नष्ट कर रहे हैं... हम उनमें से हर एक को बाहर निकाल देने वाले हैं ... यहां कमल खिलने दें। केंद्रीय मंत्री शाह ने दावा किया कि घुसपैठ के कारण संथाल परगना संभाग में आदिवासी जनसंख्या 44 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत हो गई है।

जम्मू-कश्मीर में सेकेंड फेज की 26 सीटों पर कल वोटिंगः उमर अब्दुल्ला 2 सीटों से चुनाव लड़ रहे, पहले फेज में 61 फीसदी मतदान हुआ था

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कल बुधवार (25 सितंबर) को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। दूसरे फेज में 131 कैंडिडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपए घोषित की है।

पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामुला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। इस बार भी गांदरबल सीट पर

उनके खिलाफ जेल में बंद सरजन अहमद वागे उर्फ आजादी चाचा मैदान में हैं। 18 सितंबर को पहले फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38% मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20% और पुलवामा में सबसे कम 46.99% वोटिंग हुई।

श्रीनगर की सबसे ज्यादा 8 सीटों पर वोटिंग, पीडीपी ने सभी सीटों पर कैंडिडेट्स उतारे

दूसरे फेज में सबसे ज्यादा 8 श्रीनगर में और सबसे कम 2 सीटें गांदरबल जिले की हैं। इनके अलावा बडगाम और राजौरी की 5-5, रियासी और पुंछ की 3-3 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। श्रीनगर डिवीजन में गांदरबल, श्रीनगर, बडगाम और जम्मू डिविजन में रियासी, राजौरी और पुंछ शामिल हैं। श्रीनगर की हब्बाकदल सीट पर सबसे ज्यादा 16 कैंडिडेट्स चुनावी मैदान में हैं। वहीं राजौरी की बुद्धल में 4 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी इस फेज की सभी 26 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। गठबंधन में चुनाव लड़ रहे नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 20 जबकि कांग्रेस ने 6 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा के 17 जबकि 98 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। दूसरे चरण में श्रीनगर जिले में 93 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इसके बाद बडगाम में 46, राजौरी में 34, पुंछ में 25, गांदरबल में 21 और रियासी में 20 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस के सभी 6 कैंडिडेट्स करोड़पति, भाजपा अध्यक्ष की संपत्ति केवल 1000 रुपए

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के फेज 2 के 238 उम्मीदवारों के हलफनामे के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे फेज के 238 कैंडिडेट की औसत संपत्ति 5.80 करोड़ रुपए है। 238 में से 55% यानी 131 कैंडिडेट्स करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। कांग्रेस पार्टी के सभी 6 कैंडिडेट्स करोड़पति हैं, जिनकी औसत संपत्ति 29.39 करोड़ रुपए है। वहीं, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के 26 में से 19 कैंडिडेट करोड़पति हैं। जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के कैंडिडेट सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी की संपत्ति सबसे ज्यादा 165 करोड़ और सबसे कम निर्दलीय कैंडिडेट मोहम्मद अकरम की 500 रुपए हैं।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, बुधवार, 25 सितंबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर गए थे। न्यूयॉर्क के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की ओर से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें अमेरिका की 15 टेक कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। सभी कंपनियों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर था। भविष्य में एआई तकनीकी पर आधारित सेवाओं पर टेक कंपनियों को अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत से होने जा रही है। इसको लेकर विश्व भर की सभी टेक कंपनियां भारत के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं। एआई रिसर्च के मामले में चीन अभी सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत का नंबर तीसरा है। अमेरिका की कंपनियां एआई तकनीकी के माध्यम से भारत में अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। भारत की आबादी, भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। अभी एआई तकनीकी का काम ठीक तरह से शुरू भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी हर माह अरबो रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां भारत से कर रही। चैट जीपीटी और गूगल के कई टूल्स भारत में विभिन्न कंपनियों द्वारा मासिक सब्सक्रिप्शन के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 1500 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक के विभिन्न किस्म के सब्सक्रिप्शन देकर प्रतिमाह अरबों रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां करने लगी हैं। एआई तकनीकी अभी प्रारंभिक दौर में है। अगले कुछ ही वर्षों में सभी क्षेत्रों में एआई तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर जब होना शुरू हो जाएगा। उस समय टेक कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार होगा। गूगल और एनवीडीया सहित कई बड़ी-बड़ी दिग्गज कंपनियां भारत सरकार के विकास की तारीफ करते हुए भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां की टेक कंपनियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कंपनियों से कहा है, अगले दो वर्षों में एआई तकनीकी के 85000 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को भारत तैयार करना चाहता हैं। भारत सरकार अनुसंधान और विकास के मामले में भी सहयोग करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा में टेक कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में भारत में ज्यादा निवेश करने का भरोसा टेक कंपनियों ने दिया हैं। भारत में अभी एआई तकनीकि और सेवाओं को लेकर कोई कानून तैयार नहीं हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ एआई तकनीकी को लेकर नियम और कानून बनाने पर विचार विमर्श कर रही है। अभी एआई तकनीकि शुरुआती दौर में हैं। भारत में जिस तरह से ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार पिछले वर्षों में हुआ है। मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी जिस तरह से भारत में बढ़ी है। उसके कारण दुनिया भर की टेक कंपनियां, यह मानकर चल रही है। एआई तकनीकी आधारित सेवाओं के शुरू होने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार होगा। इसलिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत मैं बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए प्रयासरत हैं। दुनिया में जिस तरह से आर्थिक मंदी की आहट देखने को मिल रही है। एआई तकनीकी आने के बाद बेरोजगारी और भी बढ़ने की बात कहीं जा रही है। मानवीय सेवाओं का स्थान अब रोबोट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से होने पर, बेरोजगारी बढ़ना तय है। भारत की युवा आबादी सबसे ज्यादा है। भारत में बेरोजगारी की दर भी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में एआई तकनीकी के फायदे भारत को कम और विदेशी कंपनियों को आर्थिक लाभ ज्यादा होंगे। भारत अपनी बेरोजगारी की समस्या से किस तरह से निपटेगा। इसका कोई उपाय भारत सरकार ने नहीं सोचा है। विदेशी कंपनियों के दबाव में भारत सरकार को ऐसा लग रहा है। एआई तकनीकी का उपयोग बढ़ने से भारत का तेजी के साथ विकास होगा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा होना संभव नहीं है। शुरुआती दौर में ही जिस तरह टेक कंपनियों द्वारा मनमाना सब्सक्रिप्शन वसूल किया जा रहा है। उससे टेक कंपनियों को आर्थिक रूप से बहुत बड़ा फायदा होगा। भारत में एआई तकनीकी को सीखने और उपयोग में लाने से हर माह अरबो रुपए भारतीय उपभोक्ता खर्च कर रहे हैं। भारतीय युवा एआई तकनीकी पर निर्भर होने के कारण मानसिक दुष्प्रभाव भी आगे चलकर देखने को मिलेंगे।

साधारण सी दिखने वाली असाधारण शख्सियत थे पं दीनदयाल उपाध्याय

पंडित दीनदयाल का जिक्र करते ही, पंडित जी की जो छवि हमारी आंखों के सामने उभरती है.वह किसी बड़े राजनीतिक दल के कद्दावर नेता की नहीं.बल्कि एक सहृदय अग्रज.आत्मीय मित्र.और मार्गदर्शक की है. हिन्दुस्तान भर के लाखों अनुयाई पं दीनदयाल को इस स्वरूप में अपने साथ पाते थे. आज हमारे मुल्क में राजनीति का जो स्वरूप हमें द्रष्टिगोचर होता है और उसमें राजनीति करते हुए तमाम सारे राजनीतिक दलों के जो नेता हमें मिलते हैं उनकी तुलना यदि दीनदयाल उपाध्याय के साथ करें तो हमें बेहद आश्चर्य होता है.हमारे ज़हन में विचार आता है कि इस आपाधापी के दौर में भी हमें ऐसी शख्सियत का मार्गदर्शन मिला. कालांतर में पंडित दीनदयाल जो अमूल्य विचार हमें प्रदान कर गए. वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था.प्रसिद्वि से दूर. अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे.

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे. पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था. पंडित उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया है,वह जीवन के सभी सुखों का मूल मंत्र है. यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आगे आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा. यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है, पंडित उपाध्याय का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़ता है. पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म उत्तर प्रदेश के चंद्रभान नामक ग्राम के एक साधारण से परिवार में 25 सितंबर 1916 को हुआ था. आप की माता का नाम रामप्यारी एवं पिता का नाम भगवती प्रसाद था. उपाध्याय जी के बाल्यकाल में ही माता पिता का साया उनके सिर से उठा गया था, फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए. जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा. यही वजह थी, कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा. पिता के निधन के पश्चात इनके नाना चुन्नीलाल उन्हें अपने गांव धनकिया ले आए. जब नाना नौकरी छोड़ कर अपने पैतृक घर गुड़की मंडई आ गए, तो वे नाना के साथ गुडकी मंडई आ गए, दीनदयाल जी के 9 वर्ष के होने के बाद भी उनके अध्ययन की कोई संमुचित व्यवस्था नहीं थी. अतः वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो कि गंगापुर में सहायक स्टेशन मास्टर के पद पर पदस्थ थे. गंगापुर आने के पश्चात 1925 में उनकी शिक्षा विधिवत प्रारंभ हुई. वे गंगा पुर में 4 वर्ष तक रहे, गंगापुर में इससे आगे पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने से, अतः 2 जून 1929 को उन्होंने कोटा के एक स्कूल में दाखिला ले लिया. कक्षा 5 से 7 तक की पढ़ाई उन्होंने कोटा में की इसके बाद की पढ़ाई के लिए वे राजगढ़ आ गये. मामा राधारमण के चचेरे भाई नारायण शुक्ला राजगढ़ में स्टेशन मास्टर थे. आठवीं की शिक्षा प्राप्त करने के लिए दाखिला लिया. उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय अंकगणित के कठिन सवालो का जवाब पलक झपकते ही देकर दिया, जब वे 9 वी कक्षा में पढ़ रहे थे उस दौरान उनके पास दसवीं के विद्यार्थी भी उनसे गणित के सवाल हल करवाने आते थे. उनकी ख्याति एक मेधावी छात्र के रूप में फैल गई थी. नारायण शुक्ला का 1934 में स्थानांतरण सीकर हो गया. इस कारण उन्हें सीकर जाना पड़ा. उन्होंने दसवीं की परीक्षा सीकर कल्याण हाईस्कूल से दी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए. वह विधार्थी जीवन में हमेशा उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होते रहे. इसी कारण सीकर के महाराजा कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया. 10 रुपये माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तको आदि के लिए 250की राशि पारितोषिक के रूप में दी, उस दौर में पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केन्द्र था. दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935 में पिलानी चले गए उन्होंने यह सभी परीक्षाएं विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की. कानपुर में किराए का मकान लेकर दो बर्ष तक रहे. इसके पश्चात वे प्रयाग चले आए.

प्रकाश की गति मापने वाले पहले वैज्ञानिक -ओले क्रिस्टेंसेन रोमर

> 1983 में, पहले गंभीर माप प्रयास के 300 से अधिक वर्षों के बाद, वजन और माप पर सत्रहवीं जनरल कांग्रेस द्वारा प्रकाश की गति को 299,792.458 किलोमीटर प्रति सेकंड के रूप में परिभाषित किया गया था। इस प्रकार, मीटर को उस दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है जो प्रकाश 1/299,792,458 सेकंड के अंतराल पर निर्वात के माध्यम से यात्रा करता है। हालाँकि, सामान्य तौर पर, (कई वैज्ञानिक गणनाओं में भी) प्रकाश की गति लगभग 300,000 किलोमीटर (या 186,000 मील) प्रति सेकंड है।उस समय तक, वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि प्रकाश की गति या तो मापने के लिए बहुत तेज़ है या अनंत है।

संजय गोस्वामी

ओले क्रिस्टेंसन रोमर एक व्यापारी के बेटे थे, जिनका जन्म 25 सितंबर, 1644 को आरहूस, डेनमार्क में हुआ था। उन्होंने अपनी युवावस्था में आरहूस कैथेड्रल स्कूल में पढ़ाई की और 1662 में स्नातक होने के बाद उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय भेजा गया। वहां उन्होंने मेडिसिन के प्रोफेसर इरास्मस बार्थोलिन के साथ रहकर अध्ययन किया, जो आइसलैंड स्पर में दोहरे अपवर्तन की खोज के लिए जाने जाते हैं। बार्थोलिन ने रोमर का बहुत सम्मान किया और उसे टाइको ब्राहे की पांडुलिपियों के संपादन का काम सौंपा। रोमर ने 1664 से 1670 तक इस परियोजना को जारी रखा और 1671 में ब्राहे की वेधशाला का निरीक्षण करने के लिए बार्थोलिन और जीन पिकार्ड के साथ स्वर्ग की यात्रा की। 1672 में, रोमर पिकार्ड के साथ फ्रांस लौट आए और पेरिस में रॉयल वेधशाला में काम करना शुरू किया। इसके तुरंत बाद, उन्हें राजा लुईस XIV द्वारा डॉफिन में खगोल विज्ञान का शिक्षक नियुक्त किया गया, लेकिन उन्होंने फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज के तत्वावधान में वेधशाला में शोध जारी रखा। वहाँ रहते हुए, प्रकाश पर शोध किया वह अपने यांत्रिक कौशल और नवीन दिमाग के लिए सम्मानित हो गए। उन्होंने कई प्लैनिस्फेयर, एक सैटर्निलैबियम, एक जोविलैबियम और एक बेहतर माइक्रोमीटर का उत्पादन किया, जिन्हें तुरंत सामान्य उपयोग के लिए अपनाया गया। 1679 में, उन्हें रॉयल सोसाइटी द्वारा निर्मित पेंडुलम की मापने की क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए इंग्लैंड भेजा गया था और उन्होंने उस समय के कई प्रमुख वैज्ञानिक दिमागों से मुलाकात की, जिनमें सर आइजैक न्यूटन, जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली शामिल थे।पृथ्वी के बृहस्पति के करीब आने पर आयो के लगातार ग्रहणों के बीच बीता समय कम होता जाता है और पृथ्वी तथा बृहस्पति के दूर होते जाने पर लंबा होता जाता है। कैसिनी ने इस पर विचार किया था, लेकिन फिर इस विचार को खारिज कर दिया कि यह प्रकाश के लिए एक सीमित प्रसार गति के कारण हो सकता है। 1676 में, रोमर ने घोषणा की कि 9 नवंबर को होने वाला आयो का ग्रहण उसी उपग्रह के पिछले ग्रहणों के आधार पर निकाले गए समय से 10 मिनट बाद होगा। जब घटनाएँ उनके पूर्वानुमान के अनुसार घटित हुईं, तो रोमर ने समझाया कि प्रकाश की गति इतनी है कि प्रकाश को पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने में 22 मिनट लगते हैं। (सत्रह मिनट अधिक सटीक होगा।) डच गणितज्ञ क्रिस्टियान ह्यूजेंस ने अपने ट्रैटे डे ला लुमियर (1690; प्रकाश पर ग्रंथ) में, रोमर के विचारों का उपयोग प्रकाश की गति के लिए एक वास्तविक संख्यात्मक मान देने के लिए किया, जो आज स्वीकार किए गए मान के काफी करीब था - हालांकि समय की देरी के अधिक अनुमान और पृथ्वी की कक्षा के व्यास के लिए तत्कालीन स्वीकृत आंकड़े में कुछ त्रुटि के कारण यह कुछ हद तक गलत था। 1679 में रोमर इंग्लैंड के एक वैज्ञानिक मिशन पर गए, जहाँ उनकी मुलाकात सर आइजैक न्यूटन और खगोलविदों जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली से हुई। 1681 में डेनमार्क लौटने पर, उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में शाही गणितज्ञ और खगोल विज्ञान का प्रोफेसर नियुक्त किया गया। विश्वविद्यालय की वेधशाला में उन्होंने ऊंचाई और अज़ीमुथ सर्कल के साथ एक उपकरण और एक दूरबीन स्थापित की, जो आकाशीय पिंडों की स्थिति को सटीक रूप से मापती थी। उन्होंने 1705 में कोपेनहेगन के मेयर सहित कई सार्वजनिक कार्यालयों को भी संभाला हालाँकि, रोमर की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रकाश की गति का पहला अपेक्षाकृत सटीक माप था, यह उपलब्धि उन्होंने 1676 में हासिल की थी। रॉयल ऑब्ज़र्वेटरी में, रोमर के बृहस्पति के चंद्रमा और उसके बार-बार होने वाले ग्रहणों के अध्ययन ने उन्हें आवधिकता की भविष्यवाणी करने में सक्षम बनाया। चंद्रमा के लिए ग्रहण काल की खोज में सफलता हासिल की हालाँकि, कई महीनों के बाद, उन्होंने देखा कि उनकी भविष्यवाणियाँ धीरे-धीरे लंबे समय के अंतराल में कम सटीक होती जा रही थीं, जिसकी परिणति लगभग 22 मिनट की अधिकतम त्रुटि के रूप में हुई। फिर, अजीब तरह से, कई महीनों के दौरान उनकी भविष्यवाणियाँ फिर से अधिक सटीक हो जाती हैं, पृथ्वी एक चक्र जो लगातार खुद को दोहराता है। रोमर को जल्द ही एहसास हुआ कि देखी गई विषमता ग्रहों की कक्षीय गति के कारण पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी में भिन्नता के कारण हुई थी। जैसे ही बृहस्पति पृथ्वी से दूर चला गया, प्रकाश को यात्रा करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ी और इसलिए पृथ्वी तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा। सत्रहवीं शताब्दी में उपलब्ध पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी के लिए अपेक्षाकृत गलत गणनाओं को बदला, जो 137,000 मील (या 220,000 किलोमीटर) प्रति सेकंड पर प्रकाश की गति का अनुमान लगाने में सक्षम था।

प्रकाश की गति का सटीक माप - ओले रोमर के 1676 के सफल प्रयास से 100 से अधिक जांचकर्ताओं ने विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके कम से कम 163 बार प्रकाश की गति को मापा है। अंततः 1983 में, पहले गंभीर माप प्रयास के 300 से अधिक वर्षों के बाद, वजन और माप पर सत्रहवीं जनरल कांग्रेस द्वारा प्रकाश की गति को 299,792.458 किलोमीटर प्रति सेकंड के रूप में परिभाषित किया गया था। इस प्रकार, मीटर को उस दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है जो प्रकाश 1/299,792,458 सेकंड के अंतराल पर निर्वात के माध्यम से यात्रा करता है। हालाँकि, सामान्य तौर पर, (कई वैज्ञानिक गणनाओं में भी) प्रकाश की गति लगभग 300,000 किलोमीटर (या 186,000 मील) प्रति सेकंड है।उस समय तक, वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि प्रकाश की गति या तो मापने के लिए बहुत तेज़ है या अनंत है। फ्रांसीसी दार्शनिक डेसकार्टेस द्वारा जोरदार तरीके से तर्क दिया गया प्रमुख दृष्टिकोण अनंत गति का पक्षधर था। पेरिस वेधशाला में काम करने वाले रोमर ने जब प्रकाश की गति पाई, तब वे इसकी तलाश नहीं कर रहे थे। इसके बजाय, वे 1610 में गैलीलियो द्वारा खोजे गए बृहस्पति के चार बड़े उपग्रहों में से सबसे भीतरी, आयो की कक्षा के व्यापक अवलोकनों को संकलित कर रहे थे। बृहस्पति द्वारा आयो के ग्रहणों का समय निर्धारित करके, रोमर उपग्रह की परिक्रमा अवधि के लिए अधिक सटीक मान निर्धारित करने की आशा कर रहे थे। सत्रहवीं शताब्दी में ऐसे अवलोकनों का व्यावहारिक महत्व था। गैलीलियो ने स्वयं सुझाव दिया था कि बृहस्पति के उपग्रहों की कक्षीय गति की तालिकाएँ आकाश में एक प्रकार की घड़ी प्रदान करेंगी।

राष्ट्र के महानिर्माता, दीनदयाल उपाध्याय

> आज राष्ट्रवाद का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उसके नींव डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पंडित जी के साथ मिलकर दशकों पहले रखी थी। उन्होंने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया। कार्यकुशलता समर्पण को देखकर डॉक्टर मुखर्जी ने कहा था कि यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाते तो मैं पूरे हिंदुस्तान को बदल देता। वह अंतिम व्यक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का विकास चाहते थे। एक चौपाई बोलते थे परहिस सरिस धर्म नाहिं भाई... दूसरों की भलाई करने से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। पंडित जी ने कहा था हमें सबके लिए काम करना है। जो गरीब है, सबसे पीछे और सबसे नीचे है वह दरिद्र ही अपना भगवान है।

हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारत के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पं दीनदयाल उपाध्याय कुशल संगठक, बौद्धिक चिंतक और भारत निर्माण के स्वप्नदृष्टा के रूप में आज तलक कालजयी हैं। माता रामप्यारी और पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय के घर 25 सितम्बर 1916 को मथुरा जिले के नगला चन्द्रभान ग्राम में जन्मे पं दीनदयाल उपाध्याय हम सबके प्रेरणास्रोत और मातृभूमि के सच्चे उपासक थे। उन्होंने व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास का समूचा दर्शन दिया। अपनी संस्कृति, संस्कारों, परंपराओं, जीवन मूल्यों के आधार पर देश निर्माण का विचार दिया। विश्व के विकास और कल्याण की सभी संभावनाएं उनके द्वारा दिए गए एकात्म मानव दर्शन में है। जिसकी प्रासंगिकता मानकर सारा विश्व इस मानवीय सिद्धांत पर शोध कर रहा है। ताकि एक मामूली से कद काठी के व्यक्ति ने इतना मार्मिक और सारगर्भित विमर्श समय रहते कैसा उद्वेलित कर दिया।

पं दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन की दो अवधारणा पर आधारित है। पहली वसुधैव कुटुंबकम् का सिद्धांत और दूसरी चार पुरुषार्थ। उन्होंने शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए उसके विकास के लिए चार पुरुषार्थ की अवधारणा को स्पष्ट किया। उनका मानना था कि व्यक्ति में प्रतिभा भी है और उसकी आवश्यकताएं भी है लेकिन उसका मन व्यापक होता है। वह भ्रमित हो सकता है। मनुष्य सकारात्मक दिशा में बड़े इसके लिए मन का संतुलन और अनुशासन जरूरी है। यह बुद्धि और विवेक से ही संभव है। इसके लिए चार पुरुषार्थ आवश्यक है इनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का समावेश है। यदि चार पुरुषार्थ की मर्यादा में व्यक्ति को उसके विकास के सभी अवसर प्रदान किए जाए तो संसार इस श्रेष्ठ स्वरूप को प्राप्त कर सकता है इसकी कल्पना वेदों में है। यह पूर्ण यानी एकात्म मानव की कल्पना है जिसे पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानववाद दर्शन के रूप में दिया। जो सारे जगत में अलौकिक है।

पंडित जी के अनछूए जीवन प्रेरक प्रसंग प्रेरणापुंज हैं। सतुत्य, किशोरावस्था में एक बार सब्जी बाजार गए और सब्जी बेचने वाली वृद्धा को चवन्नी का भुगतान कर दिया। घर लौटते समय उन्होंने जेब टटोली, तो देखा कि वह वृद्धा को खूंटी चवन्नी दे आए हैं। उनका मन इतना दुखी और द्रवित हो गया कि वह दौड़ते हुए उस वृद्धा के पास गए और उसे क्षमा प्रार्थना के साथ खूंटी चवन्नी वापस लेकर खरी चवन्नी दे दी। क्रम में मध्यप्रदेश जाने के लिए पं दीनदयाल जी दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर खड़ी गाड़ी के थर्ड क्लास के डिब्बे में बैठ चुके थे। गाड़ी जाने में अभी आधा घंटा शेष था जिसके कारण डिब्बे में बहुत कम यात्री बैठे थे। इसी समय दो औरतें डिब्बे में आई और भीख मांगने लगी। पुलिस के एक सिपाही ने उन्हें देखा और उन्हें गाली देते हुए मारने लगा। पंडित जी कुछ समय तक इस दृश्य को देखते रहे लेकिन अचानक उठ कर उन्होंने पुलिस के सिपाही को पीटने से रोकने का प्रयत्न किया। पुलिस के सिपाही ने अभद्रता से कहा- "यह औरतें चोर हैं और यह तुम्हें तुम्हें परेशानी में डाल सकती हैं। जाओ और अपनी सीट पर बैठो यह मेरा काम है और उसे करने में दखल मत दो।" पंडित जी यह वाक्य सुनते ही क्रोधित हो उठे। शायद जीवन में पहली और अंतिम बार वे इस क्रोधावेश में दिखे थे। उन्होंने पुलिस के सिपाही का हाथ पकड़ते हुए कहा- मैं देखता हूं कि तुम उन्हें कैसे मारते हो। अदालत उन्हें उनके और सामाजिक कार्यों के लिए दंड दे सकती है लेकिन एक स्त्री के साथ अभद्र व्यवहार को देखना मेरे लिए असहनीय है। पुलिस के सिपाही ने अपनी ड्यूटी को माना और क्षमा की प्रार्थना की। ऐसे एक अबला की रक्षा करने वाले मानवस्पर्शी, संवेदनशील मानवधर्मी थे दीनबंधु दीनदयाल।

आज राष्ट्रवाद का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उसके नींव डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पंडित जी के साथ मिलकर दशकों पहले रखी थी। उन्होंने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया। कार्यकुशलता समर्पण को देखकर डॉक्टर मुखर्जी ने कहा था कि यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाते तो मैं पूरे हिंदुस्तान को बदल देता। वह अंतिम व्यक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का विकास चाहते थे। एक चौपाई बोलते थे परहिस सरिस धर्म नाहिं भाई... दूसरों की भलाई करने से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। पंडित जी ने कहा था हमें सबके लिए काम करना है। जो गरीब है, सबसे पीछे और सबसे नीचे है वह दरिद्र ही अपना भगवान है। उसकी सेवा ही भगवान की सेवा है। पंडित जी का इस भावना और विचार को क्रियान्वित करने आज मानव कल्याण की विविध योजनाएं चलाई जा रही है।

पंडित जी के बताए गए मार्ग पर चलकर हम एक शक्तिशाली, गौरवशाली, वैभवशाली, शक्तिशाली और संपूर्ण भारत का निर्माण करेंगे। पथ प्रदर्शक, आदर्श नायक, राष्ट्र के महानिर्माता पं दीनदयाल उपाध्याय को एक बार पुनः नमन...! वीभत्स, साल 1978 की 10 फरवरी को दीनदयाल लखनऊ से पटना जा रहे थे। इसके लिए वे सियालदाह एक्सप्रेस में बैठे लेकिन 11 फरवरी को अलग सुबह तकरीबन 2 बजे, जब ट्रेन मुगलसराय स्टेशन पर पहुंची, तो वह ट्रेन में नहीं थे। स्टेशन के नजदीक ही उनका पार्थिव देह था।

श्राद्ध पक्ष में नफरत के तर्पण की जरूरत

राकेश अचल

दिशाहीन, कसैली, विषैली सियासत पर लिखते-लिखते अब ऊब होने लगी है। इसलिए आज श्राद्ध पक्ष पर लिख रहा हूँ। भारत में श्राद्ध पक्ष का बहुत महत्व है। मान्यताएं हैं, हमारे पूर्वजों ने पूर्वजों की आत्मशांति और उनके प्रति श्रृद्धा व्यक्त करने के लिए पूरे पन्द्रह दिन मुकर्रर किये हैं। पंचभूत में विलीन हमारे पूर्वजों की देह हम नदियों में प्रवाहित कर देते हैं किन्तु उनकी आत्माओं के बारे में हमारे पास कोई प्रबंध नहीं है। हमें लगता है कि पूर्वजों की आत्माएं भटकतीं है। उन्हें भूख-प्यास भी लगती है इसलिए ब्राम्हणों के जरिये, कौवों के जरिये, पशु-पक्षियों के जरिये हम उन्हें भोजन, वस्त्र और न जाने क्या-क्या पहुँचाने की कोशिश करते हैं। और जब थक जाते हैं,पक जाते हैं, तो पिंडदान कर देते हैं। स्थापित मान्यताओं के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना,क्योंकि ये आज का विषय नहीं है। मेरा तो आग्रह ये है कि हम इस श्राद्ध पक्ष में यदि कुछ तर्पण करना ही चाहते हैं, पिंडदान करना ही चाहते हैं तो हमें नफरत का, ईर्ष्या का, घृणा का पिंडदान करना चाहिए ताकि समाज, देश, आसपड़ोस सुख से रह सके। सुख अब दिनों-दिन अलभ्य होता जा रहा है। लोग सुख देने के बजाय उसे छीनने की स्पर्द्धा में जुटे हुए हैं। भारत में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में ये छीना-झपटी चल रही है। छीना-झपटी का चरम युद्ध में तब्दील होजाता है। दुनिया में कहाँ-कहाँ ये नफरत युद्ध में तब्दील हो चुकी है, ये आप सभी जानते हैं।

बात नफरत की चली तो मुझे भारतीय राजनीति की कुछ महिलाओं की याद आ गयी। दिल्ली की नयी-नवेली मुख्यमंत्री आतिशी भाजपा की नफरत से परेशान हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुर्सी खाली रखकर कामकाज करने का फैसला किया तो भाजपा को उदरशूल होने लगा। भाजपा के तमाम भद्र नेता मुख्यमंत्री आतिशी पर राशन-पानी लेकर चढ़ बैठे। उनका कहना है कि ये चमचत्व की पराकाष्ठा है जबकि आतिशी कहतीं हैं कि वे दिल्ली में भरत राज का अनुकरण कर रहीं हैं। कलियुग में भरत राज का अनुकरण अविश्वनीय है,क्योंकि यहां तो भरत के रूप में चम्पाई सोरेन का उदाहरण हैं जो सत्ता कि लालच में अपने ही दल को लात मार चुके हैं। आतिशी चम्पाई सोरेन नहीं हैं,आतिशी है। उनका सम्मान किया जाना चाहिए। नफरत की आग भाजपा की कलाकार संसद सुश्री कंगना रावत कि दिल में भी धधक रही है। वे भी सन्निपात की शिकार दिखाई देतीं है। वे कब , क्या बोलेंगीं ये उनका दल भाजपा भी नहीं जानता और इसीलिए कुछ दिन पहले ही कंगना कि एक बयान से भाजपा ने अपने आप को लग कर लिया था। अब वही कंगना रनौत फिर सुर्ख़ियों में है। उन्होंने कहा है कि -हिमाचल प्रदेश सरकार कर्ज लेती है और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की गोद में डाल देती है। इस तरह वह कांग्रेस की झोली भर रही है। सोनिया गांधी ने राज्य के खजाने को खोखला कर दिया है और हिमाचल की ये दुर्दशा हुई है। हिमाचल के बच्चों के भविष्य पर कुल्हाड़ी मारी जा रही है। यह देखकर उन्हें बहुत दुख होता है।उनका दुःख कब सुख में बदलेगा हम और आप नहीं जानते।

हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा भी इस समय अपनी पार्टी और भाजपा की नफरत का शिकार है। नाराज हैं। चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रही। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने का न्यौता दिया है लेकिन सैलजा ने बिभीषण बनने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि उनकी देह कांग्रेस कि झंडे में ही लिपटकर विदा होगी। ऐसा समर्पण अब कहाँ देखने को मिलता है। नफरत की राजनीति कि शिकार देश कि अल्पसंख्यक भी हैं और वे लोग भी जो तिरुपति तिरुमला देवस्थान में लड्डुओं के लिए देशी घी के नाम पर कुछ और सप्लाई करते आये हैं। लेकिन इस नफरत से किसका नुक्सान है और किसका फायदा ये समझना बहुत कठिन है। इसलिए मै बार-बार कहता हूँ कि श्राद्ध पक्ष में पितरों कि साथ उन लोगों कि लिए भी दान-पुण्य करना चाहिए जो नफरत की गिरफ्त में है। नफरत से मोक्ष दिलाने कि लिए कोई नया विधि-विधान आवश्यक हो तो उसका भी इस्तेमाल किया जा सकता है। क्योंकि मेरी मान्यता है कि जब तक समाज में देश में,दुनिया में नफरत है कोई सुख से नहीं रह सकता। न गरीब और न अमीर। सुख की जरूरत सभी को है, नफरत से मुहब्बत करने वाले लोग बहुत कम हैं और अब दुनिया में हर जगह उनकी शिनाख्त हो चुकी है। नफरत से मुहब्बत करने वाले अल्पसंख्या में हैं, इसलिए उनसे डरने की नहीं सावधान रहने की जरूरत है। देश के अल्पसंख्यकों से नफरत करने वाली इकलौती राजनितिक पार्टी भाजपा कुर्सी कि लालच में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यकों कि प्रति उदारता दिखती नजर आ रही है। भाजपा के बड़े नेता और इस दशक के सरदार पटेल हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साहब ने घाटी कि मुसलमानों को ईद और मोहर्रम पर रसोई गैस कि दो सिलेंडर मुफ्त देने का वादा कर अपने कांग्रेसी होने का एक और प्रमाण दे दिया है। कांग्रेस पर यही भाजपा अल्पसंख्यकों के तुष्टिअकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाती आयी है, लेकिन अब खुद अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने कि लिए विवश है।

गले में दर्द और सूजन को कभी हल्के में न लें

ले का दर्द फेरनक्स की सूजन है, जो गले के पीछे है। इसे अक्सर गले में खराश के रूप में जाना जाता है। गले का दर्द भी गले में खरोंच और निगलने में कठिनाई का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, फायरेंजाइटिस-प्रेरित गले में गले चिकित्सक के दौरे के सबसे आम कारणों में से एक है। साल के ठंडे महीनों के दौरान गले का दर्द के अधिक मामले होते हैं। यह सबसे आम कारणों में से एक है, कि लोग काम से घर क्यों रहते हैं। एक गले का इलाज करने के लिए, इसके कारण की पहचान करना महत्वपूर्ण है। गले का दर्द जीवाणु या वायरल संक्रमण के कारण हो सकता है।

गले का दर्द के लक्षण

ऊष्मायन अवधि आम तौर पर दो से पांच दिन होती है। गले का दर्द के साथ होने वाले लक्षण अंतर्निहित स्थिति के आधार पर भिन्न होते हैं। एक दर्द, शुष्क, या खरोंच गले के अलावा, ठंडा या फ्लू का कारण बन सकता है, जैसे-

1. छींक आना 2. बहती नाक 3. सरदर्द 4. खांसी 5. थकान 6. शरीर मैं दर्द 7. ठंड लगना 8. बुखार (फ्लू के साथ ठंडा और उच्च ग्रेड बुखार वाला एक निम्न ग्रेड बुखार)।

एक गले के गले के अलावा, मोनोन्यूक्लियोसिस के लक्षणों में शामिल हैं, जैसे-

1. सूजी हुई लसीका ग्रंथियां 2. गंभीर थकान 3. बुखार 4. मांसपेशियों के दर्द 5. सामान्य बीमारी 6. भूख में कमी 7. लाल चकत्ते

स्ट्रेप गले, एक और प्रकार का फायरेंजाइटिस भी कारण बन सकता है, जैसे-

1. निगलने में कठिनाई 2. सफेद या भूरे रंग के पैच के साथ लाल गले 3. सूजी हुई लसीका ग्रंथियां 4. बुखार 5. ठंड लगना 6. भूख में कमी 7. जी मिचलाना 8. मुंह में असामान्य स्वाद 9. सामान्य बीमारी

संक्रामक अवधि की लंबाई भी आपकी अंतर्निहित स्थिति पर निर्भर करेगी। यदि आपके पास वायरल संक्रमण है, तो आप तब तक संक्रामक होंगे जब तक आपका बुखार अपना कोर्स नहीं चलाता। यदि आपके पास गले में खरांश हैं, तो आप शुरुआत से संक्रामक हो सकते हैं, जब तक आप एंटीबायोटिक दवाओं पर 24 घंटे बिताए।

आम सर्दी आमतौर पर 10 दिनों से कम रहता है। बुखार सहित लक्षण तीन से पांच दिनों तक गहरे हो सकते हैं। यदि गले का दर्द एक ठंडे वायरस से जुड़ा हुआ है, तो आप उम्मीद कर सकते हैं, कि आपके लक्षण समय की अवधि तक चलें।

कारण

कई वायरल और जीवाणु एजेंट हैं, जो गले का दर्द का कारण बन सकते हैं। उनमे शामिल है, जैसे-

1. खसरा
2. एडेनोवायरस, जो सामान्य सर्दी के कारणों में से एक है
3. चेचक
4. समूह, जो एक बचपन की बीमारी है जो एक भौंकने वाली खांसी से अलग है
5. काली खांसी
6. समूह ए स्ट्रेप्टोकोकस

वायरस गले के गले का सबसे आम कारण है। गले का दर्द आमतौर पर वायरल संक्रमण जैसे सामान्य सर्दी, इन्फ्लूएंजा, या मोनोन्यूक्लियसिस के कारण होता है। वायरल संक्रमण एंटीबायोटिक दवाओं का जवाब नहीं देते हैं, और इलाज केवल लक्षणों से छुटकारा पाने में मदद के लिए आवश्यक है।

कम आम तौर पर, गले का दर्द जीवाणु संक्रमण के कारण होता है। बैक्टीरिया संक्रमण में एंटीबायोटिक्स की आवश्यकता होती है। गले का सबसे आम जीवाणु संक्रमण स्ट्रिप खराश है, जो समूह ए स्ट्रेप्टोकोकस के कारण होता है। जीवाणु गले का दर्द के दुर्लभ कारणों में गोनोरिया, क्लैमिडिया, और कोरीनेबैक्टीरियम शामिल हैं।

सर्दी और फ्लस के लगातार संपर्क में गले का दर्द के लिए आपका जोखिम बढ़ सकता है। यह स्वास्थ्य देखभाल, एलर्जी, और लगातार साइनस संक्रमण में नौकरियों वाले लोगों के लिए विशेष रूप से सच है। सेकेंडहैंड धुआं का एक्सपोजर आपके जोखिम को भी बढ़ा सकता है।

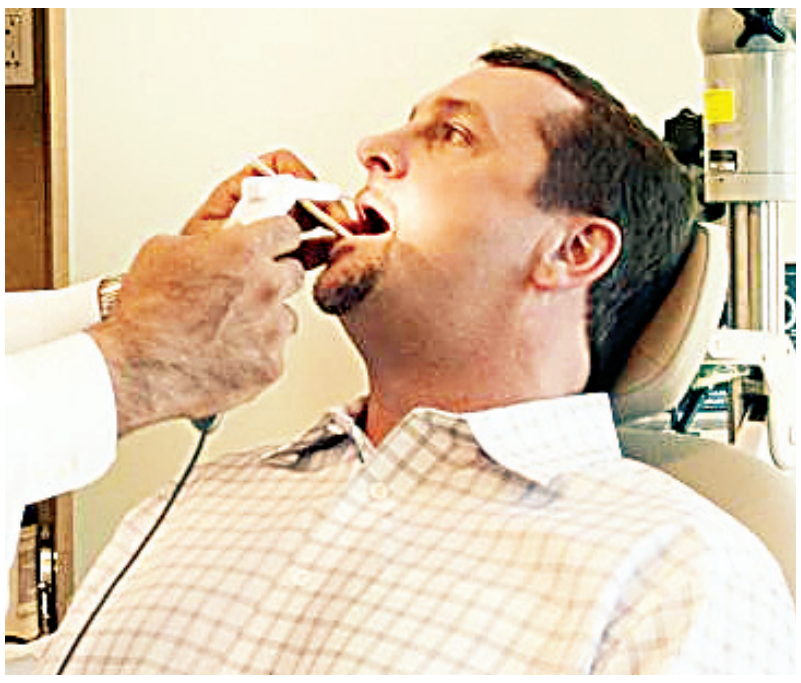

निदान- शारीरिक परीक्षा

यदि आप गले का दर्द के लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं, तो चिकित्सक आपके गले को देखेगा। वे किसी भी सफेद या भूरे रंग के पैच, सूजन, और लाली की जांच करेंगे। चिकित्सक आपके कान और नाक में देख सकता है। सूजन लिम्फ नोड्स की जांच के लिए, वे आपकी गर्दन के पक्ष महसूस करेंगे।

थ्रोट कल्चर

अगर चिकित्सक को संदेह है, कि आपके पास गले में खाराश हैं, तो वे शायद गले की संस्कृति ले लेंगे। इसमें आपके गले से स्राव का नमूना लेने के लिए एक सूती तलछट का उपयोग करना शामिल है। ज्यादातर चिकित्सक कार्यालय में तेजी से लकीर परीक्षण करने में सक्षम हैं। यदि टेस्ट स्ट्रेप्टोकोकस के लिए सकारात्मक है, तो यह परीक्षण कुछ मिनट के भीतर चिकित्सक को बताएगा। कुछ मामलों में, पट्टी को आगे परीक्षण के लिए एक प्रयोगशाला में भेजा जाता है, और परिणाम कम से कम 24 घंटे के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं।

रक्त परीक्षण

अगर चिकित्सक को आपके गले का दर्द का एक और कारण संदेह है, तो वे रक्त परीक्षण का आदेश दे सकते हैं। आपकी बांह या हाथ से रक्त का एक छोटा सा नमूना खींचा जाता है, और फिर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाता है। यह परीक्षण निर्धारित कर सकता है, कि आपके पास मोनोन्यूक्लियोसिस है, या नहीं। यह निर्धारित करने के लिए कि आपके पास एक और प्रकार का संक्रमण है, या नहीं, एक पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी) परीक्षण किया जा सकता है।

इलाज- घर पर देखभाल

यदि कोई वायरस आपकी गले का दर्द पैदा कर रहा है, तो घरेलू देखभाल लक्षणों से छुटकारा पाने में मदद कर सकती है। गृह देखभाल में शामिल हैं, जैसे-

1. निर्जलीकरण को रोकने के लिए बहुत सारे तरल पदार्थ पीना
2. गर्म शोरबा खाना
3. गर्म नमक के पानी के साथ गारलिंग (पानी के 8 औंस प्रति नमक के 1 चम्मच)
4. एक नमी का उपयोग करें
5. जब तक आप बेहतर महसूस न करें तब तक आराम करें

दर्द और बुखार राहत के लिए, एसीटामिनोफेन (टायलोनोल) या इबुप्रोफेन (एडविल) जैसे काउंटर दवा लेने पर विचार करें। गले की लकीरें दर्दनाक, खरोंच वाले गले में सुखदायक भी सहायक हो सकती हैं।

वैकल्पिक उपचार कभी-कभी गले का दर्द के इलाज के लिए उपयोग किए जाते हैं। हालांकि, आपको दवाओं के संपर्कों या अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं से बचने के लिए उनका उपयोग करने से पहले चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले जड़ी बूटियों में से कुछ में शामिल हैं, जैसे

1. मधु लविंग
2. नद्यपान
3. मार्शमैलो रूट
4. साधू
5. रपटीला एल्म।

चिकित्सा उपचार

कुछ मामलों में, गले का दर्द के लिए चिकित्सा उपचार आवश्यक है। यह विशेष रूप से मामला है, यदि यह जीवाणु संक्रमण के कारण होता है। ऐसे मामलों के लिए, चिकित्सक एंटीबायोटिक दवाओं का निर्धारण करेगा। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, एमोक्सिसिलिन और पेनिसिलिन स्ट्रेप गले के लिए सबसे अधिक निर्धारित उपचार हैं। यह महत्वपूर्ण है, कि आप संक्रमण को रोकने या खराब होने से रोकने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का पूरा कोर्स लें। इन एंटीबायोटिक दवाओं का एक पूरा कोर्स आमतौर पर 7 से 10 दिनों तक रहता है।

रोकथाम

उचित स्वच्छता बनाए रखने से गले का दर्द के कई मामलों को रोका जा सकता है।

इससे रोकने के लिए, जैसे-

1. खाना, पेय, और खाने के बर्तन साझा करने से बचें
2. बीमार व्यक्तियों से बचें
3. खासतौर से खाने और खांसी या छींकने से पहले, अपने हाथों को अक्सर धो लें
4. साबुन और पानी उपलब्ध नहीं होने पर शराब आधारित हाथ सेनेटिज़र का उपयोग करें
5. धूम्रपान से बचें और सेकेंडहैंड धुएं को सांस लें

दृष्टिकोण

गले का दर्द के अधिकांश मामलों का सफलतापूर्वक घर पर इलाज किया जा सकता है। हालांकि, कुछ ऐसे लक्षण हैं, जिनके लिए आगे के मूल्यांकन के लिए चिकित्सक की यात्रा की आवश्यकता होती है। आपको चिकित्सक को देखना चाहिए यदि, जैसे-

1. आप एक हफ्ते से अधिक के लिए एक गले में गले में पड़ा है
2. आपको 100.4 डिग्री फ़ारेनहाइट से अधिक बुखार है
3. आपके लिम्फ नोड्स सूजन हो जाते हैं
4. आप एक नया लाल चकत्ते विकसित करते हैं
5. एंटीबायोटिक्स के अपने पूर्ण पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद आपके लक्षण सुधार नहीं होते हैं
6. एंटीबायोटिक्स के अपने पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद आपके लक्षण वापस आते हैं।

सर्दियों में मूंगफली का सेवन करें

मूंगफली सर्दियों की सबसे लोकप्रिय चीज है। इसके सेवन से सेहत बेहतर होती है। इसे सस्ता बादाम भी कहा जाता है क्योंकि इसमें लगभग वो सारे तत्व पाए जाते हैं जो बादाम में होते हैं। मूंगफली की अपनी मीठास होती है, लेकिन कम लोगों को ही पता होगा कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। ज्यादातर लोग तो इसे स्वाद के लिए ही खाते हैं पर इससे होने वाले फायदे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। मूंगफली में पर्याप्त मात्रा में आयरन, कैल्शियम, जिंक और प्रोटीन पाया जाता है, जो शारीरिक वृद्धि के लिए बहुत जरूरी है। अगर आप किसी भी कारण से दूध नहीं पी पाते हैं तो यकीन मानिए मूंगफली का सेवन इसका एक बेहतर विकल्प है।

- इसके अलावा इसे खाने से ताकत मिलती है। ये विटामिन ई और विटामिन बी 6 से भरपूर है.
- मूंगफली में मौजूद तत्व पेट से जुड़ी कई समस्याओं में राहत देने का काम करते हैं। इसके नियमित सेवन से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है.

- मूंगफली खाने से शरीर को ताकत मिलती है। इसके अलावा ये पाचन क्रिया को भी बेहतर रखने में मददगार है।
- गर्भवती महिलाओं के लिए मूंगफली खाना बहुत फायदेमंद होता है। इससे गर्भ में पल रहे बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है।
- ओमेगा 6 से भरपूर मूंगफली त्वचा को भी कोमल और नम बनाए रखती है। कई लोग मूंगफली के पेस्ट का इस्तेमाल फेस पैक के तौर पर भी करते हैं।
- मूंगफली खाने से दिल से जुड़ी बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।
- मूंगफली के नियमित सेवन से खून की कमी नहीं होने पाती है।
- बढ़ती उम्र के लक्षणों को रोकने के लिए भी मूंगफली का सेवन किया जाता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट बढ़ती उम्र के लक्षणों जैसे बारीक रेखाएं और झुर्रियों को बनने से रोकते हैं।
- इसमें कैल्शियम और विटामिन डी की पर्याप्त मात्रा होती है। ऐसे में इसके सेवन से हड्डियां मजबूत बनती हैं।
- मूंगफली खांसी में भी फायदा पहुंचाती है। रोजाना मूंगफली खाने से फेफड़ों को मजबूती मिलती है।

घर में सौभाग्य के लिए लगाएं शमी का पेड़...

शमी के कांटों का प्रयोग तंत्र, मंत्र बाधा और नकारात्मक शक्तियों के नाश के लिए होता है। शमी के फूल, पत्ते, जड़ें, टहनी और रस का प्रयोग शनि संबंधी दोषों को दूर करने के लिए भी किया जाता है। आयुर्वेद में शमी के वृक्ष का प्रयोग गुणकारी औषधि के रूप में भी किया जाता है। पुराणों में भी शमी के वृक्ष का वर्णन देखने को मिलता है। मान्यता है कि लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान राम ने भी शमी के पेड़ की पूजा की थी। हर शनिवार शमी के पत्ते शनिदेव को चढ़ाने से शनि के दोष कम होते हैं।

प्राचीन मान्यता है कि शमी का पेड़ घर में सौभाग्य लाता है। शमी का पेड़ लगाने से उसमें रहने वालों पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा के साथ सुख-समृद्धि भी बनी रहती है। भगवान शिव को शमी के फूल अति प्रिय माने जाते हैं। रोजाना पूजा के वक्त उन्हें यह फूल अर्पित करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और सभी प्रकार के संकटों से दूर रहते हैं। शमी का पेड़ आपको शनि के प्रकोप से भी बचाता है।

शमी के पौधे को घर के ईशान कोण यानी पूर्वोत्तर कोने में लगाना सबसे लाभकारी माना जाता है। इनमें प्राकृतिक तौर पर अग्नि तत्व भी छिपा होता है। न्याय के देवता शनि को प्रसन्न करने के लिए भी शमी के पेड़ का प्रयोग किया जाता है। हर शनिवार को शमी के पेड़ की जड़ के पास सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। वैसे तो शनि के प्रभाव में पीपल का वृक्ष भी आता है। परंतु पीपल के वृक्ष की विशालता के कारण इसे घर के अंदर लगा पाना संभव नहीं हो पाता है। इस कारण आप घर में शमी का पेड़ लगा सकते हैं। शमी के कांटों का प्रयोग तंत्र, मंत्र बाधा और नकारात्मक शक्तियों के नाश के लिए होता है। शमी के फूल, पत्ते, जड़ें, टहनी और रस का प्रयोग शनि संबंधी दोषों को दूर करने के लिए भी किया जाता है। आयुर्वेद में शमी के वृक्ष का प्रयोग गुणकारी औषधि के रूप में भी किया जाता है। पुराणों में भी शमी के वृक्ष का वर्णन देखने को मिलता है। मान्यता है कि लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान राम ने भी शमी के पेड़ की पूजा की थी। हर शनिवार शमी के पत्ते शनिदेव को चढ़ाने से शनि के दोष कम होते हैं।

भगवान शिव और गणेश को हैं प्रिय

मान्यता है कि शमी भगवान शिव और गणेश को भी अति प्रिय है। सोमवार के दिन भगवान शिव का शनि के पत्ते को पुष्प चढ़ाने से लाभ होगा। गृहस्थ लोगों के जीवन में सुख-शांति आती है। वहीं गणेशजी को बुधवार के दिन दूर्वा के साथ आप शमी के पुष्प अर्पित करके लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके घर में कभी पैसों की तंगी नहीं आती और मां लक्ष्मी का वास सदैव बना रहता है। एक मान्यता में यह भी बताया गया है कि पांडवों ने अज्ञातवास के वक्त शमी के पेड़ की जड़ में ही अपने अस्त्र-शस्त्र छिपा दिए थे, इसलिए शमी के पेड़ को इतना महत्वपूर्ण माना जाता है।

उड्डयन उद्योग में भी हैं संभावनाएं

आजकल उड्डयन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में युवाओं के पास इस क्षेत्र में आने के अच्छे अवसर हैं। इस क्षेत्र में अच्छे वेतन के साथ ही कई नौकरियां ऐसी हैं जिनके लिए उच्च शिक्षा की जरुरत नहीं हैं। ऐसे में सामान्य शिक्षा वाले छात्र भी अपना कैरियर बना सकते हैं।

यदि आपका व्यक्तित्व आकर्षक है, हिन्दी और अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ है, आपकी न्यूनतम योग्यता किसी भी विषय से बाहरवीं है, आपकी ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच है और आपकी आयु 17 से 26 वर्ष के बीच है, तो उड्डयन क्षेत्र में आपके लिए अच्छे अवसर हैं। इस कोर्स की एक वर्ष की अवधि होती है। .

ग्राउंड स्टाफ

आम तौर 6 माह से 1 वर्ष तक के डिप्लोमा इन एयरपोर्ट ग्राउंड सर्विस मैनेजमेंट कोर्स में एयरपोर्ट टर्मिनोलॉजी, चेक-इन प्रोसिजर, एयरपोर्ट सिक्योरिटी, कार्गो रूल्स, एयरपोर्ट सिग्नल्स सहित पर्सनेलिटी ग्रूमिंग को शामिल किया जाता है। न्यूनतम योग्यता में 18 से 26 वर्ष तक की आयु और न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी विषय में 12 वीं तक शिक्षा जरूरी है।.

एयर कार्गो मैनेजमेंट

6 माह से 9 माह तक के डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स में आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होते हैं। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12 वीं की शैक्षणिक योग्यता और 18 वर्ष से ऊपर की आयु चाहिए।.

एयर टिकटिंग

इसमें प्रवेश के लिए न्यूनतम 12 वीं की शैक्षणिक योग्यता और 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स,फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा, आदि की ट्रेनिंग दी जाती है।

ट्रैवल एंड टूरिज्म

इस क्षेत्र में प्रवेश करने पर भी आपको एविएशन में बहुत काम मिलेगा। 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसमे बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनको आप अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर चुन सकते हैं।

युद्ध और खतरनाक होगा! लेबनान में 16 सौ ठिकानों पर हमला,मृतकों की संख्या 5 सौ के पार

बेरुत(ईएमएस)। गाजा के बाद अब लेबनान पर इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन हमलों में अब तक 90 महिलाओं और बच्चों समेत अब तक 500 लोगों की मौत हो गई है। जबकि घायलों की संख्या हजारों में हैं। इजरायली हमले में इतनी तबाही मच गई कि लोग जान बचाकर भागते नजर आए। इजरायली सेना ने हमले के बाद बयान में कहा कि उसने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाया। आईडीएफ ने तस्वीरों के साथ बयान जारी किया कि लेबनान में हिजबुल्लाह ने आम लोगों के घरों को अपना शस्त्रागार बनाकर रखा था। सेना पहले ही आम लोगों को चेतावनी दे चुकी थी कि वे

हिजबुल्लाह के ठिकानों से दूर चले जाएं।

इजरायली सेना ने लेबनान को दूसरा गाजा बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को इजरायली सेना ने इतने भीषण हवाई हमले किए कि पूरा लेबनान थर्रा गया। हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 500 पहुंच गई है। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। उधर, हिजबुल्लाह के खिलाफ महायुद्ध का बिगुल फूंक चुके इजरायल ने अपने यहां भी एक हफ्ते की इमरजेंसी जारी कर दी है। इजरायल पर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के भी काउंटर अटैक का खतरा मंडरा रहा है। हमलों के कुछ घंटों बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनानी लोगों से संपर्क किया और उनसे हिजबुल्लाह के लिए मानव ढाल न बनने का अनुरोध किया। नेतन्याहू ने अपने संदेश में कहा कि उनका निशाना हिजबुल्लाह हैं क्योंकि उसने हमारी उत्तरी सीमा में लगातार हमलों से इजरायली लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। उत्तरी सीमा पर रह रहे लोग लगातार पलायन कर रहे हैं। हमारा काम उन्हें फिर से उनका घर देना है। इसके लिए हिजबुल्लाह को मिटाना जरूरी है।

इजरायल में 30 तक इमरजेंसी

हिजबुल्लाह के तेज होते संघर्ष को देखते हुए इजरायल सरकार ने भी देशभर में हफ्तेभर की इमरजेंसी घोषित कर दी है। रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के प्रस्ताव के बाद यह घोषणा की गई। इस निर्णय को होम फ्रंट कमांड को बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर जारी किया गया है। इमरजेंसी आगामी 30 सितंबर तक जारी की गई है। घोषणा में कहा गया है, संघर्ष में हाल के घटनाक्रमों और पूरे देश में नागरिकों पर हमलों की उच्च संभावना के कारण यह निर्णय लिया गया है। वहीं इजरायल ने चेतावनी दी है कि समूह के खिलाफ हमले बढ़ेंगे और लेबनानी नागरिकों को उन क्षेत्रों से भागने की चेतावनी दी गई है जहां ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के हथियार छिपाने की आशंका है। इस बीच ईरान का आरोप है कि इजरायल तेहरान को भड़काने के लिए हमले कर रहा है। ईरान ने इजरायल को अंजाम भुगतने की धमकी दी है।

72 लाख किमी की रफ्तार से आ रहे एस्टेरॉयड्स से क्या होगा धरती का हाल?

वॉशिंगटन(ईएमएस)। नासा हाल ही में धरती के पास आने वाले एस्टेरॉयड्स के कारण अलर्ट मोड में है। इन एस्टेरॉयड्स में से कई बड़े आकार के हैं, लेकिन नासा ने स्पष्ट किया है कि इनसे धरती को कोई खतरा नहीं है। 15 सितंबर को एक 660 फीट लंबा एस्टेरॉयड धरती के पास से गुजरा, लेकिन इससे कोई विनाशकारी प्रभाव नहीं पड़ा।विशेषज्ञों का मानना है कि एस्टेरॉयड्स का धरती के करीब आना एक प्राकृतिक घटना है, लेकिन इससे उत्पन्न होने वाले प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नासा की इस पहल से मानवता को एक नई चेतना मिली है कि हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए। इस प्रकार, नासा अपने मिशनों के जरिए खगोल विज्ञान की नई जानकारी जुटाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि भविष्य में किसी भी संभावित खतरे का सही समय पर सामना किया जा सके।

नासा ने आगामी घटनाओं के बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि 24 सितंबर की रात को दो एस्टेरॉयड, 2020 जीई और 2024 आरओ11, धरती के करीब आएंगे। इनमें से 2024 आरओ 11 का आकार लगभग 120 फीट है और यह धरती के काफी पास से गुजरेगा। हालांकि, इससे टकराने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर, 2020 जीई धरती से लगभग 6 लाख मील की दूरी पर रहेगा। नासा ने कहा कि इन एस्टेरॉयड्स को विशेष दूरबीनों से देखा जा सकेगा।नासा ने यह भी बताया कि 25 सितंबर को एक और एस्टेरॉयड, 2024 आरके 7, धरती के करीब आएगा। इसका आकार लगभग 100 फीट है और इससे भी कोई खतरा नहीं है। लेकिन लगातार बढ़ते एस्टेरॉयड्स के कारण नासा की सतर्कता बढ़ गई है। हाल ही में, 15 सितंबर को एस्टेरॉयड 2024 आरएन 16 धरती के पास से गुजरा, जिससे भयानक शॉकवेव और 16 मेगाटन की ऊर्जा निकली थी। यह घटना अत्यंत दुर्लभ है, जो लगभग 999 वर्षों में एक बार होती है।

सऊदी अरब के राष्ट्रीय दिवस पर राजधानी रियाद में जमकर आतिशबाजी हुई।

पेरिस में फैशन वीक के दौरान एक मॉडल इवा रैम्प पर सफेद रंग के डीप नेक गाउन में अपनी अदायें दिखाती हुई।

एआई को लेकर फोकस कर रहे पीएम मोदी.....जानकर अच्छा लगा : सुंदर पिचाई

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अल्फाबेट और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेक नेताओं को जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। न्यूयॉर्क में पीएम मोदी के साथ सीईओ की गोलमेज बैठक में पिचाई ने कहा कि वह 'डिजिटल इंडिया' विजन के साथ देश को बदलने पर प्रधानमंत्री के फोकस से काफी प्रभावित हुए हैं। पिचाई ने कहा, पीएम मोदी ने हमें भारत में निर्माण और डिजाइन जारी रखने को प्रेरित किया है। हमें अब भारत में अपने पिक्सेल फोन का निर्माण करने

पर गर्व है। पीएम मोदी सचमुच में इस बारे में सोच रहे है कि एआई से भारतीय लोगों को फायदा हो। पिंचई के अनुसार, पीएम मोदी ने उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचे, डेटा सेंटर, बिजली और ऊर्जा आदि में एप्लीकेशन बनाने के बारे में सोचने के लिए चुनौती दी है, ताकि भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सके।

गूगल के सीईओ पिंचई ने कहा, हम भारत में एआई में मजबूती से निवेश कर रहे हैं और हम और भी ज्यादा निवेश करने के लिए तत्पर हैं। गगूल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्र और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में कई कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। प्रौद्योगिकी (टेक) दिग्गज भारत में और अधिक निवेश करने का इरादा रखता है। पिचाई ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हम सभी को भारत के लिए और अधिक करने को कहा है। अब, वे हमसे एआई के साथ भी ऐसा ही करने के लिए कह रहे हैं। वे एआई की क्षमता को समझकर जानते हैं कि यह तकनीक लोगों के जीवन में कैसे सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। इसके लिए उनके पास स्पष्ट दृष्टिकोण (विजन) है।

चिप डिजाइन और विनिर्माण, आईटी और जैव विज्ञान क्षेत्रों के 15 सीईओ के साथ बैठक के बाद, पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा कि उन्हें भारत के प्रति अपार आशावाद देखकर खुशी हुई। इस बीच, पिचाई ने 120 मिलियन डॉलर के 'ग्लोबल एआई ऑपर्च्युनिटी फंड' की घोषणा की। इसका मकसद है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एजुकेशन और ट्रेनिंग, दुनिया भर के समुदायों में उपलब्ध कराया जाए।

मालदीव अब नहीं करेगा भारत के साथ हुए समझौते की जांच

माले (ईएमएस)। मालदीव की सरकार अब भारत के साथ हुए समझौतों की जांच नहीं कराएगी। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने संसद को भारत के साथ हुए समझौतों की जांच करने से रोकने का आदेश दिया है। मुइज्जू ने यह कदम भारत-मालदीव संबंधों में सुधार के बीच उठाया गया है।

चुनाव प्रचार के दौरान मुइज्जू ने पिछली सरकार के समय किए गए समझौतों की समीक्षा करने का वादा किया था, लेकिन अब उन्होंने संसद को इस जांच से रोक दिया है। हाल ही में, भारत ने मालदीव को दिए गए कर्ज की चुकाने की समयसीमा बढ़ा दी है और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बढ़ाई है। रिपोर्ट के अनुसार, मुइज्जू की पार्टी के सांसद अहमद अजान ने 9 जून को संसद की सुरक्षा समिति (241 समिति) के समक्ष भारत के साथ हुए समझौतों की जांच के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। इस पर मुइज्जू की सरकार ने 10 जून

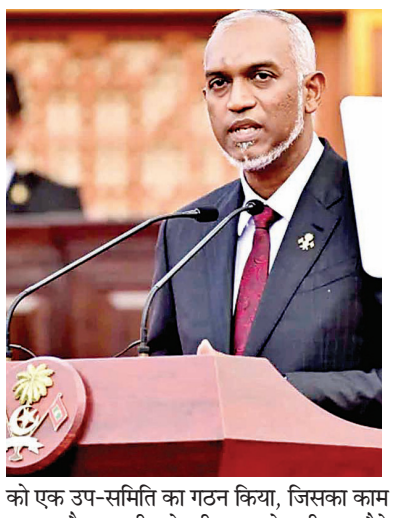

को एक उप-समिति का गठन किया, जिसका काम भारत और मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौते और उथुरु थिला फाल्हू समझौते की जांच करना था। सांसद अजान ने बताया कि मालदीव के लोगों ने मुइज्जू को वोट दिया था ताकि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि समिति को संविधान द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, संसद ने इस मुद्दे पर चर्चा करने में असमर्थता जताई है।

सूत्रों के अनुसार, यह मामला तीन महीने से समिति स्तर पर लंबित है, और कुछ सांसदों का आरोप है कि मुइज्जू के आदेश पर इस मुद्दे को लटकाया गया है। एक सांसद ने बताया कि राष्ट्रपति नाराज हुए थे जब बिना चर्चा के यह मुद्दा उठाया गया। मुइज्जू ने अभी तक भारत से संबंधित किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है। भारतीय हेलीकॉप्टर और डोर्नियर विमान वापस नहीं किए गए हैं, और भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए चर्चा जारी है, लेकिन उनकी जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स कंपनी के सदस्यों को रखा गया है।

अमेरिका के मुस्लिम बाहुल्य शहर के मेयर आमेर ग़ालिब ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन

वाशिंगटन,(ईएमएस)। संयुक्त राज्य अमेरिका के एकमात्र मुस्लिम बाहुल्य शहर हैमट्रैमक के मेयर आमेर ग़ालिब ने राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने का ऐलान किया है। मिशिगन राज्य के हैमट्रैमक शहर का नेतृत्व करने वाले ग़ालिब ने हाल ही में कहा कि, हालांकि उनकी कुछ मुद्दों पर ट्रंप से असहमति है, लेकिन वह उन्हें सिद्धांतों वाले व्यक्ति और सही च्वाइस मानते हैं।

ग़ालिब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि डोनाल्ड ट्रंप और मैं हर मुद्दे पर सहमत नहीं हैं, लेकिन मैं जानता हूं कि वे सिद्धांतों वाले आदमी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ट्रंप की चुनावी जीत की कामना करते हैं, और यह महसूस करते हैं कि वह इस समय के लिए सही च्वाइस हैं। ग़ालिब ने अपने फैसले पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा है, कि नतीजे कुछ भी हों, मुझे अपने फैसले पर पछतावा नहीं होगा और मैं नतीजों का सामना करने के लिए तैयार हूं। ग़ालिब के इस बयान का स्क्रीनशॉट लेते हुए ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा किया है।

कौन हैं ग़ालिब

आमेर ग़ालिब, 17 साल की उम्र में यमन से अमेरिका आए थे। हैमट्रैमक की जनसंख्या लगभग 28,000 है। इस शहर ने 2021 में एक मुस्लिम नगर परिषद और एक मुस्लिम मेयर का चुनाव कर के सुर्खियाँ बटोरी थीं। उन्होंने मिशिगन के फ्लिंट शहर में एक टाउन हॉल में रिपब्लिकन उम्मीदवार से मिलने के एक सप्ताह बाद ट्रंप का समर्थन करने का फैसला लिया। ग़ालिब का ट्रंप को समर्थन एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि उनके इस समर्थन का चुनावी परिणाम पर क्या प्रभाव पड़ता है।

अमेरिका ने चीन से कहा दो टूक- सीमा विवाद में हमेशा भारत के साथ

अमेरिका ने भारत को अपना अहम साझेदार और मित्र बताते हुए चीन को साफ संदेश दे दिया है। कहा है कि सीमा विवाद पर अमेरिका हमेशा भारत के साथ है। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि दोनों ही देश सीमाओं और संप्रभुता व कानून के शासन के सिद्धांत को मानते हैं। गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका का यह सुनिश्चित करने का लंबा इतिहास रहा है कि दुनिया में कहीं भी आक्रामकता को बढ़ावा नहीं दिया जाए। अमेरिका हमेशा चीन के साथ भारत की कूटनीतिक बातचीत का समर्थन करता है।गार्सेटी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को घनिष्ठ मित्र बताया है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और जो बाइडन के बीच घनिष्ठ मित्रता है। मोदी भारतीय इतिहास में अब तक के सबसे अधिक अमेरिका समर्थक प्रधानमंत्री हैं तो वहीं जो बाइडन अमेरिकी इतिहास में अब तक के सबसे अधिक भारत समर्थक राष्ट्रपति हैं। पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के निजी आवास गया। यह गहरी दोस्ती का प्रतीक है।जब गार्सेटी से पूछा गया क्या अमेरिका भारत को चीन का जवाब मानता है तो उन्होंने कहा, हम अभी भारत की कूटनीतिक बातचीत का समर्थन करते हैं। चीन का नाम लिए बगैर गार्सेटी ने बता दिया कि क्वाड की स्थापना क्यों की गई। उन्होंने क्वाड को एक शक्तिशाली समूह बताया। उन्होंने कहा कि क्वाड में चार देश मिलकर दृष्टिकोण निर्धारित करते हैं और सिद्धांतों को साझा कर सकते हैं। क्वाड से इंडो-पैसिफिक में साझा समाधान निकाल सकते हैं। यह समूह उन देशों के विपरीत है जो नियमों के अनुसार नहीं चलना चाहते। कानून के शासन में विश्वास नहीं करते लेकिन मुझे लगता है कि हम इसका समाधान निकालेंगे।

मैकमोहन रेखा को दी मान्यता

गार्सेटी ने कहा कि सीमा पर संघर्ष होने पर हम भारत के साथ खड़े रहे हैं। हमने 1952 से मैकमोहन रेखा को मान्यता दी है। हमारे पास यह सुनिश्चित करने का एक लंबा इतिहास है कि दुनिया में कहीं भी आक्रामकता को पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। गार्सेटी ने आगे कहा कि विशेष रूप से जब चीन की बात आती है तो हम सभी शांतिपूर्ण संबंध रखना चाहते हैं।

जापान में भूकंप के झटके, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो,(ईएमएस)। जापान की धरती एक बार फिर भूकंप के झटकों से थर्रा गई है। इसके बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी किया गया है। यह घटना सोमवार की सुबह हुई, जब मौसम वैज्ञानिकों ने इजू द्वीप के पास 5.6 तीव्रता के भूकंप आना दर्ज किया। भूकंप का केंद्र लगभग सुबह 5 बजे था और इसके बाद ओगासावारा द्वीप पर 3.3 इंच की सुनामी आने की आशंका जताई गई है। जापान, जो चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के शीर्ष पर स्थित है, हर साल लगभग 1,500 भूकंप महसूस करता है, जिनमें से अधिकांश छोटे होते हैं। हाल ही में, पिछले महीने क्यूशु और शिकोकू द्वीपों पर भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी तीव्रता 7.1 मापी गई थी। उस समय तटीय इलाकों में, जैसे मियाजाकी, कोची, इहिमे, कागोशिमा, और आइता, सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था, और समुद्र में 20 सेंटीमीटर ऊँची लहरें देखी गई थीं। जापान के मौसम विज्ञानियों ने नागरिकों को सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। लोगों को भूकंप की तैयारी के लिए पहले से ही प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे आपात स्थिति में बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें। स्थानीय सरकारें भी लोगों को चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भूकंप का केंद्र दूरस्थ द्वीपों पर था, लेकिन इसके प्रभाव से निपटने के लिए जापान सरकार ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। जापान के नागरिकों की सुरक्षा और राहत कार्यों के लिए पूरा तंत्र सक्रिय है। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और स्थिति में सुधार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

क्यों आता है भूकंप

भूकंप का कारण धरती के अंदर टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना, या एक-दूसरे के ऊपर चढ़ना होता है। जब ये प्लेटें एक-दूसरे के करीब आती हैं या दूर जाती हैं, तब धरती हिलती है। भूकंप को मापने के लिए रिक्टर पैमाने का उपयोग किया जाता है, जो 1 से 9 तक की तीव्रता को दर्शाता है। रिक्टर स्केल पर 1 का मतलब बहुत कम तीव्रता है, जबकि 9 अत्यधिक तीव्रता का संकेत देता है।

सीरिया में नई सरकार का गठन, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

दमिश्क (ईएमएस)। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने हाल ही में एक आदेश में नई सरकार के गठन की घोषणा की। आदेश के तहत पूर्व उप विदेश मंत्री बासम अल-सब्बाग को फैसल मेकदाद के स्थान पर विदेश मंत्री बनाया गया। मेकडैड को उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया। जिसे राष्ट्रपति के निर्देशों के तहत विदेश और मीडिया नीति को लागू करने का काम सौंपा गया। सीरिया के सबसे बड़े प्रिंट मीडिया प्रकाशकों में से एक, अल-वहदा प्रिंटिंग एंड पब्लिशिंग ऑर्गनाइजेशन के पूर्व महानिदेशक जियाद घोसौं को नया सूचना मंत्री नामित किया गया। नई सरकार का गठन शनिवार को अल-असद द्वारा जारी एक आदेश के बाद हुआ है। इसमें उन्होंने पूर्व संचार मंत्री मोहम्मद गाजी जलाली को नए प्रधान मंत्री के रूप में नामित किया। उन्हें जुलाई के संसदीय चुनावों के बाद सरकार बनाने का काम सौंपा था। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार 55 वर्षीय जलाली अक्टूबर 2014 से यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगा रखा है।

सुनीता दूसरी बार बनीं स्पेस स्टेशन की कप्तान

वॉशिंगटन(ईएमएस)। लगभग 4 माह से अंतरिक्ष में रह रहीं एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने के प्रयासों के साथ उन्हे आईएसएस यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ चुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं। इससे पहले करीब 12 साल पहले यानी 2012 में एक्सपीडीशन 33 के दौरान विलियम्स ने स्पेस स्टेशन की कमान संभाली थी। स्पेस स्टेशन की कप्तान होने के नाते भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री के पास कई अहम ऑपरेशन और साइंटिफिक रिसर्च का काम संभालेंगी। कार्यक्रम के दौरान विलियम्स ने कहा, एक्सपीडीशन 71 ने हमें काफी कुछ सिखाया है...। आपने मुझे और बुच को अपनाया। जबकि, यह प्लान का हिस्सा भी नहीं था। आपने परिवार की तरह हमारा स्वागत किया। बता दें कि बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आने के कारण विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा लंबी हो गई थी। कहा जा रहा है कि उनकी वापसी फरवरी 2025 तक टल गई है।

सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचाने कानून

सैकरामेंटो (ईएमएस) । कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने एक नया कानून पास किया है. जो नाबालिगों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए बनाया गया है। यह कानून 2027 से लागू होगा. इस कानून मे तकनीकी कंपनियों को निर्देश दिया गया है, कि वह नाबालिगों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट को क्रमवार तरीके से दिखाएं. एल्गोरिद्म द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर सामग्री को दिखाया जाए, जो उनके जुड़ाव को बढ़ाने के लिए हो। कानून में प्रावधान है 18 साल से कम उम्र के बच्चों को स्कूल और सोशल मीडिया की कंपनियां, सोने के निर्धारित समय नोटिफिकेशन नहीं भेज सकेंगी। माता-पिता की सहमति से डिफॉल्ट सेटिंग्स बदली जा सकती हैं। अमेरिका के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य कैलिफ़ोर्निया द्वारा उठाया गया यह कदम टेक कंपनियों के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित करने के उद्देश्य से है। सोशल मीडिया की लत राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती चिंता का हिस्सा है.किशोरों में सोशल मीडिया के उपयोग और इसके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जताई जा रही है। इससे पहले न्यूयॉर्क मे भी इसी तरह का कानून लागू किया था।

श्रीलंका के नये राष्ट्रपति बन रहे मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके क्या भारत से मिलाएंगे हाथ

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी साजिथ प्रेमदासा को हराकर जीत हासिल कर ली है। उनकी इस जीत से पूरी दुनिया चौंक गई है। 56 वर्षीय दिसानायके की जीत ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि अब श्रीलंका किस दिशा में जाएगा। श्रीलंका को तंगहाली से निकालने के दो ही रास्ते हैं। एक भारत जाता है और दूसरा चीन। पिछले वर्षों में श्रीलंका चीन के आर्थिक जाल में फंसा था, जिससे देश गंभीर वित्तीय संकट में घिर गया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या श्रीलंका चीन की छाया से बाहर निकलकर अपने पड़ोसी और सबसे बड़े मित्र भारत की मदद से खुद को मजबूत करेगा।

अब, श्रीलंका की नई नेतृत्व की भूमिका यह तय करेगी कि देश किस प्रकार चीन के प्रभाव से बाहर निकलकर अपने आर्थिक और रणनीतिक हितों को पुनर्निर्धारित करता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अनुरा कुमारा दिसानायके को चुनावी जीत पर बधाई दी और भारत-श्रीलंका के बीच सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा जताई। पीएम मोदी ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि श्रीलंका का भारत की पड़ोस प्रथम नीति और विजन सागर में विशेष स्थान है और वह दोनों देशों के बहुआयामी सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।दिसानायके ने पीएम मोदी के बधाई संदेश का उत्तर देते हुए भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने लिखा कि हम साथ मिलकर अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं निभाएगा।

जोड़ों की बिमारी से बचना है तो रखें इन बातों का ध्यान

आलसी व्यक्ति जो खाना खाने के बाद श्रम नहीं करते हैं उन्हें भी गठिया की शिकायत हो सकती है। वसायुक्त भोजन अधिक मात्रा में खाने से भी गठिया रोग हो सकता है। जिन लोगों को अजीर्ण की समस्या रहती है और अधिक मात्रा में खाना खाते हैं, इस वजह से भी गठिया रोग हो सकता है। वैदिक आयुर्वेद के अनुसार दूषित आम खाने की वजह से भी गठिया रोग हो सकता है।

उम्र बढ़ने के साथ ही जोड़ों की बिमारी गठिया होने की आशंका बढ़ जाती है। आधुनिक चिकित्सा के अनुसार खून में यूरिक एसिड की अधिक मात्रा होने से गठिया रोग होता है। जैसे जैसे उम्र बढ़ती है गठिया की समस्या भी बढ़ती चली जाती है। भोजन में शामिल खाघ पदार्थों के कारण जब शरीर में यूरिक एसिड अधिक मात्रा में बनता है तब गुर्दे उन्हें खत्म नहीं कर पाते और शरीर के अलग- अलग जोड़ों में में यूरेट क्रिस्टल जमा हो जाता है। और इसी वजह से जोड़ों में सूजन आने लगती है तथा उस सूजन में दर्द होता है।

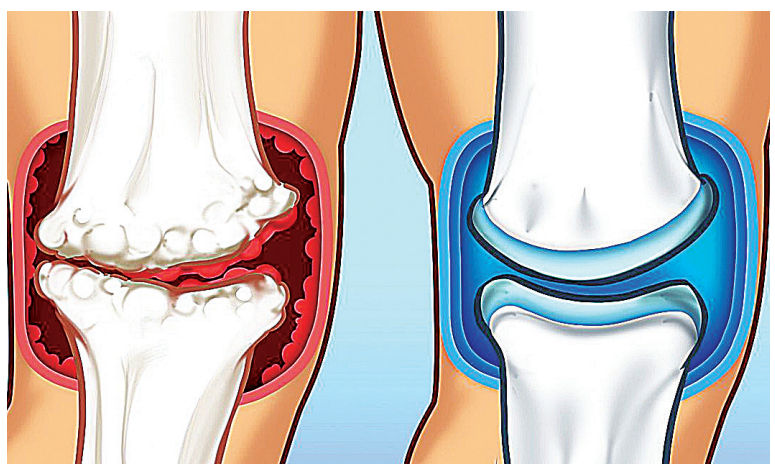

गठिया रोग का कारण-

- फास्ट फूड, जंक फूड और डिब्बाबंद खाना खाने से भी गठिया रोग हो सकता है।
- ज्यादा गुस्सा आने की प्रवृति और ठंठ के दिनों में अधिक सोने की आदत से भी गठिया हो सकता है।
- आलसी व्यक्ति जो खाना खाने के बाद श्रम नहीं करते हैं उन्हें भी गठिया की शिकायत हो सकती है।
- वसायुक्त भोजन अधिक मात्रा में खाने से भी गठिया रोग हो सकता है।
- जिन लोगों को अजीर्ण की समस्या रहती है और अधिक मात्रा में खाना खाते हैं, इस वजह से भी गठिया रोग हो सकता है।
- दूषित आम खाने की वजह से भी गठिया रोग हो सकता है।

गठिया रोग का लक्षण-

- गठिया के लक्षण पैरों और हाथों की उंगलियों में सूजन के रूप में देखे जाते हैं। गठिया के शुरूवाती दौर में शरीर के जोड़ों वाले हिस्सों में दर्द होने लगता है, और हाथ लगाने से भी दर्द होता है।
- गठिया के रोगियों को बुखार और कब्ज के साथ सिर दर्द भी होता रहता है।
- जोड़ों में अधिक सूजन और पीड़ा होना।
- गठिया रोग में रोगी को अधिक प्यास लगती है।
- गठिया रोग में हाथ-पांवों में छोटी-छोटी गांठें बन जाती है और इलाज में देर होने से यह गंभीर रूप ले सकती है।
- गठिया रोग का इलाज संभव है बस इन बातों पर आप ध्यान दें

गठिया रोग का घरेलू उपचार-

- अपने खान-पान पर नियंत्रण रखते हुए घरेलू चिकित्सा को अपनाने से गठिया रोग में लाभ मिलता है।
- रोज 1 से 2 हरड़ कूटकर उसका चूर्ण बनाकर इसे गुड़ के साथ खाएं।
- गिलोय का रस पीने से गठिया रोग में सूजन और दर्द दूर होता है।
- देसी घी के साथ गिलोय का रस लेने से गठिया से मुक्ति मिलती है।
- एरंड तेल के साथ गिलोय का रस लेने से गठिया खत्म होती है।
- तिल को तवे पर भूनने के बाद दूध के साथ पीसकर लेप बनायें और उसे गठिया से होने वाली सूजन पर इसका लेप लगाने से सूजन और दर्द में राहत मिलती है।
- अलसी को दूध में पीसकर गठिया की सूजन से प्रभावित हिस्सों में लगाने से सूजन और दर्द में लाभ मिलता है।
- गठिया से प्रभावित लोग यदि समुद्र में स्नान करें तो उन्हें गठिया से राहत मिल सकती है।
- जैतून के तेल की मालिश करने से गठिया के दर्द में राहत मिलती है।
- अदरक के सेवन से भी गठिया रोग कम होता है।

पानी को सेवन करना

- जिन लोगों को गठिया की शिकायत रहती है। वे पानी का सेवन ज्यादा करें। पानी पीने से गठिया का दर्द ठीक हो जाता है।

एलोविरा रस

गठिया के दर्द से निजात पाने के लिए आप एलोविरा को छीलकर उसके जेल को दर्द वाली जगह पर लेप करें। इससे आपको दर्द में राहत मिलेगी।

आलू का रस

- आलू का रस गठिया रोग की रोकथाम के लिए बेहद लाभदायक होता है।
- रोज खाना खाने से पहले कम से कम दो आलूओं का रस निकालकर पीएं।

लहसुन का सेवन

- लहसुन गठिया की समस्या में फायदेमंद होता है • लहसुन को अपने खाने में जरूर शामिल करें। लहसुन को भून कर भी खाने से गठिया का दर्द ठीक हो जाता है।

40 साल के बाद महिलाओं में बढ़ जाता है फायब्रॉइड का खतरा

अधिक वजन वाली महिलाओं को 40 साल के बाद गर्भाशय (यूट्रस) में फायब्रॉइड (एक प्रकार की गठान होने) का खतरा बढ़ जाता है। शुरुआत में रोग के लक्षण नहीं दिखते। मुख्य रूप से लक्षण फायब्रॉइड के आकार, संख्या या वह गर्भाशय की किस दीवार पर है इसपर निर्भर करते हैं।

गर्भाशय की मांसपेशियों में वृद्धि होकर गांठ का रूप लेने को ही यूट्रस फायब्रॉइड कहा जाता है। ज्यादातर मामलों में ये गांठें कैंसर की नहीं होती हैं पर कुछ मामलों में ये कैंसर में बदल सकती हैं। सोनोग्राफी से गांठ के आकार व जगह का पता चलता हैं।

जगह के अनुसार माहवारी अधिक या इस दौरान रक्त के ज्यादा थक्के निकलना जैसे समस्या होती है। खून की कमी से थकान व कमजोरी रहती है। यूरिन संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

कारण

हार्मोन्स में गड़बड़ी फायब्रॉइड की मुख्य वजह है। विशेषकर अधिक वजन, अधिक उम्र, गर्भनिरोधक दवाएं लेने व गर्भवती महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन ज्यादा स्त्रावित होने से फायब्रॉइड बनने लगाता है। गंभीर स्थिति में किडनी में सूजन आ जाती है।

उपचार

40 से अधिक उम्र की जो महिलाएं बच्चा चाहती हैं उनमें इस गांठ को निकाल देते हैं। वहीं, अधिक उम्र में यूट्रस को पूरी तरह से बाहर निकालना एक विकल्प है। आयुर्वेद में लक्षणों के साथ गांठ के आकार को बढने से रोकने पर इलाज होता है। इसके लिए रोगी को जौ का दलिया, सत्तू व रोटी, शाली चावल घी संग खीर बनाकर, गुलाब की पंखुडियां या धागामिश्री खाने को देते हैं। शोधन चिकित्सा में वमन, विरेचन कराते हैं। इमरजेंसी में जब महिला को सामान्य से अधिक ब्लीडिंग हो तो हेमामिलिस, कार्बोनेज दवा अन्य लक्षण, रोगी की स्थिति व गांठ की जगह देखकर देते हैं। गर्भधारण के अलावा जिनकी फैलोपियन ट्यूब के नजदीक, ग्रीवा के मुंह पर यदि फायब्रॉइड हैं तो इंफर्टिलिटी का खतरा रहता है। गर्भावस्था के साथ यदि फायब्रॉइड हों तो गर्भपात होने की आशंका रहती है। गर्भावस्था के दौरान ये फायब्रॉइड शिशु की सामान्य पोजिशन को भी बदल देती हैं। लंबे समय तक नजरअंदाज करने पर तेज दर्द हो सकता है और महिला कोमा में जा सकती है।

प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र में सेवा के साथ पाएं रोजगार

एक प्राकृतिक चिकित्सक का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि उसके खानपान और उसके जीवनशैली में भी बदलाव लाना है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, उसे मनोविज्ञान का भी कुछ ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की मानसिक हालत को समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

अगर आप भी प्राकृतिक तरीके से इलाज करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी (प्राकृतिक चिकित्सा) में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

इस क्षेत्र में व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, बेहतर संवाद के साथ ही संयम होना चाहिये ताकि मरीज की जरूरतों को समझते हुए उसका मनोबल भी बढ़ा सकें। आपमें रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

कैसे होता है उपचार

एक प्राकृतिक चिकित्सक का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि उसके खानपान और उसके जीवनशैली में भी बदलाव लाना है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, उसे मनोविज्ञान का भी कुछ ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की मानसिक हालत को समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में आ रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी करने के साथ ही एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूट्रिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में भी अवसर तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी नौकरी मिल सकती है। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
हिमालयन यूनिवर्सिटी, इंटानगर।

मोबाइल एप के विकास में सुनहरा भविष्य

आज कल दुनिया के अधिकतर लोग मोबाइल इस्तेमाल कर रहे हैं। इस व्यस्त जीवनशैली में लोगों के पास समय की भारी कमी रहती है। कई कामों के लिए अलग-अलग समय निकालना मुश्किल है, इसलिए लोग अब चाहते हैं कि उन्हे अधिक से अधिक चीजें मोबाइल पर उपलब्ध हो जाए। जिससे वह अपने खाली वक्त उन जरूरी कामों को निपटा सकें। आवश्यक कार्यों के अतिरिक्त लोग अपने मोबाइल पर क्रिकेट स्कोर, वीडियो, मूवी आदि भी देखना पसंद करते हैं। वक्त के साथ लोगों की जरूरतें बढ़ती जा रही है। आने वाले दिनों में लोग अपने अन्य कई सारे कार्य और शौक मोबाइल पर ही पूरा करना पसंद करेगें। सूचना तकनीक के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से संबंधित विशेषज्ञों के मुताबिक मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने का काम आने वाले वर्षों में पहले पायदान पर होगा। सूचना तकनीक के क्षेत्र में मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने के काम में बहुत बड़ी खाई दिख रही है। जॉब के मुकाबले काम करने वाले प्रतिभावान लोगों की कमी है। एक अध्ययन के मुताबिक यह करियर 2020 तक बढना जारी रहेगा। मोबाइल एप से ग्राहकों को सूचनाओं, मनोरंजन, अपने कामकाज, शिक्षा, खरीददारी, मेलजोल आदि के लिए संपर्क में रहने का नया और सबसे बेहतरीन तरीका मिलता है। ये एप या तो बेचे जाते हैं या फिर एप्पल के एप स्टोर या फिर एनड्रॉइड गूगल प्ले जैसे वर्चुअल मार्केट से मुफ्त में प्राप्त किए जा सकते हैं। लम्बे वक्त से स्थापित संस्थान जो क्रेताओं तक तुरंत पहुंचना चाहती हैं या फिर नवोदित कम्पनियां जो नए बाजार का एक हिस्सा हथियाना चाहती हैं, सभी को एप विकसित करने वालों की जरूरत होती है जिससे कि ग्राहकों से सीधे जुड़ने का एक इंटरफेस बना सकें जो उन्हें सफल बनाए।

हालांकि बहुत से एप बनाने वाले लोग कम्पनियों के कर्मचारियों के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन कुछ उद्यमी होते हैं जो एप्पल जैसी हार्डवेयर बनाने वाली कम्पनियों के इस प्रयत्न का फायदा उठाते हैं कि प्रोग्राम डिजाइन का बल लोगों तक पहुंचे। नए किस्म के एप बनाने वालों को यह ओपन सॉर्स माडल प्रोत्साहित करता है। इसके लिए सरलता से उपयोग में आ सकने वाले साफ्टवेयर डिवैल्पमैंट किट का प्रयोग होता है। इसके अतिरिक्त अपने खुद के एप लिखने वालों के लिए सपोर्ट फोरम भी होते हैं इसलिए कोई बड़े विचार वाला व्यक्ति कम संसाधन होने के बावजूद अपने वक्त और प्रतिबद्धता के बल पर अकेले ही कार्य कर सफल एप विकसित कर सकता है।

रोज 5 मिनट की धूप से दूर होगा टीबी का खतरा

देश में टीबी के बैक्टीरिया से हर दूसरा व्यक्ति संक्रमित है। इसका मतलब यह नहीं कि उसे टीबी है, लेकिन खतरा जरूर है। इससे बचने के लिए दिन में कम से कम पांच मिनट तक लगातार धूप लेनी चाहिए। लखनऊ में हो रहे इंडिया इंटरनैशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) के हेल्थ कॉन्क्लेव में किंग्स जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के रेस्पिरेटरी मेडिसिन के हेड डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि धूप से टीबी के बैक्टीरिया मर जाते हैं। डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य है। देश में अभी इसके करीब 32 लाख मरीज हैं। इनमें 11 लाख की पहचान नहीं है। वहीं, प्रदेश में करीब 7.5 लाख मरीज हैं। उन्होंने बताया कि टीबी से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है कि मास्क लगाकर चलें या गमछा बांध लें। फार्माकॉलजी विभाग के डॉ. आरके दीक्षित ने लत यानी अडिक्शन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि घर से कीमती चीजें गायब हो रही हों, बच्चे के कमरे या बाथरूम से सीरिंज, सिगरेट की चमकीली फॉइल मिले तो सावधान हो जाना चाहिए। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी बच्चे की गतिविधियों पर नजर रखें।

3 महीने पर करें रक्तदान

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की हेड डॉ. तूलिका चंद्रा ने बताया कि हर तीसरे महीने पर रक्तदान करना चाहिए। इससे ब्लड की मोबिलिटी बढ़ जाती है और हार्ट अटैक का खतरा पांच फीसदी तक कम हो जाता है।

बुमराह को खेलना कभी भी आसान नहीं होता : स्मिथ

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। स्मिथ ने कहा कि गेंद नई हो या पुरानी बुमराह को खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनका गेंदबाजी कौशल काफी अच्छा है। साथ ही कहा कि अभी के समय में बुमराह सभी प्रारुपों में नंबर एक तेज गेंदबाज हैं। ऐमें वह नवंबर-दिसंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत ने पिछली दो सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती हैं। इस

बार भी अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो बुमराह को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। ।

स्मिथ ने कहा, वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, चाहे मैं नई गेंद से, थोड़ी पुरानी गेंद से या पुरानी गेंद से उनका सामना करूं। उनको खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनके पास सभी तरह के कौशल हैं। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो तीनों ही प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है। डेविड वार्नर के संन्यास क बाद से ही स्मिथ ने पिछली कुछ सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में पारी की शुरुआत की है और ऐसे में वह भारत के खिलाफ सीरीज में भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। इस कारण पारी की शुरुआत में ही बुमराह से उनका सामना होगा। 109 टेस्ट खेल चुके स्मिथ का लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर इस सीरीज में 10,000 रनों का आंकड़ा पार करना रहेगा। उन्होंने अब तक 9685 रन बनाए हैं। दूसरी ओर बुमराह ने जनवरी 2018 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 मैचों में 20.51 की औसत से अब तक 164 विकेट लिए हैं।

बुमराह के सबसे फिट क्रिकेटर वाले बयान के बचाव में आये अश्विन

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बचाव में सामने आये हैं। बुमराह ने हाल में कहा था कि वह सबसे फिट क्रिकेटर हैं। इसी के बाद लोगों ने बुमराह की आलोचना करते हुए कहा था कि उन्हें विराट कोहली का नाम लेना चाहिये था। वहीं इसी को लेकर अश्विन ने कहा कि किसी क्रिकेटर से सवाल पूछना और फिर उसके जवाब से सभी को खुश करने की उम्मीद रखना सही नहीं है। अश्विन ने कहा कि आज बुमराह आधुनिक युग के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक हैं। बुमराह ने एक
प्रमोशनल इवेंट में भारत के सबसे फिट क्रिकेटर वाले सवाल पर अपना ही नाम लिया था। इसपर कुछ प्रशंसकों ने आपत्ति जताई और यहां तक कहा कि उन्हें विराट का नाम लेना चाहिए था। इसी को लेकर अश्विन ने कहा कि बुमराह अपनी लंबे समय से चली आ रही पीठ की चोट की चिंताओं से उबरकर सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गया है और लगातार 145 किलोमीटर प्रति घंटे और उससे अधिक की गति से गेंद फेंक रहा है।

अश्विन ने कहा, आप इस मामले को किसी कारण से खींच रहे हैं। बुमराह एक तेज गेंदबाज हैं जो चिलचिलाती गर्मी में 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। वह कड़ी मेहनत करते हैं। साथ ही कहा कि बुमराह जो कहना चाहते हैं, उन्हें कहने दें, बस उसे स्वीकार करें। मीडिया ने बुमराह से सवाल किया था जिसका उन्होंने जवाब दिया पर इसपर क्यों आपत्ति जतायी जा रही है। अश्विन ने स्वीकार किया कि विराट सबसे फिट क्रिकेटरों में से एक हैं और इस बात पर जोर दिया कि एक तेज गेंदबाज और बल्लेबाज की तुलना करना भी सही नहीं है।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में विराट, अश्विन और जडेजा बना सकते हैं कई रिकार्ड

कानपुर (ईएमएस)। यहां 27 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम तैयार है। चेन्नई टेस्ट में 280 रनों की बढ़ी जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में उसका लक्ष्य दूसरे टेस्ट को भी जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश टीम भी ये मैच जीतकर सीरीज बराबर करने के प्रयास करेगी। कानपुर में भारतीय टीम के कई खिलाड़ी रिकार्ड बना सकते हैं। अगर भारतीय टीम कानपुर टेस्ट जीतती है, तो वो टेस्ट की चौथी सबसे सफल टीम बन सकती है। भारतीय टीम ने अब तक 580 में से 179 मुकाबले जीत लिए हैं, इतने ही टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने भी जीते हैं। कानपुर टेस्ट जीतकर भारत, दक्षिण अफ्रीका से आगे निकल जाएगा। वहीं व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बात करें तो, कानपुर में महज 35 रन बनाते ही विराट 27 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। उनके नाम दो रिकॉर्ड और जुड़ सकते हैं। कोहली 9,000 टेस्ट रन के करीब हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें एक एक बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी। साथ ही, विराट कोहली के नाम 114 टेस्ट में 29 शतक हैं। वे बांग्लादेश के खिलाफ एक भी शतक लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन के 52 टेस्ट में 29 शतक के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक के मामले में वह राहुल द्रविड़ से भी आगे निकल सकते हैं। द्रविड़ के नाम 48 इंटरनेशनल शतक हैं। जबकि रोहित के नाम भी कुल 48 शतक हैं। अगर वो बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलते हैं, तो वो द्रविड़ को पीछे छोड़ सकते हैं। वहीं कानपुर में 9 विकेट लेकर स्पिनर आर अश्विन, नाथन लायन से आगे निकल सकते हैं। लायन के नाम (129 टेस्ट में 530 विकेट), जबकि अश्विन के नाम 101 टेस्ट में 522 विकेट हैं। इसके साथ ही अश्विन के निशाने पर और भी कई बड़े रिकॉर्ड होंगे। वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट के करीब। कानपुर में एक और विकेट लेते ही वो टेस्ट में 300 विकेट पूरे कर लेंगे।

बीजिंग में चीन ओपन में खेलती हुई बेलारुस की आर्यानका सबालेंका।

क्रिकेट के अलावा विज्ञापन से भी करोड़ों की कमाई करते हैं पंड्या

मुम्बई (ईएमएस)। क्रिकेट के मैदान पर अपने जुनून के कारण छाये रहने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या कमाई के मामले में भी पीछ नहीं हैं। वह करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं जबकि क्रिकेटर बनने से पहले वह बेहद कठिन हालातों से गुजरे हैं। वह देश के सबसे धनी क्रिकेटर्स की सूची में शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंड्या की वर्तमान में कुल संपत्ति लगभग 11.4 मिलियन डॉलर तकरीब 95 करोड़ से ज्यादा है।

उनकी महीने की आय ही 1.5 करोड़ रुपये है। पंड्या की मोटी कमाई क्रिकेट से मिलने वाली मैच फीस, अनुबंध राशि के अलावा विज्ञापनों और सोशल मीडिया से होती है। वह कंई कंपनियों के ब्रांड प्रमोशन से भी जुड़ें हैं। वह बोट, सिन डेनिम, गल्फ ऑयल इंडिया, ड्रीम 11, एमेजॉन एलेक्सा, रिलायंस रिटेल और एसजी क्रिकेट जैसे कई ब्रांड से जुड़े हुए हैं। इन कंपनियों से वह विज्ञापन के जरिए करोड़ों कमाते हैं। पंड्या ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। जिस तरह से पंड्या ने टीम में आते ही अपनी जगह बना ली, उसी तरह उनकी नेट वर्थ भी तेजी से बढ़ी। उनका यहां तक का सफर हालांकि आसान नहीं रहा है। पंड्या को एकदिवसीय और टी20 मैच खेलने के लाखों मिलते हैं जबकि आईपीएल में गुजरात टाइटंस के जब वो कप्तान थे तब उनका वेतन 15 करोड़ था। अभी वह इससे अधिक रकम में मुंबई इंडियंस टीम के कप्तान हैं। पंड्या ने साल 2016 में वडोदरा में करीब 6000 वर्ग फीट का घर लगभग 3.6 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा पंड्या के पास लग्जरी गाड़ियों में रॉल्स रॉयस, लेंबोर्गिनी हुराकन ईबीओ, पोर्श केयेन, ऑडी ए6, रेंज रोवर वोग, जीप कंपास, मर्सिडीज जी वैगन और टोयोटा इटियोस है।

शाकिब का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

चेन्नई (ईएमएस)। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर मे होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि शाकिब की अंगुली में लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। शाकिब के फिट नहीं होने से बांग्लादेश के खेम में चिंन्ता की लहर है। इसका कारण है कि शाकिब एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चयनकर्ता हनन सरकार ने कहा कि वह डॉक्टर की निगरानी में हैं और कानपुर में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में उनकी फिटनेस की समीक्षा के बाद होगा। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय शाकिब को जसप्रीत बुमराह की गेंद लग लगी थी। हनन ने कहा अभी हमारे पास दो दिनों का समय है। इसमें देखते हैं क्या होता है। उनके चयन को लेकर हम विचार करने और फिटनेस देखने के बाद भी फैसला करेंगे।हम जानते हैं कि उनके हाथ की चोट को लेकर चर्चा हो रही है. मैच से पहले ऐसा नहीं था। फिजियो ने उन्हें पहले टेस्ट मैच में उतरने के लिए सौ फीसदी फिट घोषित किया था।'

डेविस कप टेनिस के लिए स्पेन ने नडाल और अल्काराज़ को शामिल किया

मैड्रिड (ईएमएस)। स्पेन ने अगले माह होने वाले डेविड कप टेनिस के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसमें स्टार खिलाड़ियों राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज़ को भी शामिल किया है। स्पेन को 19 से 24 नवंबर के बीच मलागा में नीदरलैंड्स के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेलना है। वहीं इटली टीम की कमान विश्व नंबर 1 जानिक सिनर संभालेंगे। सिनर 2012-13 के बाद से अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का प्रयास करेंगे। स्पेन की टीम पर इस मुकाबले में सभी की नजरें रहेंगी। नडाल, जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के बाद से खेल नहीं खेला है, और यूएस ओपन तथा लेवर कप से नाम वापस ले लिया था। वहीं दूसरी ओर अल्काराज़ ने इस सत्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीते हैं और वह अच्छी लय में हैं। अर्जेंटीना की टीम में सेबस्टियन बाएज़, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और टॉमस मार्टिन एटचेवरी जैसे अच्छे खिलाड़ी शामिल हैं। डेविस कप में दो अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला होगा। अमेरिका की टीम में टेलर फ्रिट्ज़, टॉमी पॉल और बेन शेल्टन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल रहेंगे। वहीं जर्मनी और कनाडा के बीच मुकाबला भी कठिन होगा। जर्मनी की टीम का नेतृत्व जान-लेनार्ड स्ट्रफ करेंगे, जबकि कनाडा की टीम में फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और डेनिस शापोवालोव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

डेविस कप कास कार्यक्रम इस प्रकार है

क्वार्टर फाइनल मुकाबले 19-21 नवंबर
सेमीफाइनल 22-23 नवंबर
फाइनल 24 नवंबर.

मयंक को ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करते देखना चाहत हैं बासित

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आज उसके पास निरंतर कई नई प्रतिभाएं आ रही हैं। बासित ने कहा कि वह भारत के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। पाक क्रिकेटर ने कहा कि 2024 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में मयंक नाम का एक और तेज गेंदबाज सामने आया। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। युवा तेज गेंदबाज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और आईपीएल 2024 की

सबसे तेज और टूर्नामेंट के इतिहास की चौथी सबसे तेज गेंद फेंकी।

अपनी तेज गति के साथ मयंक ने लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर सबको हैरान कर दिया। बासित अब मयंक को भारतीय टीम के लिए खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं। बासित ने कहा, मयंक यादव की गेंद बहुत खतरनाक है। उनका बाउंसर सटीक है। मैं उन्हें ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच खेलते देखना चाहता हूं।

मयंक को नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली आगामी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) श्रृंखला के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया है। बासित के अनुसार आज जसप्रीत बुमराह सहित भारतीय टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण दिग्गज वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस की तरह गेंदबाजी कर रहा है। बासित ने कहा, भारतीय गेंदबाजी इकाई इतनी प्रभावशाली हो गयी है कि वे वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस जैसे तेज गेंदबाजों के बराबर हैं। उसके गेंदबाज स्थापित मुख्य खिलाड़ी बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं, वहीं उभरते युवा तेज गेंदबाज अवसर मिलते ही अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

आईएसएल जीतने के पूरे प्रयास करेगी : विक्रम

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुंबई सिटी एफसी के फॉरवर्ड विक्रम प्रताप सिंह का कहना है कि उनकी टीम इस बार ट्रॉफी जीतने के लिए पहले से अधिक प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा, हम पिछली बार से ज्यादा उत्साहित और प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि जब आप मुंबई सिटी एफसी जैसे क्लब के लिए खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि जीतना है। हमारे लिए ड्रॉ हार के समान है और हर कोई इसी मानसिकता के साथ खेलता है। उन्होंने माना कि इस समय टीम कठिन हालातों का सामना कर रही है। उसे इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप में अपने शुरुआती दो मैचों में ड्रॉ और हार का सामना पड़ा है। विक्रम चार साल पहले अक्टूबर 2020 में मुंबई सिटी एफसी में शामिल हुए थे पर साल 2023/24 सीजन उनके लिए अच्छा रहा। इस फॉरवर्ड ने इस सत्र में 20 मैच खेलकर सात गोल किये।

ग्वालियर में भारत-बांग्लादेश टी20 मैच का हो रहा विरोध

ग्वालियर (ईएमएस)। ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले टी-20 क्रिकेट मैच का विरोध शुरु हो गया है। अखिल भारत हदिू महासभा ने कहा है कि इस मैच को नहीं होने दिया जाएगा। अखिल भारत हिंदू महासभा के उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने कहा, हिंदू महासभा ने 14 अगस्त को घोषणा की थी कि अगर भारत बांग्लादेश का मैच यहां होगा तो विरोध होगा। महासभा का कहना है कि बांग्लादेश में हदिुओं के साथ अत्याचार हो रहा है। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है इसलिए हम यहां पर मैच नहीं होने देंगे। साथ ही कहा कि ग्वालियर में जब मैच खेलने के लिए बांग्लादेश की टीम आएगी, तो हम विरोध करेंगे। भारत ओर बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद 3 टी-20 मैच खेले जाने हैं और इसी का पहला मैच ग्वालियर में रखा गया है। जिसके लिए टिकट भी बुक हो गये हैं पर अब इसके आयोजन में बाधा आ रही है।

तेज गेंदबाजों के इस विशिष्ट क्लब में शामिल एकमात्र स्पिनर हैं अश्विन

मुम्बई (ईएमएस)। विश्व क्रिकेट में करीब एक दर्जन गेंदबाज ऐसे भी हैं जिन्होंने मैच के की पहली और अंतिम गेंद पर विकेट लिया हैं। इसमें एक स्पिनर को छोड़कर बाकि सभी तेज गेंदबाज हैं। एंडी रॉबर्ट्स , पेड्रो कॉलिंस और डेल स्टेन जैसे तेज गेंदबाजों के इस क्लब मे शामिल ये स्पिनर और कोई नहीं भारतीय टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन हैं। अश्विन ने चेन्नई में 5 फरवरी 2021 को इंग्लैंड की दूसरी पारी में गेंदबाजी करते हुए पहले ओवर की पहली ही बॉल पर रॉरी बर्न्स को आउट किया और अंतिम गेंद पर 10वें विकेट के तौर पर उतरे जेम्स एंडरसन को पेवेलियन भेजा था। वहीं सबसे पहले ये कारनामा वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज

बॉलर एंडी रॉबर्ट्स ने किया था। उन्होंने दिसंबर 1974 में भारत के खिलाफ कलकत्ता टेस्ट में पारी की पहली और अंतिम गेंद पर विकेट लिया था। वहीं वेस्टइंडीज के ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज पेड्रो कॉलिंस ने 3 बार पहली और अंतिम गेंद पर विकेट लिया है। उन्होंने तीनों ही बार बांग्लादेश के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की और इस दौरान उनकी पहली बॉल पर आउट होने वाला बल्लेबाज भी एक ही था।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन के नाम दो बार ये उपलब्धि है। इस प्रकार के गेंदबाजों की सूची में भारतीय स्पिनर आर अश्विन का शामिल होना बड़ी बात है क्योंकि पारी का पहला ओवर अधिकतर तेज गेंदबाज ही फैंकते हैं। इस कारण अश्विन के अलावा सूची में सभी तेज गेंदबाज शामिल हैं।कॉलिंस शुरुआत में फुटबॉल खेलते थे लेकिन बाद में उन्होंने कैरेबियन द्वीप के उस दौर के अन्य युवाओं की तरह क्रिकेट को चुना। अच्छी गति से गेंदबाजी करने के साथ ही वे स्विंग कराने में भी माहिर थे, इस कारण दिग्गज बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना आसान नहीं होता था. इसके बावजूद फिटनेस कारणों से कॉलिंस का करियर लंबा नहीं चल सका और 1999 से 2006 के बीच 32 टेस्ट व 30 एकदिवसीय ही वे खेल सके। कॉलिस ने सबसे पहले बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर 2002 के ढाका टेस्ट में पारी की पहली और आखिरी बॉल पर विकेट लिया। इसके बाद 2004 में सेंट लूसिया और किंग्स्टन टेस्ट में ऐसा किया। ढाका टेस्ट में कॉलिंस ने पहली ही गेंद पर हन्नान सरकार को बोल्ड कर दिया। पारी का आखिरी विकेट भी इनामुल हक के रूप में कॉलिंस के ही मिला। वर्ष 2004 में बांग्लादेश टीम के इंडीज दौरे के दो टेस्ट में कॉलिंस ने फिर इस कारनामे को दोहराया। सेंट लूसिया के पहले टेस्ट में उन्होंने फिर मैच और पारी की पहली गेंद पर हन्नान सरकार को पेवेलिया भेजा। कॉलिंस ने 10वें विकेट के रूप में मोहम्मद रफीक को बोल्ड करके विपक्षी टीम की पारी का अंत किया जून 2004 में हुए किंग्स्टन टेस्ट में कॉलिंस ने तीसरी बाहन्नान सरकार को आउट किया और 10वें विकेट के तौर पर तापस बैश्य को आउट किया।

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने 2009 और 2016 में पारी की पहली और आखिरी गेंद पर विकेट लेने की उपलब्धि हासिल की थी। जोहानिसबर्ग टेस्ट में मैच और पारी की पहली गेंद पर उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस को और फिर ग्रीम स्वान के तौर पर पारी का आखिरी विकेट भी अपने नाम किया। वहीं अगस्त 2016 के सेंचुरियन टेस्ट में स्टेन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फिर पारी की पहली और आखिरी गेंद पर विकेट लिया. कीवी टीम की दूसरी पारी में बॉलिंग की शुरुआत करते हुए उन्होंने पहली बॉल पर टॉम लॉथम को बोल्ड किया और फिर हेनरी निकोलस को पेवेलियन भेजा।

अगले माह भारत और जर्मनी खेलेंगे दो मैचों की सीरीज : हॉकी इंडिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। हॉकी इंडिया ने कहा है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगले माह 23 और 24 अक्टूबर को यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को जर्मनी के हाथों ही इस बार पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'जर्मनी के खिलाफ इस द्विपक्षीय सीरीज में शीर्ष विश्व स्तरीय हॉकी देखने को मिलेगी। भारत और जर्मनी की टीम का प्रदर्शन हाल में काफी अच्छा रहा है। ऐसे में इस सीरीज में प्रशंसकों को विश्व की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। टिर्की ने कहा, 'हम इस सीरीज की मेजबानी से उत्साहि हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी बेहतर होंगे। वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'भारत-जर्मनी की टीमों के बीच हमेशा ही एक रोमांचक प्रतियोगिता हुई है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं और मेरा मानना है कि यह सीरीज दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने का अवसर देगी। दूसरी ओर जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच ने कहा कि उनकी टीम इस कठिन सीरीज के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हॉकी में भारतीय टीम को हमेशा ही एक विशेष स्थान रहा है और हमारी टीम उत्साही भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस सीरीज से दोनो ही देशों के बीच खेल संबंध और बेहतर होंगे।

मुंबई सिटी इस बार आईएसएल जीतने के पूरे प्रयास करेगी : विक्रम

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुंबई सिटी एफसी के फॉरवर्ड विक्रम प्रताप सिंह का कहना है कि उनकी टीम इस बार आईएसएल फुटबॉल ट्रॉफी जीतने के पूरे प्रयास करेगी। सिंह ने कहा, हम पिछली बार से ज्यादा उत्साहित और प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि जब आप मुंबई सिटी एफसी जैसे क्लब के लिए खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि जीतना है। हमारे लिए ड्रॉ हार के समान है और हर कोई इसी मानसिकता के साथ खेलता है। उन्होंने माना कि इस समय टीम कठिन हालातों का सामना कर रही है। उसे इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप में अपने शुरुआती दो मैचों में ड्रॉ और हार का सामना पड़ा है। विक्रम चार साल पहले अक्टूबर 2020 में मुंबई सिटी एफसी में शामिल हुए थे पर साल 2023/24 सीजन उनके लिए अच्छा रहा। इस फॉरवर्ड ने इस सत्र में 20 मैच खेलकर सात गोल किये। उन्होंने एफसी गोवा के खिलाफ सेमीफाइनल के पहले चरण में ही 91वें मिनट में एक अहम गोल करके अपनी टीम को 3-2 से जीत दिलाई थी। हालांकि विक्रम का कहना है कि उनपर कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दबाव ज्यादा मायने नहीं रखता। मैं हमेशा पिछले सत्र से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करता हूं। मेरा लक्ष्य केवल पिछले सत्र से ज्यादा गोल करना है। अब इस खिलाड़ी का लक्ष्य टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है।

रहाणे को क्रिकेट अकादमी बनाने महाराष्ट्र सरकार ने आवंटित की जमीन

मुंबई (ईएमएस)। क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे अब महाराष्ट्र में एक आधुनिक खेल अकादमी बना सकेंगे। महाराष्ट्र सरकार ने इस अकादमी के लिए उन्हें जमीन भी आवंटित कर दी है। ये जमीन वही है जो पहले अकादमी बनाने के लिए पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को दी गयी थी पर वह तय समय तक काम शुरु नहीं कर पाये जिसके बाद सरकार ने जमीन का आवंटन रद्द कर दिया था। वहीं अब महाराष्ट्र कैबिनेट ने बांद्रा की ये जमीन रहाणे को अकादमी बनाने दे दी है। सरकार के बयान के अनुसार बांद्रा रिक्लेमेशन में 2,000 वर्ग मीटर की भूमि रहाणे को तीस साल के लिए लीज पर दी जाएगी। यही भूमि गावस्कर को साल 1988 में एक इनडोर क्रिकेट सेंटर के लिए आवंटित की गई था पर कोई काम नहीं होने के कारण सरकार ने इसे 2022 में वापस ले लिया था। महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी ने पहले एक प्रस्ताव पारित कर रहाणे को यह प्लॉट देने की सिफारिश की थी और इसी प्रस्ताव को राज्य कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। रहाणे ने जमीन के आवंटन के लिए सरकार को धन्यवाद भी दिया है। गौरतलब है कि साल 2011 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से रहाणे ने खेल के तीनों ही प्रारूपों में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए 195 मैचों और 251 पारियों में 35.95 की औसत से 15 शतक और 51 अर्द्धशतक के साथ 8,414 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 188 रन रहा।

समित द्रविड़ को तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिलेगा ?, यूथ वनडे सीरीज

पुडुचेरी (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को अब यहां 26 सितंबर को यूथ वनडे सीरीज के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई अंडर 19 टीम के खिलाफ खेलने का अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा। शुरुआती दोनो ही मैचों में समित टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अब तक हुए दोनो ही मैचों में इंडिया अंडर 19 टीम ने जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की है। ऐसे में तीसरे मैच में भी टीम में बदलाव होने की संभावना कम ही है। सीरीज का तीसरा और आखिरी एकदिवसीय मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 30 सितंबर से टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। समित दो साल बाद आयोजित होने वाले अंडर 19 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि तब तक उनकी उम्र अधिक हो जाएगी। अगला अंडर 19 विश्व कप 2026 में आयोजित होगा। समित ऑलराउंडर के तौर पर खेलते हैं। समित ने हाल में कर्नाटक में महाराजा टी20 लीग कूच बिहार ट्रॉफी में कर्नाटक की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। उसी के बाद ही चयनकर्ताओं ने उन्हें अंडर 19 टीम में शामिल किया।

शुभमन से अच्छी दोस्ती से बड़ी साझेदारी बनाने में सहायता मिली : ऋषभ

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबा बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि उनकी शुभमन गिल के साथ अच्छी दोस्ती है। इससे बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शुभमन के साथ अच्छी साझेदारी बनाने में सहायता मिली। ये दोनो ही बल्लेबाज पहली पारी में अधिक रन नहीं बना पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने 167 रन की साझेदारी बनाकर मैच बदल दिया।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें ऋषभ ने कहा कि जब मैदान के बाहर आपके बीच बहुत अच्छे संबंध होते हैं तो फिर उस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए तालमेल बनाने में सहायता मिलती है। हम एक दूसरे के खेल का आनंद ले रहे थे, आपस में खूब बातें कर रहे थे और मैच पर भी बात कर रहे थे और बेहद सहज थे। इसके अलावा हम दोनों यह जानते थे कि हमें क्या करना है।

रहाणे ईरानी कप में मुम्बई की कप्तानी करेंगे, शारदुल करेंगे वापसी

मुंबई (ईएमएस)। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को शेष भारत के खिलाफ एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिए मुंबई का कप्तान बनाया गया है। वहीं सर्जरी से उबरे ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर भी इस मुकाबले से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करेंगे। इस मैच में मुंबई की टीम की ओर से श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स मुलानी और तनुश कोटियान जैसे खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें सरफराज खान के शामिल होने को लेकर भी संशय छाया हुआ है क्योंकि वह भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

ऐसे में अगर कोई बल्लेबाज चोटिल होता है तो उन्हें अवसर मिल सकता है।

ईरानी कप में सबसे सफल टीम शेष भारत है। उसने 30 बार यह खिताब जीत चुकी है। अगर आंकड़े देखें तो शेष भारत ने 61 बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है जिसमें 30 बार जीत तो 29 बार वह उपविजेता रही है। वहीं मुंबई 29 बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुकी है। वह 14 बार चैंपियन तो 14 बार उपविजेता रही है। कर्नाटक ने 8 बार में 6 बार यह चैंपियनशिप जीती है। दिल्ली ने 7 भागीदारियों में 2 बार, रेलवे ने 2 भागीदारियों में 2 बार इसे जीता है। वहीं पंजाब, बड़ौदा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश टीमें ऐसे हैं जोकि एक बार भी यह टूर्नामेंट जीत नहीं पाई हैं।

महिला टीम के बाद झारखण्ड पुरुष टीम भी बनी पारा थ्रो बॉल राष्ट्रीय चैंपियन

रांचीः महिला टीम के बाद झारखण्ड पुरुष टीम ने पारा थ्रो बाल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वाधान में पारा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ़ झारखण्ड के द्वारा हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव में बीसीसीएल कप पारा थ्रो बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान को 3-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया जबकि हरियाणा को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कांटे के तककर में झारखण्ड ने राजस्थान को 15-13, 15-12, 11-15 एवं 15-10 से मात दिया। विदित हो कि महिला वर्ग में झारखण्ड महिला टीम ने राजस्थान को 2 -0 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया था। विजेताओं को कप के साथ व्यक्तिगत पदक एवं नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्री रमेश सिंह समाजसेवी, निर्मला रावत, निदेशक पारा थ्रो बाल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया, फेडरेशन के अध्यक्ष डॉक्टर अल्बर्ट प्रेम कुमार, सुधा लील्हा, निशा मेहता, मंजीत सिंह, कमल कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत और कास्य पदक प्रदान किया। झारखण्ड टीम के कोच मुकेश कंचन ने कहा कि यह झारखण्ड के लिए गर्व का विषय है। राज्य की टीम ने विपरीत परिस्थियों में तैयारी कर यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने कहा कि अगर सहयोग और अवसर मिले तो राज्य के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने मे सक्षम हैं। इस अवसर पर राज्य के कप्तान सनोज महतो ने कहा, कि यह जीत निशक्ततता पर जीत है। संस्था के अध्यक्ष श्री राहुल मेहता ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग के लिए बीसीसीएल, सीसीएल, सीएमपीडीआई, एनटीपीसी, झारखंड सरकार, मुक्ति संस्थान, भूषण डेंटल क्लिनिक, विमेन हेल्पलाइन सोसायटी, डिसेबल स्पोर्ट्स एवं जन उत्थान समिति, दराद, दीपशिखा, यंग इंडिया, एनबीजेके, लीड्स, आशा, खेलगांव स्पोर्ट्स अथॉरिटी आदि को धन्यवाद दिया। प्रतिगोगिता के आयोजन में सरिता सिन्हा, आम्रपाली, नेहा, पतरस तिर्की, मुन्ना प्रसाद, तथा दीपशिखा के विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

लोकहित अधिकार पार्टी का संगठन विस्तार , पांचवीं सूची जारी : साहू

रांचीः प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू जी के निर्देशानुसार प्रधान महासचिव मो अजहर आलम के द्वारा संगठन विस्तार की पांचवीं सूची जारी की गई ! प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि हटिया विधानसभा राँची के निवासी हजारी प्रसाद साहू उर्फ मोदी जी पूर्व दिनों अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा छोड़कर लोकहित अधिकार पार्टी में शामिल हुए ! इनको प्रदेश सचिव सह हटिया विधानसभा क्षेत्र का चुनाव प्रभारी मनोनीत किया गया है ! गढ़वा जिला भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से जयराम पासवान जी पूर्व दिनों आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव पद से त्यागपत्र देकर अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ लोकहित अधिकार पार्टी में शामिल हुए ! इनको पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया ! पलामु जिला पांकी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेसी नेता विश्वनाथ साहू जी पूर्व दिनों अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए ! इनको को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह पांकी विधानसभा क्षेत्र का चुनाव प्रभारी तथा बरहेट विधानसभा क्षेत्र के निवासी गंगा राम मालतो जी को भी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया गया ! मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी का संगठन विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है ! झारखंड के सभी जिला में पार्टी से जुड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है ! इधर सहारा इंडिया समेत अन्य नन बैंकिंग कम्पनियों में डुबा हुआ धनराशि आम जनता को वापस दिलाने के लिए महामहिम राज्यपाल महोदय के समक्ष 30 सितम्बर को महाधरना भी दिया जाएगा !

नप द्वारा स्वच्छता पर ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल में किया गया प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : उमेश सिंह एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित रेहला के ज्ञान निकेतन पब्लिक स्कूल में विश्रामपुर नगर परिषद विश्रामपुर ने स्वच्छता पखवाड़ा के तहत कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिसमे स्वच्छता ही सेवा है व स्वच्छता का महत्व विषय पर चित्रकला तथा निबंध प्रतियोगिता कराया गया.बच्चों ने अपने चित्रकला में स्वच्छता का महत्व को बेहतर तरीके से उकेरा। निबंध प्रतियोगिता में भी बच्चों ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया। इस दौरान नगर परिषद द्वारा बच्चों के बीच कई पाठ्य सामग्री का वितरण किया। कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडैत ने बताया कि गांधी जयंती के दिन प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों के बीच पुरस्कारों का वितरण किया जायेगा। मौके पर स्कूल के निदेशक अमित कुमार सिंह,प्राचार्य मनीष पांडेय,नगर प्रबंधक सुभाष हेंब्रम,सुमित कुमार, दीपक कुमार,सुबोध केशरी,शिक्षक शैलेश चौबे,प्रवीण प्रसाद,विमलेश यादव,विकास पांडेय,अवनीश चौबे,रिचा मिश्रा,परमिता गुप्ता,शिवानी कश्यप,ज्योति सिंह,वैशाली सिन्हा,निशिका सिंह,मनीषा वर्मा,संजीदा खातून,प्रियंका शुक्ला सहित कई लोग मौजूद थे।

बुचई गाँव में हाथियों के झुंड ने चारदीवारी तोड़ फसलों को पहुंचाया नुकसान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुचई में हाथियों कि झुंड ने काफी उत्पाद मचाई है। हाथियों की झुंड ने सोमवार 23 सितंबर की रात गांव में प्रवेश कर फसलों को क्षतिग्रस्त करते हुए चारदीवारी को गिरा दिया है। हाथियों की झुंड ने ग्राम बुचई निवासी विकास यादव पिता मुंशी गोप की चारदीवारी गिराकर खेतों में लगी मकई की फसल को नुकसान पहुंचाई है। जबकि वासुदेव यादव, प्रयाग गोप दोनों पिता रूपी महतो, रामेश्वर यादव पिता बुधन महतो तथा सुरेंद्र पासवान पिता मुंशी पासवान के खेत एवं बाड़ी में लगी मकई और रहड़ की फसल को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है।इस बाबत स्थानीय ग्रामीण विकास कुमार यादव ने बताया की झुंड में चार हाथी शामिल है। जो चलकुशा प्रखंड क्षेत्र के परतकोला मनैया की ओर से गांव में प्रवेश किया है। हाथियों की झुंड गांव में नुकसान पहुंचाने के बाद ग्राम लेवडा जंगल से सटे घंघरी बगोदर प्रखंड क्षेत्र के सीमाने की ओर चला गया है।ग्रामीणों ने बताया कि गांव में हाथी के घुसने की सूचना वन विभाग के अधिकारियों को रात में ही दे दी गई थी।

70,000 यूनियन बैंककर्मी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किए

रांची : मंगलवार को अंचल/क्षेत्रीय कार्यालय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, रांची और धनबाद पर उच्च बैंक प्रबंधन के मनमानी के खिलाफ पूरे देश में यूनियन बैंक में 70,000 यूनियन बैंककर्मी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किए। विरोध प्रदर्शन पूरे 134 क्षेत्रीय कार्यालयों पर किया गया साथ ही केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई पर भी आज विरोध प्रदर्शन किया गया। रांची अंचल कार्यालय पर दोनों संगठनों के लगभग 150 और 50 साथियों ने धरना प्रदर्शन में भाग लिए। क्षेत्रीय प्रमुख रांची और धनबाद को 20 मांगों की सूची भी सौंपी गयी। आज के धरना प्रदर्शन करने का विशेष कारण यह रहा कि 17-18 सितम्बर को केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई में वार्ता करके प्रबंधन मांग मानने से इन्कार कर दिया। साथ ही 19 सितम्बर को केन्द्रीय श्रमायुक्त (ब्स्ब्) नई दिल्ली द्वारा प्रबंधन को निर्देश देने के बावजूद 23 सितम्बर को प्रबंधन द्वारा किसी भी सही मांग को मानने से इन्कार कर देना है। जिसमें से कुछ मुख्य मांगें इस प्रकार हैं:-

1. बैंक में सभी पदों पर भर्ती शीघ्र करना।
2. बैंक के पूंजी को अनावश्यक रूप में खर्च करने पर रोक लगे।
3. अनुकम्पा के आधार पर नौकरी शीघ्र प्रदान करना।
4. बैंक में आउटसोर्सिंग से कार्य करवाना बंद हो।
5. बैंक में अप्रेन्टिस की भर्ती बंद हो।
6. उप श्रमायुक्त मुम्बई में 12 मार्च 2020 को हुए समझौते के अनुसार सबस्टाफ की भर्ती शीघ्र करना।
7. यूनियन के पदाधिकारियों पर अनावश्यक रूप से कारवाई पर रोक लगाना और अल्पसंख्यक यूनियन को बढ़ावा देना बंद करना।
8. बैंक में समझौते के अनुसार नियमानुसार समय से कार्य करना।
9. केन्द्रीय श्रमायुक्त के निर्देश का पालन हो।
10. बैंक के अधिकारियों का मानसिक प्रताड़ना बंद हो।

प्रदर्शन में झारखण्ड प्रदेश बैंक इम्पलाईज एसोसिएशन (श्रच्ठम्।) के पदाधिकारी और रांची जिले के महामंत्री कॉ0 अमन सिबरीवाल जी भाग लिए और प्रदर्शन को संबोधित किए। महिला कन्वेनर अधिकारी संगठन की कॉ0 अनु कुमारी ने भी सम्बोधित किया। प्रदर्शन में भारी संख्या में महिला साथियों ने भाग लिया। प्रदर्शन में भाग लेने वाले सभी संगठन के पदाधिकारियों एवं साथियों का महामंत्रियों द्वारा आभार प्रकट किया गया और उन्हें धन्यवाद दिया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व अधिकारी वर्ग के महामंत्री कॉ0 ज्योत्स्नेश्वर पांडेय और कर्मचारी वर्ग के महामंत्री कॉ. दिनेश कुमार शर्मा ने किया।

पालू गांव में भाजपाइयों ने परिवर्तन यात्रा क़ो लेकर कि बैठक

ओरमांझी(मोहसीन आलम):ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के पालू गांव में राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा के तहत चुटूपालु पंचायत के भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक किया गया,बैठक में पूर्व विधायक रामकुमार पाहन प्रभारी के रूप में उपस्थित थे.उन्होने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा परिवर्तन यात्रा का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना है।हमें जनता के बीच जाकर उनके मुद्दों को समझना और सरकार के खिलाफ मजबूत आंदोलन खड़ा करना है। इस यात्रा के माध्यम से हम राज्य की जनता को सही जानकारी देंगे और उन्हें जागरूक करेंगे।सभी ने एक स्वर में झारखंड को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का संकल्प लिया साथ ही परिवर्तन यात्रा को सफल बनाने के लिए एकजुटता से काम करने का भी संकल्प लिया
बैठक में शशि मेहता ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री चतुर साहू मण्डल उपाध्यक्ष सुनील महतो मुखिया विरेन्द्र मुण्डा उपमुखिया राजकिशोर साहू अजय साहू रोहित साहू चन्द्र मोहन महतो राम-लखन महतो जागेश्वर मुण्डा संतोष महतो राजकमल बेदिया संतोष करमाली कालेश्वर साहू राजेंद्र मुण्डा संजय मुण्डा डुमेशर साहू मनोज महतो भिखु बेदिया अशोक करमाली उमेश साहू मुकेश साहू रितेश साहू सतीश साहू सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

67वीं औपबंधिक सूची
जिला–हजारीबाग (पार्ट–7)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20042021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
	विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी श्री मो0 महमूद आलम एवं सुखदेव प्रसाद यादव द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री के समक्ष आवेदन में दर्ज बयान तथा पहचान के आधार पर।	
362.	1. आवेदन क्र0–3271/24 2. आवेदक–बिमला देवी, पति–राजेश कुमार 3. ग्राम–कुजू बस्ती, पोस्ट–कुजू, थाना–माण्डू, प्रखण्ड–माण्डू 4. लिंग–महिला, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–दांया हाथ में तिल।	कंडिका–2(ix)
363.	1. आवेदन क्र0–3272/24 2. आवेदक–राजेश कुमार, पिता–गणेश साव 3. ग्राम–कुजू बस्ती, पोस्ट–कुजू, थाना–माण्डू, प्रखण्ड–माण्डू 4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांये होठ में तिल।	कंडिका–2(ix)
364.	1. आवेदन क्र0–1813/24 2. आवेदक–कल्याणी देवी, पति–अरूण प्रसाद साहु 3. ग्राम–कॉलेज रोड बुन्डू, पोस्ट–बुन्डू, थाना–बुन्डू, प्रखण्ड–बुन्डू 4. लिंग–महिला, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–ललाट के बांयी ओर तिल।	कंडिका–2(ix)
365.	1. आवेदन क्र0–3664/24 2. आवेदक–मीना देवी, पिता–बिजेन्द्र प्रसाद 3. ग्राम–हेसालौंग, पोस्ट–हेसालौंग, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4. लिंग–महिला, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–ललाट पर घाव।	कंडिका–2(ix)
366.	1. आवेदन क्र0–3665/24 2. आवेदक–थानु महतो, पिता–चेतना महतो 3. ग्राम–गौरिया करमा टोला, पोस्ट–गौरिया करमा, थाना–बरही, प्रखण्ड–बरही 4. लिंग–पुरूष, आयु–72 वर्ष, पहचान चिन्ह–दांया हाथ में तिल।	कंडिका–2(ix)
367.	1. आवेदन क्र0–3666/24 2. आवेदक–सुरेन्द्र प्रसाद, पिता–स्व0 धनु साव 3. ग्राम–दारू खरिका, पोस्ट–दारू, थाना–दारू, प्रखण्ड–दारू 4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर में कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
368.	1. आवेदन क्र0–3667/24 2. आवेदक–बद्री यादव, पिता–जयलाल यादव 3. ग्राम–भंडरा, पोस्ट–सरैया, थाना–बरही, प्रखण्ड–पदमा 4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–दांया गर्दन में तिल।	कंडिका–2(ix)
369.	1. आवेदन क्र0–3668/24 2. आवेदक–रामचन्द महतो, पिता–दीपन महतो 3. ग्राम–गौरिया करमा टोला, पोस्ट–गौरिया करमा, थाना–बरही, प्रखण्ड–बरही 4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–पीठ में तिल।	कंडिका–2(ix)
370.	1. आवेदन क्र0–3669/24 2. आवेदक–उत्तीम राम, पिता–मेघन राम 3. ग्राम–कजरा, पोस्ट–देवचन्दा, थाना–बरही, प्रखण्ड–बरही 4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–दांया हाथ में तिल।	कंडिका–2(ix)
371.	1. आवेदन क्र0–3670/24 2. आवेदक–दुलार महतो, पिता–रेवल महतो 3. ग्राम–गौरिया करमा टोला, पोस्ट–गौरिया करमा, थाना–बरही, प्रखण्ड–बरही 4. लिंग–पुरूष, आयु–78 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया हाथ में तिल।	कंडिका–2(ix)
372.	1. आवेदन क्र0–3671/24 2. आवेदक–सीता देवी, पति–बालेश्वर महतो 3. ग्राम–बनगावॉ, पोस्ट–गौरिया करमा, थाना–बरही, प्रखण्ड–बरही 4. लिंग–महिला, आयु–71 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया हाथ में कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
373.	1. आवेदन क्र0–3672/24 2. आवेदक–द्वारिका महतो, पिता–भूखाली महतो 3. ग्राम–गौरिया करमा टोला, पोस्ट–गौरिया करमा, थाना–बरही, प्रखण्ड–बरही 4. लिंग–पुरूष, आयु–68 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ में तिल।	कंडिका–2(ix)
374.	1. आवेदन क्र0–1892/24 2. आवेदक–प्रकाश साव, पिता–बेनी साव 3. ग्राम–694 बी पुराना वाटर टैंक पथरिया गोमिया, पोस्ट–गोमिया, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया कलाई पर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी श्री नीलकण्ठ महतो एवं निरंजन महतो द्वारा माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
375.	1 आवेदन क्र0–3157/24 2 आवेदक–लालो मांझी , पिता–स्व0 चरका मांझी 3 ग्राम–बहेरा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाएं होठ में कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
376.	1 आवेदन क्र0–3158/24 2 आवेदक–धर्म सिंह भोक्ता , पिता–ठाकुर प्रसाद गंझु 3 ग्राम–कजरी , पोस्ट–तापीन , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
377.	1 आवेदन क्र0–3159/24 2 आवेदक–शिवलाल महतो , पिता–स्व0 खैटा महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना कान के सामन तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
378.	1 आवेदन क्र0–3160/24 2 आवेदक–दशरथ महतो , पिता–जगदेव महतो 3 ग्राम–बासाडीह , पोस्ट–जरबा , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में तिल का दाग।	कंडिका–2(ix)
379.	1 आवेदन क्र0–3161/24 2 आवेदक–उमेश महतो , पिता–जगलाल महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया आँख के सामने तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
380.	1 आवेदन क्र0–3162/24 2 आवेदक–उमेश चौधरी , पिता–स्व0 प्रहलाद चौधरी 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया ठेहुना में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
381.	1 आवेदन क्र0–3163/24 2 आवेदक–सिद्धेश्वर महतो , पिता–स्व0 भोला महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
382.	1 आवेदन क्र0–3164/24 2 आवेदक–मनोहर सिंह , पिता–अर्जुन सिंह 3 ग्राम–चरही , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
383.	1 आवेदन क्र0–3165/24 2 आवेदक–शिवानी देवी , पति–स्व0 काली महतो 3 ग्राम–चनारो , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
384.	1 आवेदन क्र0–3166/24 2 आवेदक–दिनेश्वर सिंह , पिता–भिखन सिंह 3 ग्राम–नीमाडीह (कारूखाप) , पोस्ट–हेन्देगड़ा , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाढ़ी में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
385.	1 आवेदन क्र0–3167/24 2 आवेदक–तीजू महतो , पिता–स्व0 चैता महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
386.	1 आवेदन क्र0–3168/24 2 आवेदक–देवनाथ महतो , पिता–स्व0 रामदास महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना कान कटा हुआ।	कंडिका–2(ix)
387.	1 आवेदन क्र0–3169/24 2 आवेदक–रामलाल महतो , पिता–स्व0 खैटा महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
388.	1 आवेदन क्र0–3170/24 2 आवेदक–मोहम्मद आलम , पिता–इमामुद्दीन अंसारी 3 ग्राम–चरही , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
389.	1 आवेदन क्र0–3171/24 2 आवेदक–अरजलाल ठाकुर , पिता–बिगन ठाकुर 3 ग्राम–चरही , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
390.	1 आवेदन क्र0–3172/24 2 आवेदक–नागेश्वर महतो , पिता–स्व0 जयपाल महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया आँख में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
391.	1 आवेदन क्र0–3173/24 2 आवेदक–दिलीप साव , पिता–स्व0 रघु साव 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया हाथ में टुट का निशान।	कंडिका–2(ix)
392.	1 आवेदन क्र0–3174/24 2 आवेदक–राज कुमार महतो , पिता–रामेश्वर महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया गाल में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
393.	1 आवेदन क्र0–3175/24 2 आवेदक–धानेश्वरी देवी , पति–जगदीश महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने आँख में माशा का निशान।	कंडिका–2(ix)
394.	1 आवेदन क्र0–3176/24 2 आवेदक–रामानन्द महतो , पिता–जगदीश महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना आँख के सामने तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
395.	1 आवेदन क्र0–3177/24 2 आवेदक–शिवनारायण महतो , पिता–जगदीश महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
396.	1 आवेदन क्र0–3178/24 2 आवेदक–कोलश्वर महतो , पिता–स्व0 ठाकुर महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया माथा में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
397.	1 आवेदन क्र0–3179/24 2 आवेदक–महेन्द्र साव , पिता–सुदामा साव 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
398.	1 आवेदन क्र0–3180/24 2 आवेदक–श्याम मराण्डी , पिता–जीपा मांझी 3 ग्राम–कजरी , पोस्ट–तापीन , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया हाथ में शिक्का का निशान।	कंडिका–2(ix)
399.	1 आवेदन क्र0–3181/24 2 आवेदक–हैदर अली , पिता–शेख सुलतान 3 ग्राम–कजरी , पोस्ट–तापीन , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
400.	1 आवेदन क्र0–3182/24 2 आवेदक–मकीबुन निशा , पति–हैदर अली 3 ग्राम–कजरी , पोस्ट–तापीन , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
401.	1 आवेदन क्र0–3183/24 2 आवेदक–इरशाद करीम , पिता–अलि मजहर 3 ग्राम–कजरी , पोस्ट–तापीन , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–71 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
402.	1 आवेदन क्र0–3184/24 2 आवेदक–मुमताज सफीउर रहमान , पिता–शेख सुलतान 3 ग्राम–कजरी , पोस्ट–तापीन , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन में तिल का चिन्ह।	कंडिका–2(ix)
403.	1 आवेदन क्र0–3185/24 2 आवेदक–महेश महतो , पिता–स्व0 पृथ्वीनाथ महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया हाथ में शिक्का का निशान।	कंडिका–2(ix)
404.	1 आवेदन क्र0–3186/24 2 आवेदक–रोसिला देवी , पति–रामलाल महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
405.	1 आवेदन क्र0–3187/24 2 आवेदक–काशी महतो , पिता–लेदु महतो 3 ग्राम–चनारो , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया पैर में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
406.	1 आवेदन क्र0–3188/24 2 आवेदक–पानको देवी , पति–किशुन महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दोनो हाथ में खोदा का निशान।	कंडिका–2(ix)
407.	1 आवेदन क्र0–3189/24 2 आवेदक–सहजनाथ महतो , पिता–स्व0 लाला महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
408.	1 आवेदन क्र0–3190/24 2 आवेदक–बालेश्वर महतो , पिता–स्व0 जयपाल महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना छाती में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
409.	1 आवेदन क्र0–3191/24 2 आवेदक–ज्ञानन्द कुमार महतो , पिता–कौशल महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया ठेहुना में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
410.	1 आवेदन क्र0–3192/24 2 आवेदक–महालाल हंसदा , पिता–स्व0 ठुमा हंसदा 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
411.	1 आवेदन क्र0–3193/24 2 आवेदक–तहाराम हेम्ब्रोम , पिता–चेतलाल हेम्ब्रोम 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया हाथ में शिक्का का निशान।	कंडिका–2(ix)
412.	1 आवेदन क्र0–3194/24 2 आवेदक–अनिल कुमार महतो , पिता–रोहन महतो 3 ग्राम–हेन्देगढ़ा , पोस्ट–हेन्देगढ़ा , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया नाक में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
413.	1 आवेदन क्र0–3195/24 2 आवेदक–होलिका देवी , पति–प्रकाश महतो 3 ग्राम–हेन्देगढ़ा , पोस्ट–हेन्देगढ़ा , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं	कंडिका–2(ix)
414.	1 आवेदन क्र0–3196/24 2 आवेदक–सुखदेव महतो , पिता–स्व0 भोला महतो 3 ग्राम–हेन्देगढ़ा , पोस्ट–हेन्देगढ़ा , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
415.	1 आवेदन क्र0–3197/24 2 आवेदक–हैदर अली , पिता–सैराजुद्दीन अंसारी 3 ग्राम–हुवाग , पोस्ट–बलसगरा , थाना–माण्डू , प्रखण्ड–डाड़ी 4 लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
416.	1 आवेदन क्र0–3423/24 2 आवेदक–अंजन कुमार उर्फ तापेश्वर प्रसाद , पिता–डोमन साव 3 ग्राम–37 कोर्रा जबरा , पोस्ट–कोर्रा , थाना–सदर , प्रखण्ड–सदर 4 लिंग–पुरूष , आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया गर्दन में तिल का दाग।	कंडिका–2(ix)
417.	1 आवेदन क्र0–3424/24 2 आवेदक–विराजो देवी , पति–किटकू महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–माथा में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
418.	1 आवेदन क्र0–3425/24 2 आवेदक–किटकू महतो , पिता–स्व0 भुपल महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया कान में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
419.	1 आवेदन क्र0–3426/24 2 आवेदक–पियासो देवी , पति–पितरू महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ के अँगूली में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
420.	1 आवेदन क्र0–3427/24 2 आवेदक–सुरपति देवी , पति–स्व0 सुरेश महतो 3 ग्राम–सरवाहा , पोस्ट–चरही , थाना–चरही , प्रखण्ड–चुरचू 4 लिंग–महिला , आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–बांया छाती में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)

नोट :–
1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
3. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उरॉव) अध्यक्ष

PR 336673 Home(24-25)D

अटल विचार मंच के संस्थापक पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा का चौपारण दौरा आज

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग):अटल विचार मंच के संस्थापक, भारत सरकार के पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री सह हजारीबाग लोकसभा के पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा का दिन बुधवार को 02 बजे दिन में चौपारण दौरा होगा।उक्त जानकारी अटल विचार मंच के वरिष्ठ सदस्य राजेश सहाय ने दिया। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी को अपना आदर्श मानने वाले सिन्हा के राजनितिक सक्रियता से हजारीबाग नगर निगम, बिजली विभाग,सदर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कार्यकलापों में अपेक्षित सुधार और तेजी देखी जा रही है।इसी कड़ी में ब्लौक मोड़(दुर्गा मंदिर)परिसर में दनुआ घाटी एवं जी टी रोड पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर N.H के पदाधिकारियों और आम लोगों के साथ वार्ता करेंगे। मालूम हो कि जब से जीटी रोड सिक्स लेन चौड़ीकरण और चौपारण में फ्लाइ ओवर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है,तब से सड़क दुर्घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है।गत दिनों में सुस्त गति से कार्य करने और दनुआ घाटी में सड़क का एलाइमेंट सही नहीं रहने के कारण सैकड़ों लोग असमय कालकलवित हो चुके हैं।हाल ही में विश्वकर्मा पूजा के दिन चौपारण निवासी 17 वर्षीय प्रीतम केशरी की दर्दनाक मौत ने पुरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा मृतक प्रीतम केशरी के शोकाकुल परिजनों से भी मुलाकात करेंगे और इस समस्या का स्थाई समाधान निकालने का प्रयास करेंगे ।

मॉर्निंग वॉक सह जनसंपर्क अभियान के तहत लोगो से मिले भाजपा नेता राजीव रंजन सिंह

जमशेदपुर। कदमा सोनारी लिंक रोड में मॉर्निंग वॉक सह जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा नेता सह पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। साथ साथ जमशेदपुर एवं झारखंड के समग्र विकास एवं मौजूदा भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में कमल चिन्ह पर वोट करने के लिए लोगो को प्रेरित किए।

विधायक मंगल कालिंदी ने गदड़ा गांधीनगर में पेबर्स ब्लॉक पथ का किया उद्घाटन

जमशेदपुर । गदड़ा स्थित गांधीनगर में 500 फीट नवनिर्मित पेबर्स ब्लॉक पथ का उद्घाटन किया गया. इस विधिवत उद्घाटन जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने किया. यह पेबर्स ब्लॉक पथ गांधीनगर में अवधेश साहू के घर से सिपाही जी के घर तक बनायी गयी है. पथ का उद्घाटन होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है. इस अवसर पर मिथुन चक्रवर्ती, जितेंद्र सिंह, बिरजू पात्रो, विश्वजीत भगत, पहाड़ सिंह, राकेश सिंह, उदय मिश्र, नितिन हांसदा, मुखिया उमेश पुराण समेत अन्य मौजूद थे.

विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें युवा --डॉ अजीत कुमार सिन्हा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : रांची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के 55 वें स्थापना दिवस 24 सितंबर 2024 को कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडोत्तोलन द्वारा किया गया। उन्होंने इसके उपरांत गुब्बारों को उड़ाकर सभी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया। रांची विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना दिवस की मुख्य अतिथि डॉ अजीत कुमार सिंह रहे साथ ही साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में डॉक्टर अर्चना दुबे मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ अरुण कुमार विज्ञान संकाय अध्यक्ष, रांची विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ मुकुंद चंद्र मेहता, रांची विश्वविद्यालय की ओएसडी डॉ स्मृति सिंह ने सहभागिता सुनिश्चित की। झंडोत्तोलन के पश्चात एन एस एस के स्वयंसेवकों के लिए युवा संगोष्ठी काआयोजन आर्यभट्ट सभागार में किया गया। संगोष्ठी की शुरुआत एन एस एस लक्ष्य गीत से किया गया।

रांची विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ ब्रजेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया उन्होंने अपने भाषण में सभी मुख्य अतिथि और सभागार में मौजूद तमाम प्रोगाम ऑफीसर्स राष्ट्रीय सेवा आयोग योजना के कार्यकर्ताओं का स्वागत किया उन्होंने अपने

भाषण में विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यकर्ता जिनको राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है वह हमारे कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा के कार्यकाल में संभव हो पाया है। उन्होंने बिरसा मुंडा और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए उनके बलिदान के बारे में बताया उन्होंने ईच वन टीच वन जैसे कार्यक्रम जो राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जा रहा है का उल्लेख किया और अपने अभिभाषण को बेहद शायराना अंदाज में प्रस्तुत किया। डॉ अरुण कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक कार्य करती है और हमारे कार्यकर्ता सामाजिक कार्य के लिए तत्पर रहते हैं डॉक्टर अर्चना दुबे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया और उनका उनका अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवा बहुमूल्य योगदान दें और 2047 का भारत विकसित भारत के रूप में दिखाई पड़े। उन्होंने डॉ ब्रजेश कुमार को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों के कुशल संचालन के लिए बधाई एवं धन्यवाद दिया एवं उन्होंने युवा शक्ति को सबसे मजबूत बताया और कहा कि आज के समय में धनी वही है जिसके पास युवा शक्ति है । उन्होंने कहा कि आर यू के 10200 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हैं जो हमेशा सक्रिय रहते हैं एवं उनकी सराहना जितनी की जाए वह कम है ।राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक प्रधानमंत्री के दिए गए मिशन 2047 के लिए विशेष रूप से तैयार हो रहे हैं और विकसित भारत का सपना पूरा करेंगे ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

स्थापना दिवस सम्मान समारोह में आज रांची विमेंस कॉलेज की डॉक्टर कुमारी उर्वशी को उनके प्रोग्राम ऑफिसर के तौर पर पांच वर्षों के उत्कृष्ट कार्यकाल के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही राँची विमेंस कॉलेज की डॉक्टर कुमारी भारती सिंह, निर्मला कॉलेज रांची की डॉ सुषमा किरण एक्का, आरटीसी b.ed कॉलेज रांची की डॉ निकू कुमारी, जवाहर विद्या मंदिर के श्री शशांक कुमार सिन्हा, समर्पणदीप b.ed कॉलेज रांची के डॉक्टर आनंद कुमार भगत हिंदी विभाग विश्वविद्यालय रांची की डॉक्टर कुमुद कल मेहता को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले कार्यकर्ताओं में स्मिता चंदा, सुप्रिया झा ,सुप्रिया कुमारी अनीशा ,अमांशि प्रिया , प्रीति कुमारी ,आर्या एस एन मिंज,कामिनी केशरी,सौरभ दीप, बॉबी कुमार , कुमार शौर्य खलखो, शिवम कुमार रहे। राष्ट्रीय छात्र सांसद महोत्सव 2024 नई दिल्ली जाने वाले दो कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया जिनके नाम आकाश कुमार और आयशा फातिमा है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विशाखा कुमारी द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत किया गया, गोस्सनर कॉलेज के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विमेंस कॉलेज के द्वारा ग्रुप डांस तथा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। डोरंडा कॉलेज के द्वारा छठ पूजा का अद्भुत नाटकीय मंचन किया गया। इसके अलावा संस्कृत विभाग के छात्र के द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं योगदा कॉलेज ,आरटीसी, डोरंडा कॉलेज के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। रांची विश्वविद्यालय के कुछ कार्यकर्ताओं के द्वारा प्रत्येक रविवार को 2 वर्षों से मुस्कान क्लासेस चलाए जा रहे हैं आज इन 120 कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र और मेडल देकर प्राचीन विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः आस्था दीप, अतुल कुमार, दिवाकर आनंदएवं दीक्षा कुमारी ने संयुक्त रूप से किया एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलानुशासक डॉ मुकुन्द चंद्र मेहता ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः पुरषोत्तम, दीपक, नवीन, सुरभि, आकाश, रोहित, अंकित, अंगिता आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

सीसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची के नये भवन के तीसरे तल पर अवस्थित सभागार में निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (का./राजभाषा) श्री संजय कुमार ठाकुर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षगण, महाप्रबंधकगण एवं राजभाषा नोडल अधिकारी सहित सीसीएल के क्षेत्रों से आए प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि यह राजभाषा की बैठक ही नहीं है, अपितु हमारे कार्य

का ही एक महत्वपूर्ण भाग है । उन्होंने आगे कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी विभागों के राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण होनी चाहिए। उन्होंने राजभाषा विभाग से कहा कि जिन विभागों को हिंदी में काम करने में दिक्कत आ रही है उन्हें सहयोग करें।

महाप्रबंधक (का./राजभाषा) श्री संजय कुमार ठाकुर ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया साथ ही राजभाषा विभाग द्वारा किये गये संबंधित विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे राजभाषा संबंधी गतिविधियों से सबको अवगत कराया।

बैठक में मूल रूप से हिंदी में पत्राचार, टिप्पण आलेखन व अन्य कार्यालयीन कार्य इत्यादि पर विस्तार से चर्चा हुई।

राजभाषा में विगत तिमाही में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए तकनीकी : सुरक्षा एवं बचाव विभाग, गैर तकनीकी : मानव संसाधन विभाग एवं क्षेत्र : कुजू क्षेत्र को चल शील्ड द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री संजय कुमार ठाकुर ने की एवं धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबन्धक (खनन) श्री एस आर तालंकार ने की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजभाषा एवं अन्य विभागों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीसीएल द्वारा "राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति" विषय पर भाषण एवं नारा प्रतियोगिता का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सतर्कता जागरूकता अभियान-2024 के दौरान सीसीएल द्वारा "राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति" विषय पर भाषण एवं नारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।सतर्कता जागरूकता अभियान-2024 के अंतर्गत आज केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में सीसीएल मुख्यालय एवं गांधीनगर अस्पताल द्वारा "राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति" विषय पर भाषण एवं नारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सतर्कता विभाग, सीसीएल मुख्यालय एवं गांधीनगर अस्पताल के अधिकारीगण मौजूद थे। उन्होंने विद्यार्थियों में ईमानदारी की संस्कृति विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। ज्ञात हो की सतर्कता जागरुकता अभियान के तहत पूरे सीसीएल में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित कर सत्य निष्ठा एवं पारदर्शी कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित किया जा रहे हैं।

कही नामांकन प्रारंभ कहीं छात्र-छात्राएं कर रहे हैं मेरिट लिस्ट का इंतजारः अभिषेक शुक्ला

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची :रांची महानगर युवा आजसू के संयोजक अभिषेक शुक्ला मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा की रांची विश्वविद्यालय ने 23 सितंबर तक इंटरमीडिएट में नामांकन के लिए अपने सभी अंगीभूत महाविद्यालय मे ऑनलाइन माध्यम से फार्म भरवाने के लिए कहा लगभग 1 महीने में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी अंगीभुत महाविद्यालय में लगभग तीन से चार हजार छात्र छात्राओं ने फॉर्म भरा है। जिसमें मुख्य रूप से मारवाड़ी महाविद्यालय में 570, डोरंडा महाविद्यालय में 650, सिसई कॉलेज सिसई में 400, खूंटी महाविद्यालय में 300 ,एसएस मेमोरियल महाविद्यालय में 200 , रांची विमेंस कॉलेज में200, राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय में 170, मांडर महाविद्यालय मे 150, जेएन कॉलेज धुर्वा मे 100, बीएस कॉलेज लोहरदगा में 170, छात्र-छात्राओं ने फॉर्म भरा वही कैसी भगत बेरो कॉलेज में 160 नामांकन हो चुके हैं, पीपीके कॉलेज बुंडू में भी नामांकन प्रारंभ है मगर बाकी सभी अंगीभूत महाविद्यालय में नामांकन अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है इस दोहरी नीति के चलते इंटरमीडिएट में नामांकन लेने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है अब कुछ दिनों में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी परंतु अभी तक इन महाविद्यालय में नामांकन प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई है, ऐसे में इन सभी छात्र छात्राओं के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है एवं यह सभी छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को लेकर काफी चिंतित हैं। श्री शुक्ल ने आगे कहा के राची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी अंगीभुत महाविद्यालयों को आपसी ताल मेल बैठा कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जितने भी छात्र छात्राओं ने नामांकन के लिए आवेदन दिया है उनका नामांकन 24 26 सत्र के लिए जल्द से जल्द लिया जाए जिससे कि इन सभी पांच जिलों में पढ़ने वाले नीचे एवं गरीब तबके के छात्र-छात्राएं अपने आगे की उच्च शिक्षा एवं उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हो सके।

धर्मेंद्र तिवारी से मिलकर राज्य के श्रमिक मित्र ने अपनी व्यथा सुनाईं

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी से झारखंड राज्य के श्रमिक मित्र मिलकर अपनी व्यथा सुनाईं। श्री तिवारी कहा कि विभाग और सरकार आज 2 वर्ष हो गए कुछ नहीं सुन रही है। जबकि श्रमिक मित्र 8 वर्षों से कार्यरत है। बड़ा ही अजीबोगरीब घटना सुनने को मिला । श्रमिक मित्रों की नियुक्ति 2016 में हुई। और वह भी साक्षात्कार लेकर एक चयन समिति बनी जिसमें श्रम परिवर्तन पदाधिकारी, सीडीपीओ, अंचल अधिकारी और लोगों ने मिलकर श्रमिक मित्रों का चयन किया. चयन 824 लोगों का हुआ, नियुक्ति पत्र भी मिला इनका कार्य भवन निर्माण से संबंधित श्रमिकों/ मजदूरों को निबंधित कर लाभ दिलाने की जिम्मेदारी दी गई. और मजदूर को लाभ के प्रति जागरूक करना इसके एवरेज में प्रत्येक श्रमिक मित्र को एक मजदूर के निबंधन पर 15 का लाभ इनको मिलता था। 50 से अधिक रजिस्ट्रेशन होने पर 20 की राशि दी जाती थी। और लाभ का आवेदन यदि देते थे तो 10 की राशि दी जाती थी। श्रम अधीक्षक के देखरेख में इनका कार्य चलता था। बड़ा दुर्भाग्य है कि इनको यह राशि प्रोत्साहन के रूप में मिल रही थी जबकि यही विभाग न्यूनतम मजदूरी फिक्स करता है। लेकिन यह कैसा कारनामा की 2016 में उनकी नियुक्ति की जाती है वह भी नियम के संगत चयन समिति बनाकर 824 श्रमिक मित्रों की जो सरकारी योजनाओं को अमली जामा पहना रहे है, सरकार आपके द्वार योजनाओं को भी देखते हैं सभी योजनाओं का कार्य दिया जाता है। सरकार आपके द्वारा का कार्यक्रम हो या और जो भी योजनाएं हैं प्रोत्साहन राशि के रूप में इनको राशि दी जाती है 15 ही। इनके द्वारा 2016 से अब तक करीब 30 लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ है मजदूरों का निबंध इन्होंने किया लाभ का वितरण भी कराया पर 2022 से लिखित नहीं मौखिक रूप से इनसे कार्य लिया जाता है। लगातार श्रमिक मित्र कार्य कर रहे हैं पूर्व में पत्र मिलता था कार्य आदेश पर अब नहीं। श्रम अधीक्षक हर जिले में निर्माण कार्य के अलावे सभी योजनाओं का कार्य करते हैं उन्होंने आगे कहा कि कोरोना काल में रेलवे हो, बस स्टैंड हो, जहां खिचड़ी बनती हो, वहां भी इन लोगों ने सरकार के साथ मिलकर कदम से कदम मिलाकर कार्य किया इस महामारी में सेवा दी बिना मजदूरी के केवल आदेश का पालन कर रहे थे धन्य है यह राज्य और यहां की सरकार लेकिन इन्हें न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिली. यह भी परिवार वाले इंसान है सरकार इन पर ध्यान नहीं देती. प्रखंड स्तर के सारे कार्य इसे कराए जाते हैं श्रमिक मित्रों से पर राशि 15 निबंध पर ही मिलता है.कैसी व्यवस्था है सरकार की अधिकारी, पदाधिकारी कहां फंसे हुए हैं. उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है. घर परिवार किसी तरह चल रहे हैं दाने-दाने को श्रमिक मित्र मोहताज है उनकी सुधि लेने वाला कोई नहीं। मजदूरो की सेवा करना ही धर्म समझ रहे है। कि हम अपने समाज में, राज्य में, जिले में, प्रखंड में सेवा दे रहे हैं। सेवा का कार्य कर रहे हैं। लोगों की दुख दर्द को समझ रहे हैं। लेकिन सरकार उनके दुख को नहीं समझ पाई। सरकार इन्हें सुविधा देने के पहल कभी कि नहीं इन्हें मानदेय मिलना चाहिए। उनकी मजदूरी तय होनी चाहिए। चिराग तले अंधेरा बंधुआ मजदूर है श्रम विभाग में। आखिर श्री हेमंत सोरेन जी जो राज्य के मुखिया है झारखंड की दशा बदलने की बात करते हैं वहां15 में एक व्यक्ति को सेवा देने वाले मजदूरों को लाभ बताने वाले श्रमिक मित्र कैसे घर चलाएंगे। कैसे बच्चों को पढ़ाएंगे कैसे अपना जीवन यापन करेंगे। पदाधिकारी अधिकारी सोए हैं यदि आपको इनका मानदेय नहीं देना था तो इनको 8 वर्षों से प्रलोभन देकर क्यों अपने विभाग में रखा। उनकी उम्र का ध्यान क्यों नहीं रखा समाज में सेवा का कार्य कर रहे हैं

श्री तिवारी ने कहा अभिलंब सरकार को सोचना चाहिए और इन्हें मानदेय देना चाहिए। जहां सरकार अलग-अलग योजनाओं के तहत रोजगार देना चाहती है पर इनको ना योजनाओं का लाभ मिल रहा है और नहीं रोजगार।

प्रख्यात व्यवसायी दिलीप कुमार सिन्हा का निधन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : शहर के जाने-माने व्यवसायी दिलीप कुमार सिन्हा का 23 सितंबर को दुखद निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और उन्होंने रांची के क्युरेस्टा अस्पताल में अपनी अंतिम सांस ली। 68 वर्ष की आयु में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा। वे अपनी पत्नी और दो बच्चों को शोकाकुल छोड़ गए हैं। दिलीप कुमार सिन्हा रांची के बर्दवान कंपाउंड स्थित कोयला विहार में निवास करते थे और कोकर इंडस्ट्रियल एरिया में कई वर्षों से अपने व्यवसाय को संचालित कर रहे थे। उनके निधन से न केवल उनके परिवार में बल्कि व्यापारिक जगत में भी शोक की लहर है। उनकी सामाजिक और व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

टाटा स्टील के वायर डिविजन में सालाना बोनस, साढ़े पांच सौ कर्मचारियों को मिलेंगे 2.22 करोड़ रुपये

जमशेदपुर । टाटा स्टील के वायर डिविजन (पुराना नाम तार कंपनी और जेम्को) में भी सालाना बोनस तय हो गया। इसके तहत कंपनी के 540 कर्मचारियों के बीच 2.22 करोड़ रुपये का वितरण किया जायेगा। बोनस मे कर्मचारियों को अधिकतम 64 हजार और न्यूनतम 16500 रुपये मिलेंगे। कर्मचारियों के बैंक खाता में जल्द राशि चली जायेगी। प्रबंधन और यूनियन के इन अधिकारियों ने किये बोनस समझौता पर हस्ताक्षर । वायर डिविजन प्रबंधन और मान्यता प्राप्त द वायर प्रोडक्ट लेबर यूनियन की बैठक में कंपनी के सालाना लाभ समेत कई पहलुओं पर चर्चा हुई। यूनियन के प्रतिनिधियों ने सारे पहलुओं पर चर्चा के बाद बेहतर बोनस का अनुरोध किया।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

मेरे प्यारे झारखण्ड वासियों, जोहार !

कुपोषण मुक्त झारखण्ड के संकल्प को साकार करने हेतु प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 01 से 30 सितम्बर तक **'पोषण माह'** के रूप में मनाया जा रहा है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ शरीर के लिए सही पोषण अत्यावश्यक है। विशेष रूप से किशोरी, बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पौष्टिक आहार बहुत ही महत्वपूर्ण है।

झारखण्ड प्रदेश को प्रकृति ने विभिन्न प्रकार की हरी साग-सब्जियों एवं फलों का उपहार दिया, है जो हमारे घर आंगन के आस-पास अत्यन्त आसानी से कम मूल्य में उपलब्ध है। अपने भोजन में इनका समावेश कुपोषण को दूर करने में हमारी बहुत मदद कर सकता है। पोषण माह के दौरान एनीमिया को दूर करने, वृद्धि निगरानी, ऊपरी आहार के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार, पोषण भी, पढ़ाई भी, को बढ़ावा देने, बेहतर पोषण के लिए तकनीक का वृहत उपयोग एवं समग्र पोषण पर जागरुकता फैलाने हेतु राज्य/जिला/परियोजना/आंगनबाड़ी केन्द्रों पर विभिन्न विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियाँ जन आंदोलन के रूप में आयोजित की जाएँगी। आंगनबाड़ी केन्द्रों, शिक्षण संस्थानों तथा पंचायतों आदि में अन्नप्राशन, गोदभराई, पोषण रैली, पोषण रथ, पोषण पर चर्चा, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा रचनात्मक गतिविधियाँ यथा-रंगोली प्रतियोगिता, क्विज तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिससे लोगों में पोषण को लेकर ज्ञानवर्धन हो सके।

मेरा अनुरोध है कि विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें एवं पोषण के संदेशों को घर-घर तक पहुंचाएं, ताकि कुपोषण मुक्त झारखण्ड का हमारा सपना साकार हो सके।

सुपोषित झारखण्ड, साक्षर झारखण्ड, सशक्त झारखण्ड !

हमारा संकल्प
कुपोषण मुक्त झारखण्ड
पोषण माह 2024

आपका
हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 336995 (Women, Child Development & Social Security) 2024-25

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।